THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 62 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ कृ. 2 2081 शनिवार, 25 मई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

सुनीता विलियम्स तीसरी बार अंतरिक्ष में जाने के लिए तैयार

वॉशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अंतरिक्षयात्री सुनीता विलियम्स एक बार फिर अंतरिक्ष की उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष में जाएंगी। बोइंग के स्टारलाइनर की लॉन्चिंग 1 जून से 5 जून के बीच हो सकती है। पहले ये अंतरिक्षयान इस महीने की शुरूआत में लॉन्च होने वाला था, लेकिन तकनीकी खराबी की वजह से यह लॉन्चिंग टल गई थी।

सुनीता विलियम्स 41 साल की उम्र में पहली बार साल 2006 में नासा के एक्सपेडिशन-14 के तहत अंतरिक्ष में गईं थी, वहां उन्होंने चार बार स्पेस वॉक भी किया। इसके बाद वे 2012 में नासा के ही एक्सपेडिशन-33 मिशन के तहत दूसरी बार अंतरिक्ष में गईं।

बूथ वाइज डेटा अपलोड करने का निर्देश नहीं दे सकते : सुप्रीम कोर्ट

5 फेज की वोटिंग हो चुकी, चुनाव आयोग के लिए मैनपावर जुटाना मुश्किल

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनाव आयोग की वेबसाइट पर 48 घंटे के अंदर बूथ वाइज वोटिंग डेटा और फॉर्म 17सी डेटा अपलोड करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने यह याचिका लगाई थी।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की वेकेशन बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि लोकसभा चुनाव के 5 फेज की वोटिंग हो चुकी है। बेंच ने कहा, अब सिर्फ दो फेज की ही वोटिंग बाकी हैं। ऐसे में डेटा अपलोडिंग के लिए मैनपावर जुटाना चुनाव आयोग के लिए मुश्किल होगा। चुनाव बाद रेगुलर बेंच मामले को देखेगी।

वोटिंग प्रतिशत में फर्क आने पर याचिका लगाई गई :

लोकसभा चुनाव शुरू होने के बाद वोटिंग के दिन चुनाव आयोग वोटर टर्नआउट जारी करता है। इसके कुछ दिन बाद वह इस फेज के फाइनल डेटा जारी करता है। कांग्रेस, एडीआर और तृणमूल ने दोनों डेटा में अंतर आने के बाद ही सवाल उठाए और सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

याचिका के मुताबिक, चुनाव आयोग ने 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद और 26 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के चार दिन बाद 30 अप्रैल को फाइनल वोटिंग पर्सेंट जारी किया था। इसमें वोटिंग के दिन जारी शुरूआती आंकड़े के मुकाबले वोटिंग पर्सेंट लगभग 5-6 प्रतिशत ज्यादा था।

चुनाव आयोग ने 22 मई को दिए हलफनामे में तीन बातें कही थीं :

एडीआर ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि चुनाव आयोग मतदान होने के 48 घंटे के अंदर हर पोलिंग बूथ पर डाले गए वोटों का आंकड़ा जारी करे। एडीआर ने याचिका में फॉर्म 17 की स्कैन की हुई कॉपी भी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने की मांग की थी। 17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा था।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एफिडेविट में कहा था कि फॉर्म 17सी (हर मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकॉर्ड) के आधार पर वोटिंग डेटा का खुलासा करने से मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा होगा, क्योंकि इसमें बैलेट पेपर की गिनती भी शामिल होगी।

ऐसा कोई कानून नहीं है, जिसके आधार पर सभी मतदान केंद्रों का फाइनल वोटिंग डेटा जारी करने के लिए कहा जा सके। फॉर्म 17सी केवल पोलिंग एजेंट को दे सकते हैं। इसे किसी अन्य व्यक्ति या संस्था को देने की अनुमति नहीं है। फॉर्म 17सी वह प्रमाण पत्र है, जिसे पीठासीन अधिकारी सभी प्रत्याशियों को प्रमाणित करके देता है।

आयोग ने कहा था कि कई बार जीत-हार का अंतर नजदीकी होता है। आम वोटर फॉर्म 17सी के अनुसार बूथ पर पड़े कुल वोटों और बैलेट पेपर को आसानी से नहीं समझ सकते। ऐसे में इसका इस्तेमाल गलत तरीके से चुनावी प्रक्रिया पर कलंक लगाने के लिए किया जा सकता है, जिससे मौजूदा चुनाव में अव्यवस्था फैल सकती है।

चुनाव आयोग बोला- चुनाव प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा करने का अभियान चल रहा :

सुप्रीम कोर्ट ने 17 मई को एनजीओ की याचिका पर सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग से एक हफ्ते में जवाब मांगा था। बुधवार (22 मई) को आयोग ने कहा, चुनाव प्रक्रिया को लेकर भ्रामक दावों और निराधार आरोपों से संदेह पैदा करने का अभियान चल रहा है। इसे समझना होगा। सच सामने आने तक नुकसान हो चुका होगा। एडीआर कानूनी अधिकार का दावा कर रहा है लेकिन ऐसा कानून है ही नहीं।

ईवीएम का डेटा तीन साल तक सुरक्षित रखने के निर्देश दें, कपिल सिब्बल ने किया आग्रह

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि चुनाव आयोग को ईवीएम के डेटा को कम से कम दो या तीन साल के लिए सुरक्षित रखने के निर्देश दिए जाएं। सिब्बल ने शीर्ष अदालत से यह अनुरोध भी किया है कि आयोग को मतगणना से पहले प्रत्येक चरण के मतदान के रिकॉर्ड की घोषणा करने के भी निर्देश दिए जाएं। ताकि कोई भी सदस्य अवैध रूप से निर्वाचित न हो।

डेटा का सुरक्षित रखने की आवश्यकता :

सिब्बल ने कहा कि अगर चुनाव आयोग द्वारा फॉर्म 17सी (दर्ज किए गए वोटों का खाता) अपलोड नहीं किया जा सकता तो राज्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा यह जिम्मेदारी ली जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि ईवीएम का डेटा सुरक्षित रखने से यह पता चलेगा कि मतदान किस समय पर संपन्न हुआ और कितने वोट अवैध हैं। इससे यह भी पता चलेगा कि वोट किस समय डाले गए थे।

8 राज्यों की 58 सीटों पर वोटिंग आज

मनोज तिवारी, कन्हैया कुमार और मेनका गांधी मैदान में, पूर्व हाईकोर्ट जज भी चुनाव लड़ रहे

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। 2024 लोकसभा चुनाव के छठे फेज में शनिवार (25 मई) को 7 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की 58 सीटों पर वोटिंग होगी।

जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट पर तीसरे फेज में चुनाव होना था, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया था। अब यहां छठे फेज में वोटिंग हो रही है। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा 40, बसपा 4, बीजेडी 4, सपा 1, जेडीयू 3, टीएमसी 3, एलजेपी 1, आजसू 1 सीट जीती थीं। कांग्रेस और आप अपना खाता भी नहीं खोल सकी थीं।

इस फेज में 3 केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, कृष्ण पाल सिंह गुर्जर और राव इंद्रजीत सिंह मैदान में हैं। 3 पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, मनोहर लाल खट्टर और जगदंबिका पाल भी चुनाव लड़ रहे हैं। इनके अलावा मनोज तिवारी, मेनका गांधी, नवीन जिंदल, बांसुरी स्वराज, संबित पात्रा, राज बब्बर, निरहुआ भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक, इलेक्शन के छठे फेज में 889 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 797 पुरुष और 92 महिला उम्मीदवार हैं। इस फेज में सबसे अमीर प्रत्याशी हरियाणा के कुरुक्षेत्र सीट से भाजपा उम्मीदवार नवीन जिंदल हैं। उनके पास 1241 करोड़ रुपये की संपत्ति है। 543 लोकसभा सीटों में पांचवे फेज तक 429 सीटों पर मतदान हो गया है। 25 मई तक कुल 487 सीटों पर मतदान पूरा हो जाएगा। आखिरी और सातवें फेज में 56 सीटों पर वोटिंग होगी।

183 कैंडिडेट्स पर क्रिमिनल केस, 141 ने किए हत्या-किडनैपिंग जैसे गंभीर अपराध :

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 183 कैंडिडेट ऐसे हैं, जिन पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। वहीं 141 उम्मीदवार ऐसे भी हैं, जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें से 12 उम्मीदवारों को किसी न किसी मामले में दोषी ठहराया गया है। 6 उम्मीदवारों पर हत्या और 21 पर हत्या की कोशिश के मामले दर्ज हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 24 उम्मीदवारों पर दर्ज हैं। 3 उम्मीदवारों के खिलाफ दुष्कर्म (आईपीसी-376) का केस दर्ज है। वहीं, 16 कैंडिडेट्स पर भड़काऊ भाषण देने का केस दर्ज है।

39 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति, भाजपा के सबसे ज्यादा 48 :

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में 889 उम्मीदवारों में से 39 प्रतिशत यानी 343 करोड़पति हैं। इन कैंडिडेट्स के पास औसत संपत्ति 6.21 करोड़ रुपये है। सबसे ज्यादा भाजपा के 48 उम्मीदवार करोड़पति हैं। कांग्रेस से भाजपा में आए नवीन जिंदल सबसे अमीर कैंडिडेट हैं। उनके पास 1241 करोड़ की संपत्ति है।

इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर संतृप्त मिश्रा (482 करोड़ रुपये) और तीसरे नंबर पर कांग्रेस के सुशील गुप्ता (169 करोड़ रुपये) हैं। बीजू जनता दल के सभी 6 कैंडिडेट, आरजेडी और जेडीयू के सभी 4 कैंडिडेट, सपा के 11, टीएमसी के 7, कांग्रेस के 20 और आम आदमी पार्टी के 4 कैंडिडेटस की संपत्ति एक करोड़ या उससे ज्यादा है। सबसे कम संपत्ति वाले उम्मीदवारों में एसयूसीआईसी (सी) के उम्मीदवार रामकुमार यादव का नाम है। उनके पास 1686 रुपये की संपत्ति है। वहीं, रोहतक से निर्दलीय उम्मीदवार मास्टर रणधीर सिंह के पास संपत्ति के नाम पर महज 2 रुपये हैं।

रामदेव के खिलाफ क्रिमिनल केस

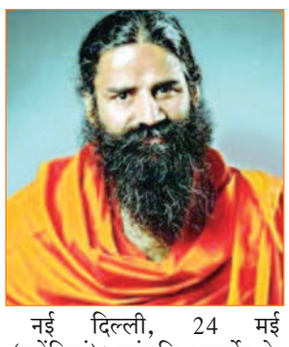

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। पतंजलि आयुर्वेद के को-फाउंडर बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ केरल की एक कोर्ट में क्रिमिनल केस दर्ज किया गया है। यह मामला कंपनी द्वारा कथित रूप से भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के संबंध में दायर किया गया है।

कोझिकोड में न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट तीन जून को मामले की सुनवाई करेगी। इस मामले में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की संभावना है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी भ्रामक विज्ञापनों के लिए पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ शुरू की गई अदालती अवमानना की कार्यवाही में उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया था।

पतंजलि उत्पादों का विपणन और बिक्री करने वाली दिव्य फार्मेसी के खिलाफ इस साल अप्रैल में ड्रग्स इंस्पेक्टर ने मामला दर्ज किया है। यह ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 की धारा 3 (बी) और 3 (डी) के तहत दायर किया गया था, जो कुछ बीमारियों और विकारों के इलाज के लिए कुछ दवाओं के विज्ञापन पर रोक लगाता है। धारा 3(बी) विज्ञापनों में किसी भी दवा का जिक्र करने से रोकती है, जो सुझाव देती है कि इसका उपयोग यौन आनंद के लिए मनुष्यों की क्षमता को बनाए रखने या सुधारने के लिए किया जा सकता है।

धारा 3(डी) विज्ञापनों को किसी भी दवा का संदर्भ देने से रोकती है जो सुझाव देती है कि इसका उपयोग अनुसूची में निर्दिष्ट किसी भी बीमारी, विकार या स्थिति या किसी अन्य बीमारी, विकार के निदान, इलाज, शमन, उपचार या रोकथाम के लिए किया जा सकता है। या शर्त जो अधिनियम के तहत बनाए गए नियमों में निर्दिष्ट की जा सकती है।

पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव हाल ही में अपने उत्पादों के बारे में भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए सुर्खियों में रहे हैं।

अगर भारत की सीमाएं अधिक सुरक्षित होती तो और तेजी से विकास होता : डोभाल

हमारी सीमाएं निकट भविष्य में उतनी सुरक्षित नहीं होंगी, जितनी तेज हमें आर्थिक विकास के लिए चाहिए।

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का 21वां अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम रुस्तमजी मेमोरियल में हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर भारत की सीमाएं अधिक सुरक्षित और परिभाषित होती तो भारत बहुत तेजी से प्रगति करता। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमारे देश की शक्ति में भारी वृद्धि हुई है।

कार्यक्रम में एनएसए ने आगे कहा कि हमारी सीमाएं निकट भविष्य में उतनी सुरक्षित नहीं होंगी, जितनी तेज हमें आर्थिक विकास के लिए चाहिए। इसलिए बीएसएफ पर यह जिम्मेदारी बहुत अधिक हो गई है कि वे 24 घंटे सतर्क रहें। उन्हें देश की सुरक्षा के लिए और अधिक चौकन्ना होना होगा। किसी भी देश के लिए सीमाएं महत्वपूर्ण हैं। यह हमारी संप्रभुता को परिभाषित करती हैं।

भारत आने वाले वर्षों में और अधिक विकास करेगा :

डोभाल ने कार्यक्रम में कहा कि भारत बहुत तेजी से बदल रहा है। अगले 10 वर्षों में हम 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। यह एक बड़ी उपलब्धि है। मौजूदा सरकार ने पिछले 10 वर्षों के दौरान सीमा सुरक्षा पर बहुत अधिक ध्यान दिया है। हमारी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति काफी बढ़ी है। भारत भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और रक्षा और सुरक्षा विनिर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों का केंद्र होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत एक समय तक हथियारों का आयातक था। वही भारत ने 31 मार्च तक 2.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के हथियारों का निर्यात किया। यह सिर्फ सरकार की आत्मनिर्भर भारत की नीति के कारण हो पाया है।

10 सीमा प्रहरियों को बहादुरी के लिए किया जाएगा सम्मानित :

समारोह में बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने कहा कि आज दस बहादुर सीमा प्रहरियों को उनकी बहादुरी के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जा रहा है। इनमें से सात बहादुरों ने अपने जीवन का बलिदान दे दिया। उनके परिजन पदक प्राप्त करने के लिए यहां मौजूद हैं। मैं समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए सेवारत और सेवानिवृत्त सभी कर्मियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं।

नए आपराधिक कानूनों को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज का समर्थन

न्याय प्रक्रिया में आएगी तेजी

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। वर्ष 2023 में देश की संसद द्वारा पारित किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश नवीन सिन्हा ने अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों की मदद से न्याय प्रक्रिया में तेजी आएगी और अपराधों से प्रभावी तरीके निपटा जाएगा। पूर्व न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया कि इन्हें सफल बनाने के लिए न्यायाधीशों और पुलिस के लिए प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराने होंगे।

सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सिन्हा ने सुप्रीम कोर्ट के वकील अश्विनी कुमार दुबे की पुस्तक 'एंड ऑफ कोलोनियल लॉज - फ्रॉम विजन टू एक्शन' के विमोचन के अवसर पर यह टिप्पणी की। पूर्व न्यायाधीश ने कहा कि समय बदल रहा है और समय के अनुसार कानून में भी बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, कानून निर्माताओं ने महसूस किया है कि मौजूदा कानून समाज के उद्देश्यों को पूरा नहीं कर रहे हैं। इसलिए नए कानूनों की मदद से अपराधों से प्रभावी तरीके से निपटा जाएगा।

मिजोरम में घुसे मणिपुर से भगाए गए 5 हजार म्यांमारी

चिन-कुकी लोगों का 7-8 गांवों में अवैध कब्जा, रिश्तेदारों के घर जाकर छिपे

आईजोल, 24 मई (एजेंसियां)। मणिपुर से निकाले जा रहे म्यांमार के चिन-कुकी लोग मिजोरम में अवैध रूप से घुस रहे हैं। बीते एक हफ्ते में ऐसे करीब 5 हजार घुसपैठिए जंगल के रास्ते मिजोरम में आ चुके हैं। इन्होंने चम्फाई जिले के खुआगंफाह और वाइखाव्लांग जैसे सीमाई गांवों में अपने ठिकाने बनाए हैं।

चम्फाई के उपायुक्त जेम्स ललिन्छाना ने बताया कि ये म्यांमारी 17 मई से घुसपैठ कर रहे हैं। चम्फाई में इनकी संख्या 16 हजार से ज्यादा हो चुकी है। 7 से 8 गांवों में इनके अवैध कब्जे हैं। ज्यादातर घुसपैठियों ने भारत-म्यांमार इंटरनेशनल बॉर्डर के पास खुआंगफा और वैखावत्लांग इलाके में अपने रिश्तेदारों के यहां शरण ली है।

उन्होंने आगे कहा कि ये लोग खुद को म्यांमार में चल रहे सैन्य संघर्ष के पीड़ित बताते हैं, लेकिन इनमें ज्यादातर वे हैं, जिन्हें मणिपुर सरकार ने हाल ही में बाहर निकाला है।

अधिकारियों का मानना है कि उनके देश (म्यांमार) में उनकी जान को खतरा था। इसलिए ये लोग यहां आए हैं। हम उनकी गतिविधि से अवगत हैं। हमारा मानना है कि वहां स्थिति सामान्य होने पर वे वापस अपने घर चले जाएंगे।

बता दें कि मिजोरम से सटा म्यांमार बॉर्डर खुला हुआ है। मिजोरम के छह जिले, चम्फाई, सियाहा, लॉन्गटलाई, हनाहथियाल, सेरछिप और सैतुअल म्यांमार के साथ बॉर्डर शेयर करते हैं।

बिभव कुमार को 4 दिन की ज्यूडीशियल कस्टडी

दिल्ली सीएम के पीए पर स्वाति मालीवाल से मारपीट का आरोप, 18 मई को अरेस्ट हुए थे

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के आरोप में सीएम केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बिभव को दिल्ली पुलिस ने 18 मई को अरेस्ट किया था। शुक्रवार को पुलिस रिमांड खत्म होने पर बिभव को तीस हजारी कोर्ट में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने उसे 28 मई तक ज्यूडीशियल कस्टडी में रखने का निर्देश दिया।

दिल्ली पुलिस पीए बिभव कुमार को लेकर आईफोन का डेटा रिकवर करने के लिए मुंबई भी लेकर गई थी। दरअसल, विभव ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया था कि उन्होंने अपना फोन मुंबई में फॉर्मेट कर दिया था। इसके बाद से ही पुलिस इस मामले में बिभव के मोबाइल डेटा को रिट्रीव करने की कोशिश में लगी है, क्योंकि पुलिस को उम्मीद है कि मोबाइल का डेटा मिलने से इस मामले के अहम सुराग हाथ आ सकते हैं।

मामले की जांच अब स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। एसआईटी को नॉर्थ दिल्ली की डीसीपी अंजिता चेप्याला लीड कर रही हैं। टीम में इंस्पेक्टर रैंक के 3 अधिकारी भी हैं। इनमें सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन का अधिकारी भी शामिल है, जहां मामला दर्ज किया गया था।

चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 52 लोगों की मौत

हार्ट अटैक से केदारनाथ में गई सबसे ज्यादा जान

देहरादून, 24 मई (एजेंसियां)। चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बदरीनाथ में 14, केदारनाथ में 23, गंगोत्री में 03 और यमुनोत्री में 12 श्रद्धालुओं की जान गई है। केदारनाथ में बीते 10 वर्ष में 350 यात्रियों की मौत हो चुकी है, जिसका प्रमुख कारण सीने में दर्द, बेचैनी और दिल का दौरा पड़ना रहा है।

बदरीनाथ धाम की यात्रा पर आए केरल के एक श्रद्धालु की गुरुवार को हृदयगति रुकने से मौत हो गई। परिजनों ने विष्णुप्रयाग में ही अंतिम संस्कार करा दिया। अब तक बदरीनाथ धाम की यात्रा पर आए आठ श्रद्धालुओं की हृदयगति रुकने से मौत हो चुकी है।

हेमकुंड साहिब की यात्रा पर आए पंजाब के एक यात्री की मौत :

केरल के तिरुवनंतपुरम से चार महिलाएं और दो पुरुष दर्शन करने के लिए बदरीनाथ आए हुए थे। बुधवार को अचानक श्रीनिवासन (63) की हृदयगति रुकने से मौत हो गई। सीएमओ डॉ. राजीव शर्मा ने इसकी पुष्टि की है। इसके बाद परिजन शव को विष्णुप्रयाग लेकर आए, लेकिन उनके पास अंतिम संस्कार कराने के लिए कोई सामान नहीं था। इस पर उन्होंने

नगर पालिका जोशीमठ से मदद मांगी। इस पर पालिका ने उन्हें सामग्री उपलब्ध करवाई, तब जाकर अंतिम संस्कार किया गया।

वहीं हेमकुंड साहिब की यात्रा पर आए पंजाब के एक यात्री की हृदयगति रुकने से मौत हो गई। हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को खुलेंगे और पहला जत्था शुक्रवार को गोविंदघाट से घांघरिया के लिए रवाना होगा। कुछ श्रद्धालु पहले ही घांघरिया पहुंच रहे हैं।

गोविंदघाट एसओ लक्ष्मी प्रसाद बिजल्वाण ने बताया, बृहस्पतिवार को गोविंदघाट से घांघरिया जा रहे यात्री जसविंद्र सिंह (60) निवासी लुधियाना, पंजाब की भ्यूंडार के आगे रामढुंगी के पास हृदयगति रुकने से मौत हो गई।

अपने हक के लिए हालात बदलने की तैयारी की जरूरत : शशि थरूर

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि इंडिया गठबंधन के लिए पूरे देश में बेहतर माहौल है और हम बहुमत के साथ सरकार में आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा बहुमत से काफी नीचे है। प्रधानमंत्री मोदी अच्छा भाषण देते हैं। लेकिन, वह प्रोपगेंडा से चुनाव जीतते हैं। चार जून को देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। पिछले चुनाव में एनडीए को बिहार में 39 सीटें मिली थी, लेकिन, बिहार के लिए सरकार ने क्या किया। कोरोना काल की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में रहने वाले बिहार के लोगों को पैदल वापस आना पड़ा। आखिर सरकार ने उनके लिए कोई सुविधा क्यों नहीं दी?

अमेरिकी खजाने से 3 गुना ज्यादा सोना है भारतीय मंदिरों के पास

जगन्नाथ को आदिवासियों के घर से धोखे से एक सेनापति लाया था पुरी

पुरी, 24 मई (एजेंसियां)। बात तब दसवीं सदी से भी काफी पहले की है, जब ओडिशा के दक्षिण में कोरापुट जिले में सबर जनजाति रहा करती थी। उनका एक राजा था विश्व बसु। ये सभी उस क्षेत्र में एक पत्थर की प्रतिमा को पूजते थे। ये जनजाति इसी प्रतिमा को अपने अस्तित्व से जोड़कर देखती थी। इसी ताकत से वो अपना इलाका किसी को जीतने नहीं देते थे। उस वक्त पुरी का राजा था, जो अपना साम्राज्य बढ़ाने में लगा हुआ था। मगर, उसकी राह में सबसे बड़ा रोड़ा कोरापुट की यही जनजाति थी। राजा ने बहुत कोशिश की, मगर वह इन्हें जीत नहीं पाया। आखिरकार उसने अपने चतुर सेनापति विद्यापति को कोरापुट भेजा, जो भेष बदलकर इन आदिवासियों के बीच रहने लगा। अपनी किताब 'उदीप्त उड़ीसाः अब भी दरिद्र क्यों' में दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रहे डॉ। मनोरंजन मोहंती कहते हैं कि ओडिशा की कहानी भगवान जगन्नाथ के बहाने उड़िया संस्कृति और अर्थव्यवस्था को अपने अधिकार में लेने से जुड़ी है।

राजा की बेटी को प्यार में उलझाकर जाना भगवान जगन्नाथ का राज

डॉ। मोहंती के अनुसार, विद्यापति ने विश्व बसु की बेटी ललिता को अपने प्यार के जाल में उलझा लिया और उससे शादी कर ली। जब काफी समय बीत गया तो विद्यापति ने अपनी पत्नी ललिता से कहा कि वो उस भगवान को देखना चाहता है, जिससे उन आदिवासियों को ताकत मिलती थी। तब ललिता ने कहा कि हमारे भगवान तक पहुंचने का रास्ता किसी बाहरी को नहीं दिखाया जा सकता। ऐसे में अगर आपको भगवान के दर्शन करने हैं तो आपकी आंखों पर पट्टी बांधकर वहां तक ले जाना होगा। विद्यापति मान गया।

आंखों पर पट्टी बांधकर जाते समय छीटता गया सरसों के बीज

आंखों पर पट्टी बांधकर जब भगवान की प्रतिमा के पास ले जाया जा रहा था, तब रास्ते की पहचान के लिए विद्यापति ने अपनी मुट्ठियों में सरसों छीटता गया। बाद में जब वह पुरी चला गया तो उसने बारिश के बाद कोरापुट पर सेना के साथ चढ़ाई कर दी। उस दौरान तब तक सरसों उग आई थी, जो भगवान की प्रतिमा तक पहुंचने की पहचान बनी। विश्व बसु हार गए, तब भगवान जगन्नाथ को विद्यापति अपने साथ पुरी लेकर आए। वह अपने साथ पत्नी ललिता और ससुर को भी लेकर आए। बाद में 12वीं सदी के आसपास गंग वंश के शासक अनंत वर्मन चोड़गंग देव ने भगवान जगन्नाथ का मंदिर बनाया और उनके लिए रत्न भंडार भी बनवाया।

जब अंग्रेज कलकत्ता से ले आए काली मंदिर की चिट्ठी

1803 की बात है, जब एक अंग्रेज कमांडर कलकत्ता स्थित ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से मंजूरी लेकर पुरी पहुंचे और उन्होंने भगवान जगन्नाथ मंदिर के एक ब्राह्मण को काली मंदिर की चिट्ठी दी और कहा कि हम भगवान जगन्नाथ मंदिर की पूजा में मदद करेंगे। 1817 में अंग्रेजों और स्थानीय राजा के बीच बड़ी लड़ाई हुई, जिसमें राजा हार गया। तभी से यह मंदिर अंग्रेजों के कब्जे में रहा। आजादी के बाद यह मंदिर केंद्र सरकार के अधिकार में हो गया।

अमेरिकी खजाने से तीन गुना ज्यादा सोना मंदिरों में

भारत में मंदिरों के खजाने में इतना सोना है कि वो अमेरिकी सरकार के खजाने से भी तीन गुना ज्यादा है। मंदिरों में भगवान को सोना इतना पसंद है कि पद्मनाभ स्वामी मंदिर, तिरुपति बालाजी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, वैष्णो देवी मंदिर जैसे मंदिरों में 4000 टन सोना रखा है। यह आंकड़ा वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का है। भारत का गोल्ड रिजर्व भले ही 800 टन से ज्यादा हो, मगर हम भारतीयों को भी सोना इतना भाता है कि 25 हजार टन से ज्यादा सोना हम सहेजकर रखे हुए हैं। यह दुनिया में सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व रखने वाले अमेरिका के 8,965 टन का करीब तीन गुना है।

भारत में तीर्थाटन पर 4.74 लाख करोड़ खर्च

भारत में मंदिरों में भगवान का दर्शन करने का चलन परंपरा और आध्यात्मिकता से इतना जुड़ा है कि हर साल 4.74 लाख करोड़ रुपए तो सिर्फ तीर्थाटन या धार्मिक यात्राओं पर ही लोग खर्च कर देते हैं। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, भारत की टेंपल इकोनॉमी करीब 3.02 लाख करोड़ रुपए की हो चुकी है, जो देश की कुल विकास दी यानी जीडीपी का 2.32 फीसदी है।

भारत के विकास में टेंपल इकोनॉमिक जोन की भूमिका

जर्नल ऑफ एशियन स्टडीज में प्रकाशित एक रिसर्च में यूनिवर्सिटी ऑफ मिनिसोटा के प्रोफेसर बर्टन स्टीन कहते हैं कि भारत के इतिहास में सदियों से तीर्थस्थल और मंदिर महत्वपूर्ण इकोनॉमिक हब के रूप में रहे हैं। ये टेंपल इकोनॉमिक जोन के रूप में विकसित होते रहे हैं। ये भारत के विकास में अहम भूमिका निभाते रहे हैं।

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार में 150 किलो सोना

1978 में जब लिस्ट बनाई गई थी, तब जगन्नाथ मंदिर के बैंक में 600 करोड़ रुपए का डिपॉजिट, रत्न भंडार में करीब 128 किलो सोना, 221 किलो चांदी मिला था। इसके अलावा, कई बेशकीमती आभूषण भी थे। इसके अलावा, भगवान जगन्नाथ के नाम पर ओडिशा में 60,426 एकड़ जमीन और दूसरे 6 राज्यों में 395.2 एकड़ जमीन दर्ज है। वहीं, ओडिशा हाई कोर्ट में मंदिर प्रशासन के हलफनामे के अनुसार, जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार में 149.47 किलो सोना और 198.79 किलो चांदी के गहने और बर्तन हैं।

पीएम मोदी ने क्यों किया रत्न भंडार की चाबी का जिक्र

ओडिशा में चुनाव प्रचार के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की चाबी गुम होने के बहाने बीजद के उड़िया अस्मिता के दावे पर सवाल उठाए। 1985 में भगवान बलभद्र के आभूषणों की मरम्मत के लिए रत्न भंडार को खोला। इसके बाद से भगवान जगन्नाथ का यह खजाना बंद ही रहा।

2018 में पता चला कि रत्न भंडार की चाबी खो गई है। पीएम मोदी के दावे पर बीजद नेता वीके पांडियन ने कहा कि पीएम मोदी जनहित के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए चाबी का मुद्दा उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश के मुताबिक 2024 में रथयात्रा के दौरान जब मंदिर में भक्तों की भीड़ नहीं होगी और भगवान भी यात्रा पर होंगे तब कोर्ट के आदेश के मुताबिक रत्न भंडार खोला जाएगा।

अब राजनीतिक अधिकार की लड़ाई

डॉ। मनोरंजन मोहंती कहते हैं कि आज भी ओडिशा की धरती में इतना मिनरल्स है, इस पर सबकी नजर है। इसी के लिए यहां सारी लड़ाई है। हर कोई इस पर अपना कब्जा जमाना चाहता है। अंग्रेजों ने पहले इस समृद्ध क्षेत्र को अपने कब्जे में रखा, अब राजनीतिक रूप से इसे अपने अधिकार में लेने की कोशिश हो रही है।

ओबीसी आरक्षण पर हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ ममता बनर्जी सुप्रीम कोर्ट जाएंगी

बताया क्या होगा अगला कदम?

कोलकाता, 24 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार (24 मई, 2024) को कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ वो सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की चीफ ममता बनर्जी ने दक्षिण 24 परगना जिले के सागर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, "हम ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द करने संबंधी आदेश को नहीं मानते। हम ग्रीष्म अवकाश के बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे।''इससे पहले भी ममता बनर्जी ने कहा था कि वो मैं कलकत्ता हाईकोर्ट के ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने के आदेश को स्वीकार नहीं करेंगी।

ममता बनर्जी ने क्या कहा?

ममता बनर्जी ने हाल ही में कहा था,"मैं किसी का नाम नहीं लूंगी। इसे किसी ने भी पारित किया हो, लेकिन मैं यह जरूर कहूंगी कि यह आदेश बीजेपी के पक्ष में है। इस कारण हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। ओबीसी के लिए आरक्षण जारी रहेगा।"

कलकत्ता हाईकोर्ट ने क्या कहा था?

कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल में 2010 से कई वर्गों को दिया गया ओबीसी का दर्जा रद्द करते हुए कहा था, " मुसलमानों के 77 वर्गों को पिछड़ा वर्ग श्रेणी की सूची में शामिल करना उनके साथ वोटबैंक की तरह बर्ताव करना है।''ये आदेश जस्टिस तपब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस राजशेखर मंथा की पीठ ने पारित किया था।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पांच दिवसीय दौरे पर पहुंचे अगरतला, प्रशिक्षण शिविर में लेंगे भाग

अगरतला, 24 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे के लिए गुरुवार को पांच दिवसीय दौरे पर त्रिपुरा संघ मुख्यालय सेवाधाम, अगरतला पहुंचे हैं। 18 मई से शुरू हुए 20 दिवसीय शिविर में सात पूर्वोत्तर राज्यों के 152 स्वयंसेवक शामिल हुए हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से आरएसएस के 40 वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ कम से कम 30 प्रशिक्षक शिविर में भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र के संघचालक उमेश चक्रवर्ती द्वारा संचालित किया जा रहा है। उमेश चक्रवर्ती ने कहा कि आने वाले महीनों में देश भर में ऐसे 14 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें भागवत और आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबले शामिल होंगे।

बांग्लादेशी सांसद के शरीर की खाल उतारी

हड्डियों के टुकड़े किए मांस को काटकर पैक किया, गिरफ्तार कसाई ने किया खुलासा

कोलकाता, 24 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के सांसद की हत्या मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीआईडी और एसटीएफ ने इस हत्याकांड में शामिल एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। सीआईडी और एसटीएफ का कहना है कि गिरफ्तार किया गया आरोपी अन्य आरोपियों द्वारा विशेष रूप से मुंबई से लाया गया कसाई है। वह मुंबई में रहता था, जो कि अवैध अप्रवासी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिहाद हवलदार (24) पुत्र जोयनल हवलदार, बराकपुर, थाना- दिघोलिया, जिला- खुलना, बांग्लादेश के रूप में की गई है। जिहाद हवलदार को 2 महीने पहले बांग्लादेश मूल के अमेरिकी नागरिक अख्तरुज्जमां द्वारा कोलकाता लाया गया था, जो इस योजनाबद्ध वीभत्स हत्या का मास्टरमाइंड है।

कसाई ने कुबूल किया हत्या का आरोप

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी जिहाद हवलदार ने आरोप कुबूल किया है। साथ ही उसने बताया कि अख्तरुज्जमां के आदेश पर उसने और अन्य 4 बांग्लादेशी नागरिकों ने सांसद की फ्लैट में गला दबाकर उनकी हत्या कर दी थी। हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद उन्होंने फ्लैट में पूरे शरीर की खाल उतारी। इसके बाद शरीर का सारा मांस निकाल दिया। सांसद की पहचान मिटाने के लिए मांस को छोटा कर दिया। इसके बाद उन्होंने सब कुछ पॉलीथीन में पैक कर दिया। उन्होंने सांसद की हड्डियों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा और उन्हें भी पैक कर दिया।

भेजा जाएगा बारासात कोर्ट

ये सारा काम उसी फ्लैट में किया गया, जहां सांसद की हत्या की गई थी। इसके बाद आरोपियों ने मांस और हड्डियों से भरे उन पैकेटों को फ्लैट से बाहर निकाला। इसके बाद उन्होंने बाहर आने-जाने के लिए परिवहन के विभिन्न साधनों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कोलकाता के अंदर ही इस पूरी घटना को अंजाम दिया। अब गिरफ्तारी के बाद इस आरोपी को बारासात कोर्ट भेजा जाएगा। यहां पर उसके बयान को सत्यापित करने और शरीर के अंगों को बरामद करने के लिए पीसी रिमांड पर लिया जाएगा।

माफी को किया दरकिनार, इमरती ने उठाई जीतू की गिरफ्तारी की मांग

भोपाल, 24 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए विवादित बयान को लेकर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी फिर भाजपा के निशाने पर हैं। उनके बयान के केंद्र बिंदु में रहीं पूर्व मंत्री इमरती देवी ने पटवारी के खिलाफ एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। इमरती ने जीतू के माफीनामे को अस्वीकार कर उनकी गिरफ्तारी की मांग उठाई है। उन्होंने सीएम और पुलिस प्रशासन को भी इस बारे में लिखा है। पूर्व मंत्री इमरती देवी का कहना है कि जब जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है तो उनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं की जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से इस बारे में गुहार लगाई है। साथ ही पुलिस प्रशासन को भी चिट्ठी लिखकर गिरफ्तारी के लिए कहा है। इमरती देवी का कहना है कि सार्वजनिक मंच से किसी महिला का अपमान करके माफी मांग लेना कोई सजा या समाधान नहीं है। उनका मानना है कि गलती नहीं यह अपराध है और इसके लिए जीतू पटवारी को सजा मिलना चाहिए। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने लोकसभा चुनाव के दौरान सार्वनिक मंच से एक विवादित बयान दिया था। पूर्व मंत्री इमरती देवी को लेकर कही गई इस टिप्पणी से इमरती देवी सहित भाजपा ने जीतू पटवारी को घेरा था। भोपाल समेत प्रदेश भर में इसको लेकर महिला संगठनों ने प्रदर्शन भी किए थे। जिसके बाद पटवारी ने बैकफुट पर आकर इमरती देवी से माफी मांग ली थी। साथ ही अपना बयान बदलते हुए यह भी कहा था कि उनकी मंशा किसी को आहत करने की नहीं थी, यह बयान व्यंगात्मक शैली में दिया गया था, जिसको तोड़ मरोड़ कर पेश कर दिया गया।

एक्ट्रेस लैला खान और पूरी फैमिली के हत्यारे सौतेले पिता को मौत की सजा

मुंबई, 24 मई (एजेंसियां)। मुंबई की सेशन कोर्ट ने एक्ट्रेस लैला खान और उनके परिवार की हत्या के मामले में दोषी सौतेले पिता परवेज टाक को मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस महीने की शुरुआत में परवेज टाक को हत्या और सबूतों को नष्ट करने का दोषी पाया था। पिछले हफ्ते सरकारी वकील पंकज चव्हाण ने इस मामले को दुर्लभतम बताया था और दोषी परवेज को मौत की सजा दिए जाने की मांग की थी।

सरकारी वकील पंकज चव्हाण का कहना था कि ये एक सुनियोजित हत्या थी। एक क्रूर हिंसक कृत्य को अंजाम दिया गया और एक ही परिवार के छह लोगों की हत्या कर दी गई। उनके शवों को ठिकाने लगा दिया गया। यह पूरा मामला 14 साल पुराना है। दोषी ने

लैला, उनकी मां और चार भाई-बहनों की हत्या कर दी थी, उसके बाद शवों को फार्म हाउस में गाड़ दिया था। बाद में पुलिस पूछताछ में पूरी घटना से पर्दा उठा था। लैला के पिता नादिर पटेल ने मुंबई के ओशिवरा पुलिस थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया था। शिकायत में कहा गया था कि टाक और उसके साथी आसिफ शेख ने कथित रूप से लैला और उसके पारिवारिक सदस्यों का अपहरण कर लिया है।

पहले पत्नी को मारा, फिर बच्चों की हत्या कर दी

यह पूरी घटना फरवरी 2011 की है। मुंबई के इगतपुरी स्थित बंगले में परवेज टाक का सेलिना से संपत्तियों को लेकर विवाद हुआ था। उसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस जांच में सामने आया कि टाक ने पहले अपनी पत्नी सेलिना की हत्या की। उसके बाद उसने लैला और उसके चार भाई-बहनों की हत्या कर दी। पुलिस का कहना था कि टाक को लगता था कि सेलिना और उसके परिवार ने उसके साथ एक नौकर की तरह व्यवहार किया है। उसे यह भी आशंका थी कि सेलिना और उसका परिवार दुबई में शिफ्ट होगा तो वो उसे भारत में छोड़ देगी। परवेज ने स्वीकार किया था कि सेलिना अपने दूसरे पति आसिफ शेख को इगतपुरी स्थित फार्म हाउस का संरक्षक बनाना चाहती थी। सेलिना ने टाक को बताया था कि वो शेख को संपत्ति की देखभाल का जिम्मा सौंपना चाहती है। उसने इसके लिए पावर ऑफ अटॉर्नी भी तैयार करवा ली है। इसके अलावा, सेलिना की शेख के साथ बढ़ती नजदीकियां भी परवेज को पसंद नहीं आ रही थीं। इसी वजह से उसने हत्या का प्लान बनाया था। उसने लैला और परिवार के बाकी सदस्यों की हत्या इसलिए की थी, क्योंकि उन्होंने उसे सेलिना की हत्या करते हुए देख लिया था।

ऐसे खुला हत्या का राज

एक ही परिवार के छह मर्डर की घटना कुछ महीने बाद तब सामने आई थी, जब परवेज टाक को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया था। शुरुआत में टाक यह दावा करता रहा कि लैला और उसका परिवार दुबई में है। बाद में उसने जम्मू कश्मीर पुलिस को बताया कि उसने इन लोगों की महाराष्ट्र में हत्या कर दी थी। बाद में उसे मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया था। टाक जम्मू कश्मीर में एक वन ठेकेदार के तौर पर काम करता था। परवेज की क्रिमिनल हिस्ट्री रही है।

फार्म हाउस से मिले थे कंकाल

पूछताछ में परवेज ने हत्याओं की बात कुबूल की। बाद में सभी के कंकाल इगतपुरी के एक फार्म हाउस से बरामद किए गए। परवेज ने पुलिस को बताया था कि लैला परिवार के साथ इगतपुरी फार्म हाउस में छुट्टी मनाने गई थी। वहां पर उसने सभी की हत्या कर दी और शवों को गड्ढे में गाड़ दिया।

पटवारी ने पूछा-किर्गिस्तान में फंसे छात्रों को लेकर क्या कर रही सरकार, पाकिस्तान ने छात्रों को छुड़ाया

भोपाल, 24 मई (एजेंसियां)। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने किर्गिस्तान में फंसे मध्य प्रदेश के छात्रों को लेकर बीजेपी सरकार पर तंज कसते हुए पूछा है कि अब तक बच्चों को वापस लाने के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए हैं। जबकि पाकिस्तान ने अपने छात्रों को वापस लाने के लिए फ्री ऑफ कॉस्ट फ्लाइट भेज कर उन्हे छुड़ा लिया है। पटवारी ने एक्स पर लिखा है कि 'किर्गीस्तान से मध्य प्रदेश को 1200 बच्चे फंसे हैं! मप्र सरकार ने उन्हें वहां से सुरक्षित बाहर निकालने का "भरोसा" दिया है लेकिन, राजनीतिक वादे की तरह उन्हें वापस लाने के लिए कोई इंतजाम नहीं किए। स्टूडेंट्स का कहना है, पाकिस्तान अपने छात्रों को यहां से निकाल चुका है, परंतु भारत सरकार ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है! केवल बयान और मीडिया हैडलाइंस में सरकार सक्रिय है। हकीकत में मदद जैसा कुछ नहीं है। जो बच्चे फ्लैट में रह रहे हैं, वे बाहर ही निकल नहीं पा रहे हैं। खाने-पीने का सामान खत्म हो गया है। उन्हें भूखे ही रहना पड़ रहा है, क्योंकि बाहर निकलते ही मारपीट हो रही है।

कर्नाटक की राजधानी अब 'उड़ता बेंगलुरु'

बीजेपी ने रेव पार्टी मामले को लेकर कांग्रेस सरकार पर बोला हमला

बेंगलुरु, 24 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के छठवें चरण से पहले नेताओं का एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप जारी है। इस बीच बीजेपी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा है। बीजेपी ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु को 'उड़ता बेंगलुरु' करार दिया है। बीजेपी ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को देख ये बयान दिया है। कर्नाटक में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए बीजेपी ने सिलिकॉन सिटी को उड़ता बेंगलुरु कहा है। उन्होंने कहा, अब ये शहर मादक पदार्थों और रेव पार्टियों के लिए अड्डा बनता जा रहा है। मालूम हो कि, बेंगलुरु के फार्महाउस में एक रेव पार्टी हुई,जिसमें कथित तौर पर एक तेलुगु फिल्म एक्ट्रेस सहित 86 लोग शामिल हुए थे। जिसके बाद बीजेपी ने एक्स पर पोस्ट के जरिए कर्नाटक सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बीजेपी ने कहा, जब से कर्नाटक में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है, तब से ही बेंगलुरु में हर जगह अनैतिक काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा, सिलिकॉन सिटी अब ड्रग्स,कैनबिस ड्रग रेव पार्टियों से भरी हुई है। बीजेपी ने कांग्रेस को 'उड़ता बेंगलुरु' 2016 में आई फिल्म उड़ता पंजाब के संदर्भ में कहा है।

इस फिल्म में ड्रग्स का मुद्दा उठाया गया है और दिखाया गया है किस तरह युवा पंजाब में ड्रग्स का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक,बर्थडे पार्टी के बहाने आयोजित की गई इस पार्टी में कुल 103 लोग शामिल हुए थे। इनमें 73 पुरुष और 30 महिलाएं शामिल थीं। सूत्रों के मुताबिक, जो लोग पार्टी में शामिल थे उनका ड्रग टेस्ट किया गया। टेस्ट में दो एक्ट्रेस समेत 86 लोग ड्रग टेस्ट में पॉजिटिव मिले हैं। जिनमें एक तेलुगु एक्ट्रेस भी शामिल थी।

गुजरात में दर्दनाक हादसा तेज रफ्तार ट्रक पलटने से तीन मजदूरों की मौत, सात घायल

सूरत, 24 मई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के गुजरात के सूरत जिले में सब्जियों से लदा एक ट्रक पलट गया, जिससे तीन मजदूरों की जान चली गई और सात घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर बारडोली के किकवाड गांव के पास हुई। बारडोली पुलिस इंस्पेक्टर डी आर वसावा ने बताया कि सब्जियां लेकर ट्रक पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के नासिक जिले से सूरत शहर की ओर जा रहा था। इंस्पेक्टर वसावा ने कहा, 'ट्रक चालक, सुरेश पवार तेज़ गति से गाड़ी चला रहा था क्योंकि वो ट्रक में मौजूद सब्जियों की अच्छी कीमत पाने के लिए सुबह होने से पहले सूरत पहुंचना चाहता था। इसी दौरान ट्रक से उनका नियंत्रण खो गया और किकवाड के पास पलट गया। जिस वक्त यह हादसा हुआ ट्रक में दस मजदूर सवार थे। तीन की मौके पर ही मौत हो गई, और सात घायल हो गए।' उन्होंने बताया कि मृतक पिंटू पवार (40), भावसा माली (40) और सोनू पाटिल (35) नासिक जिले के सताना तालुका के निवासी थे।

हॉटसीट अनंतनाग-राजोरी पर मतदान आज दल बल के साथ पोलिंग पार्टियां रवाना

जम्मू, 24 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में लोकसभा चुनाव अंतिम मोड़ पर है। शनिवार को प्रदेश के आखिरी और हॉटसीट अनंतनाग-राजोरी सीट पर मतदान होने जा रहा है। इसके लिए शुक्रवार को पोलिंग पार्टियां अपने-अपने केंद्रों के लिए रवाना हुईं।

18.36 लाख मतदाना, 20 उम्मीदवार मैदान में

अनंतनाग-राजोरी लोकसभा सीट के 18.36 लाख से अधिक मतदाता 20 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के अनुसार, यह सीट पांचों जिलों कुलगाम, अनंतनाग, पुंछ, शोपियां (जैननपोरा) और राजोरी में फैली हुई है। इसमें 18,36,576 मतदाता नामांकित हैं, जिनमें 9,33,647 पुरुष और 9,02,902 महिला मतदाता शामिल हैं। 27 तृतीय लिंग मतदाता, लगभग 17,967 दिव्यांग व्यक्ति और 100 वर्ष से अधिक आयु के 540 व्यक्ति इस सीट पर अपने मत का प्रयोग करेंगे।

2,338 मतदान केंद्र स्थापित

अनंतनाग-राजोरी संसदीय क्षेत्र में 2,338 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर पीठासीन पदाधिकारी समेत चार चुनाव कर्मी तैनात रहेंगे। रिजर्व सहित कुल मिलाकर 9,000 से अधिक मतदान कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। राजोरी और पुंछ जिलों में 19 सीमा मतदान केंद्र हैं।

सुबह छह बजे मतदान होगा शुरु

मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा और उससे पहले मतदान एजेंटों की मौजूदगी में मॉक पोल होगा। यदि मतदान केंद्र परिसर में मतदाताओं की कतार शाम छह बजे के बाद भी रही, तो उन सभी को मतदान करने का अवसर मिलेगा।

सोनीपत जिला कोर्ट का फैसला: झगड़े में बचाव को आए व्यक्ति की हत्या करने के दोषी को उम्रकैद, 24 हजार का जुर्माना

सोनीपत, 24 मई (एजेंसियां)। सोनीपत की अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश विमल सपरा ने झगड़े के दौरान डीटीसी कर्मी के बचाव में आए व्यक्ति की हत्या करने के आरोपी को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 24 हजार जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर दो साल अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी। देव नगर निवासी सतबीर ने 20 नवंबर, 2015 को सिटी थाना पुलिस को बताया था कि वह डीटीसी में कार्यरत हैं। वह घटना के दिन गढ़ी घसीटा स्थित अपनी बहन चांदकौर के पास गए थे। उनकी बहन गली में बैठी थी। तभी उनके पड़ोस का गगनदीप उर्फ बॉबी गली में आकर गाली-गलौज करने लगा था। उन्होंने उसे रोका तो वह चला गया था। उसके बाद वह ककरोई रोड स्थित अपनी दुकान पर बेटे के पास आ गए थे। इसी दौरान बॉबी हाथ में चाकू लेकर उनकी दुकान पर पहुंचा था। दुकान पर बैठे उनके बेटे सोमबीर के पैर पर भी चाकू मारा था। इसी बीच उनके बचाव में दहिया कॉलोनी निवासी सुशील आ गए थे। आरोपी ने सुशील पर भी चाकू से हमला कर दिया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जो लोग मन में उतरते हैं उन्हें संभाल कर रखिए और जो मन से उतरते हैं, उनसे संभल कर रहिए।

केटीआर ने झूठे मामलों पर अफसरों से पूछे सवाल

कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर किया जा रहा परेशान

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने अधिकारियों से बीआरएस कैडर को निशाना बनाकर झूठे मामले दर्ज करने और असली दोषियों की अनदेखी करने पर सवाल उठाया। उन्होंने सवाल उठाया कि टीजीएसआरटीसी के कथित नए लोगो को शुरू में पोस्ट करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई, जबकि बीआरएस कैडर को सिर्फ इसे शेयर करने और सवाल उठाने के लिए निशाना बनाया गया।

उन्होंने पुलिस महानिदेशक रवि गुप्ता और तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार से पूछा कि आप कांग्रेस से जुड़े हैंडल और एनटीवी, बिग टीवी और वेलुगु जैसे मीडिया घरानों के खिलाफ मामले क्यों नहीं दर्ज कर रहे हैं?

वे ही हैं जिन्होंने नया आरटीसी लोगो दिखाना शुरू किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये आउटलेट गलत सूचना के प्राथमिक स्रोत रहे हैं।

शुक्रवार को एक्स से बात करते हुए रामा राव ने पक्षपातपूर्ण प्रवर्तन पर गुस्सा जाहिर किया और चेतावनी दी कि अगर राजनीतिक नेताओं के प्रभाव में उत्पीड़न जारी रहा तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर आप लोग राजनीतिक आकाओं के निर्देश पर इस उत्पीड़न को जारी रखते हैं, तो हम आपको कानून की अदालत में ले जाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि न्याय मिले।

इंजीनियरिंग व अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग कार्यक्रम जारी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बी.ई, बी.टेक और बी.फार्मेसी पाठ्यक्रमों में प्रवेश से संबंधित काउंसलिंग का कार्यक्रम शुक्रवार को जारी कर दिया गया। तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर आर. लिंबाद्री की अध्यक्षता में टीजीईएपीसीईटी-2024 प्रवेश समिति की बैठक हुई और प्रवेश के लिए कार्यक्रम जारी किया गया। इसके अनुसार काउंसलिंग प्रक्रिया तीन चरणों में होगी। शेड्यूल के अनुसार, वेब ऑप्शन का पहला चरण 30 जून से दिया जाएगा और सीटों का आवंटन 12 जुलाई को होगा काउंसलिंग का दूसरा राउंड 19 जुलाई से शुरू होगा और सीटों का आवंटन 24 जुलाई को किया जाएगा। काउंसलिंग का आखिरी तीसरा राउंड 30 जुलाई से शुरू होगा और सीटों का आवंटन 5 अगस्त को किया जाएगा। इसके बाद, किसी भी आंतरिक स्लाइडिंग सीट का आवंटन 12 अगस्त से किया जाएगा। अंत में, स्पॉट एडमिशन के लिए दिशा-निर्देश 17 अगस्त को जारी किए जाएंगे।

जुपल्ली ने हत्या के आरोपों पर केटीआर से बिना शर्त माफी की मांग की

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने मांग की है कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को बीआरएस नेता श्रीधर रेड्डी की हत्या के संबंध में निराधार टिप्पणी करने के लिए बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। शुक्रवार को यहां गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, कृष्ण राव ने नागरकर्नूल के कांग्रेस लोकसभा उम्मीदवार मल्लू रवि और अन्य नेताओं के साथ कहा कि अगर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष तुरंत माफी नहीं मांगते हैं तो उन्हें मानहानि का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। गुरुवार को वनपर्ती जिले के चिन्नामबावी मंडल के लक्ष्मीपल्ली गांव में अपने घर के बाहर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कुल्हाड़ी से मारे गए श्रीधर रेड्डी की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मंत्री ने कहा कि यह कोई राजनीतिक हत्या नहीं थी और बीआरएस नेता की हत्या विभिन्न कारणों से की गई थी, जिसमें भूमि विवाद, वित्तीय लेनदेन और अन्य कृत्यों में उनकी कथित संलिप्तता शामिल थी। जब मैंने और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बीआरएस पार्टी छोड़ी, तो लोगों ने विधानसभा चुनावों में पार्टी को करारा सबक सिखाया। पार्टी को विपक्ष में बैठा दिया गया।

अब, केटीआर इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि वह सत्ता से दूर हैं। इसलिए वह मेरे खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी भी राजनीति में हिंसा को बढ़ावा नहीं दिया और राजनीतिक जीवन की शुरूआत से ही हत्या की राजनीति से दूर रहे हैं। कृष्ण राव ने कहा, पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले के लोग मेरे बारे में अच्छी तरह जानते हैं। वे मेरे राजनीतिक जीवन से पूरी तरह वाकिफ हैं। लोग केटीआर द्वारा मेरे खिलाफ लगाए गए इन आरोपों पर विश्वास नहीं करते। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि वे किसी व्यक्ति की मौत को राजनीति से जोड़कर घटिया हथकंडे अपना रहे हैं और कहा कि केटी रामा राव को मूल्यों और पारिवारिक संबंधों के बारे में बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। जुपल्ली ने कहा, बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान सिरसिला में दलितों के खिलाफ हुए अत्याचारों को लोग नहीं भूले हैं। पिछले 10 वर्षों में दलित परिवारों ने अनगिनत समस्याओं का सामना किया है और केटी रामा राव ने कभी भी दबे-कुचले परिवारों के समर्थन में आवाज नहीं उठाई। मंत्री ने कहा कि केटी रामा राव राजनीति के लिए उपयुक्त नहीं हैं और उन्हें तुरंत बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

जग्गारेड्डी ने बीआरएस विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने पर किशन रेड्डी के बयान का स्वागत किया

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गारेड्डी ने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के बयान का स्वागत किया है, जिन्होंने कहा है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 25 विधायक लोकसभा परिणामों की घोषणा के बाद कांग्रेस में शामिल होंगे। शुक्रवार को यहां गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए जग्गारेड्डी ने कहा कि किशन रेड्डी कांग्रेस पार्टी के ब्रांड एंबेसडर लगते हैं और यह एक अच्छा संकेत है कि भाजपा नेता कांग्रेस पार्टी के पक्ष में बोल रहे हैं। जग्गारेड्डी ने कहा, भाजपा नेता देश में निर्वाचित सरकारों को गिराने में माहिर हैं।

तेलंगाना में भाजपा चाहे जितनी भी साजिशें रच ले, कांग्रेस सरकार

को गिराने की कोई संभावना नहीं है और रेवंत रेड्डी पांच साल तक तेलंगाना के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि स्थिति बिल्कुल साफ है कि भाजपा दोबारा केंद्र में सत्ता में नहीं आएगी और भाजपा नेताओं को जमीनी हकीकत का अहसास हो चुका है, जो लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में है। जग्गारेड्डी ने कहा, लोगों के मूड को समझते हुए भाजपा नेता हर रोज अपनी भाषा बदल रहे हैं और परोक्ष रूप से कांग्रेस पार्टी के पक्ष में बोल रहे हैं। टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को कृषि के बारे में कोई बुनियादी जानकारी नहीं है और वह तेलंगाना में धान खरीद की प्रक्रिया का अनावश्यक रूप से राजनीतिकरण कर रहे हैं।

आज और कल एमएमटीएस और डेमू ट्रेनें रद्द

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 25 और 26 मई को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य और एफओबी के निर्माण के मद्देनजर निम्नलिखित ट्रेनें एमएमटीएस और डेमू ट्रेनें रद्द की गई हैं। 25 और 26 मई को रद्द ट्रेनें 47252 फलकनुमा-सिकंदराबाद, 47243 सिकंदराबाद-मेडचल, 47241 मेडचल-सिकंदराबाद, 47250 सिकंदराबाद-फलकनुमा, 47231 मेडचल-सिकंदराबाद, 47232 सिकंदराबाद-मेडचल, 47233 मेडचल-सिकंदराबाद, 47234 सिकंदराबाद-मेडचल 25.05.2024, 47251 मेडचल-हैदराबाद, 47244 हैदराबाद-मेडचल, 47226 मेडचल-लिंगमपल्ली, 47227 लिंगमपल्ली-मेडचल, 47228 मेडचल-सिकंदराबाद, 47229 सिकंदराबाद-मेडचल, 07486 सिद्दीपेट-सिकंदराबाद, 07483 सिकंदराबाद-सिद्दीपेट, 07484 सिद्दीपेट-सिकंदराबाद, 07485 सिकंदराबाद-सिद्दीपेट है। इसी क्रम में 25 मई को 47222 मेडचल-लिंगमपल्ली, 47225 लिंगमपल्ली-मेडचल, 47235 मेडचल-सिकंदराबाद, 47236 सिकंदराबाद-मेडचल, 47237 मेडचल-सिकंदराबाद, 47238 सिकंदराबाद-मेडचल, 47242 मेडचल-सिकंदराबाद और 47245 सिकंदराबाद-मेडचल ट्रेनें रद्द है।

लोकसभा चुनाव कराने में चुनाव सेल की भूमिका सराहनीय : तरुण जोशी

आयुक्त ने चुनाव प्रकोष्ठ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिया नकद पुरस्कार

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त तरूण जोशी ने लोकसभा चुनाव के संचालन में कुशल प्रदर्शन के लिए राचकोंडा चुनाव सेल के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी और उन्हें नकद पुरस्कार दिया। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि लोकसभा चुनाव के संचालन में चुनाव प्रकोष्ठ की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि चुनाव अधिसूचना जारी होने से लेकर चुनाव समाप्ति तक हर चरण में चुनाव सेल ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। उन्होंने कहा कि चुनाव का संचालन चुनौतियों से भरा है और चुनाव सेल ने सभी विभागों के पुलिस कर्मियों को अच्छा मार्गदर्शन प्रदान किया है जो मैदानी स्तर पर सुरक्षा कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद से, चुनाव प्रक्रिया बिना किसी समस्या के पूरी हो गई है क्योंकि चुनाव सेल समय-समय पर राचकोंडा के तहत सभी क्षेत्रों में विकास की निगरानी कर रहा है। बताया जाता है कि ड्यूटी पर तैनात सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करने के कारण चुनाव बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

शादनगर एक व्यक्ति की ऑस्ट्रेलिया में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शादनगर के एक व्यक्ति की ऑस्ट्रेलिया में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शादनगर टाउन के मूल निवासी आरती अरविंद यादव, भाजपा के स्थानीय नेता आरती कृष्ण यादव के इकलौते बेटे थे, जो 15 साल से ऑस्ट्रेलिया में रह रहे थे और उनकी शादी सिर्फ 18 महीने पहले हुई थी।

आरती कृष्ण यादव की अप्रैल 2006 में आंध्र प्रदेश के एलुरु में एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी और अरविंद ऑस्ट्रेलिया जाने तक अपनी मां के साथ रह रहे थे। हाल ही में, उनकी मां और उनकी पत्नी ने ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की। जबकि उनकी माँ कुछ दिनों के बाद शादनगर लौट आईं, उनकी पत्नी वहीं रुक गईं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अरविंद

सोमवार को सिडनी के हैसल ग्रोव स्थित डरमोंट स्ट्रीट स्थित घर से निकले थे और तब से वापस नहीं लौटे हैं।

ऑस्ट्रेलिया पुलिस ने एक शिकायत के आधार पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया था और जांच शुरू कर दी थी। जब पुलिस ने तलाशी शुरू की तो अरविंद का शव समुद्र में मिला और उसकी कार भी घटनास्थल से कुछ दूरी पर बरामद हुई। लाश के डीएनए के आधार पर पुलिस ने पुष्टि की कि यह अरविंद ही है। हैदराबाद में उनका परिवार उन परिस्थितियों को समझने के लिए उनके दोस्तों के साथ समन्वय कर रहा है जिनके कारण उनकी मृत्यु हुई।

सचिवालय में एनआरआई सेल अधिक जानकारी इकट्ठा करने और शव को जल्द से जल्द भारत वापस लाने के लिए ऑस्ट्रेलिया में भारतीय दूतावास के अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस अरविंद की मौत की परिस्थितियों की जांच कर रही है और उनके सहयोगियों और परिवार के सदस्यों और पत्नी से पूछताछ कर रही है, जो इस समय वहां मौजूद हैं।

जांच में अनियमितता बरतने वाले एसआई को सस्पेंड किया

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आम के बाग में चोरी के मामले की जांच में लापरवाही बरतने और भूमि विवाद मामलों में पीड़ितों के बजाय विरोधियों को समर्थन देने के आरोप में सिद्दीपेट कमिश्नरेट के भूमपल्ली एसआई रविकांत को निलंबित कर दिया गया है। रविकांत को निलंबित करते हुए मल्टी जोन 1 पुलिस महानिरीक्षक ए.वी. रंगनाथ ने शुक्रवार को आदेश जारी किया। जानकारी के अनुसार वर्तमान में निलंबित एसआई रविकांत मेदक जिले के शिवमपेट एसआई के पद पर कार्यरत था, तब आम के बगीचे के मालिक द्वारा दायर की गई शिकायत पर तुरंत मामला दर्ज नहीं करने में लापरवाही बरती गई कि आम के बगीचे से पचास टन से अधिक आम चोरी हो गए थे। उच्च अधिकारियों के आदेश पर मामला दर्ज करने वाले एसआई ने कुछ दिनों बाद उच्च पुलिस अधिकारियों को गुमराह किया कि मामला सिविल केस के दायरे में आएगा। एसआई ने चोरी के मामले को सिविल विवाद मामले के रूप में समाप्त करने के लिए कहा। भूमि विवाद के मामलों में विरोधियों के बजाय पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के कर्तव्यों की उपेक्षा करने और हेराफेरी करने में रविकांत पर लगे आरोपों के बाद एसपी मेदक द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट में सिद्दीपेट कमिश्नरेट के तहत भूमपल्ली पुलिस स्टेशन में एसआई रविकांत के खिलाफ आरोपों के सच होने की पुष्टि की गई है। जांच रिपोर्ट के बाद मल्टी जोन 1 आईजीपी एवी रंगनाथ ने रविकांत को निलंबित करने का आदेश जारी किया है।

भेल टाउनशिप में ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन

संगारेड्डी, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भेल टाउनशिप में गतिविधियां जोरों पर हैं और बच्चों के लिए 12 खेल विधाओं में ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, इसके अलावा गर्मियों के दौरान बच्चों को व्यस्त रखने के लिए विभिन्न अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। बीएचईएल पिछले 45 वर्षों से इन ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन कर रहा है। बीएचईएल के 10 मैदानों में 630 बच्चों को विभिन्न खेलों की कोचिंग दी जा रही है, जिससे इन शिविरों में खूब चहल-पहल रहती है। जून में स्कूल खुलने तक ये शिविर 35 दिनों तक जारी रहेंगे।

संगठन योग, पेंटिंग और ड्राइंग के अलावा गिटार, कीबोर्ड और गायन में भी समर कैंप आयोजित

कर रहा है। वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, शटल बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, रोलर स्केटिंग और अन्य खेलों में समर कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। सामुदायिक केंद्र के सचिव श्रीकांत ने कहा कि वे ग्रीष्मकालीन शिविरों के आयोजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। वे अलग-अलग खेलों के कुछ विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को आमंत्रित करेंगे। श्रीकांत ने कहा कि समर कैंप में भाग लेने वाले कई बच्चों ने अतीत में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

हैदराबाद शीर्ष 10 भारतीय शहरों में शामिल

ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की रिपोर्ट

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्र आर्थिक सलाहकार फर्म ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद ने भारत के शीर्ष 10 शहरों में स्थान प्राप्त किया है। वैश्विक स्तर पर हैदराबाद 564वें स्थान पर है। भारत में, शहर शीर्ष 10 शहरों में नौवें स्थान पर है। शहर ने अर्थशास्त्र में 253, मानव पूंजी में 524, जीवन की गुणवत्ता में 882 और पर्यावरण में 674 अंक प्राप्त किए। दिल्ली 350वीं वैश्विक रैंक के साथ भारतीय शहरों की सूची में शीर्ष पर है।

भारत के शीर्ष शहर और उनकी वैश्विक रैंकिंग इस प्रकार है:

दिल्ली : 350, बेंगलुरू : 411, मुंबई : 427, चेन्नई : 472, कोच्चि : 521, कोलकाता : 528, पुणे : 534, त्रिशूर : 550, हैदराबाद : 564, कोझिकोड : 580 ।

बिजली का खंभा गिरने से बच्ची घायल

निर्मल, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सारंगपुर मंडल के कौटला (बी) गांव में शुक्रवार को बिजली लाइन के रखरखाव के लिए दो स्थानीय लोग पेड़ों की टहनियां काट रहे थे, तभी एक बिजली का खंभा गिरने से छह साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। सूत्रों ने बताया कि प्रवासी दिहाड़ी मजदूर श्रीनिवास की बेटी मेन्डला चैत्रा के पैर टूट गए, जब खंभा उसके ऊपर गिर गया। उसे तुरंत निर्मल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। वह दुर्घटना के समय अपनी झोपड़ी के सामने थी। उसके माता-पिता कुछ साल पहले आजीविका की तलाश में निजामाबाद जिले के इटिकयाला से कौटला (बी) चले गए थे। श्रीनिवास से प्राप्त शिकायत के आधार पर जाधव रमेश और राठौड़ गंगाधर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

तकनीकी केंद्रों में आईटी नौकरियों में वृद्धि

राष्ट्रीय स्तर पर नौकरियों में गिरावट

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी नौकरियों में राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट के बावजूद, हैदराबाद जैसे विशिष्ट प्रौद्योगिकी केन्द्रों में पर्याप्त वृद्धि देखी जा रही है। वैश्विक नियुक्ति मंच, इनडीड के आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद एक प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, तथा आईटी नौकरी के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि का पता चलता है। अप्रैल 2023 से अप्रैल 2024 के बीच इनडीड के प्लेटफॉर्म पर जॉब पोस्टिंग और जॉब क्लिक से एकत्रित डेटा से पता चलता है कि हैदराबाद में आईटी जॉब पोस्टिंग में 41.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो बेंगलुरू से 24 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि नए अवसरों की तलाश करने वाले आईटी पेशेवरों के लिए हैदराबाद के बढ़ते आकर्षण को रेखांकित करती है।

चेवेल्ला पुलिस ने पूर्व विधायक जीवन रेड्डी के खिलाफ जमीन अधिग्रहण का मामला दर्ज किया

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक शिकायत के बाद, चेवेल्ला पुलिस ने आज चेवेल्ला के पूर्व विधायक और बीआरएस के वरिष्ठ नेता जीवन रेड्डी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ धारा 447, 427, 341, 386, 420, 506 आईपीसी के साथ धारा 34 आईपीसी के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, दामोदर रेड्डी नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि जीवन रेड्डी ने एरापल्ली गांव में सर्वे नंबर 32, 35, 36 और 38 के तहत उनकी 20 एकड़ 20 गुंटा जमीन पर अतिक्रमण किया है। दामोदर रेड्डी ने दावा किया कि उन्होंने 2022 में उक्त जमीन खरीदी थी जो जीवन रेड्डी की जमीन के बगल में स्थित है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने एक समारोह हॉल का निर्माण किया था और इसे चला रहे हैं। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि जीवन रेड्डी ने 2023 में उनके समारोह हॉल को ध्वस्त कर दिया और जमीन हड़प ली। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस नेता ने अतिक्रमित भूमि की रक्षा करने और उन्हें आतंकित करने के लिए पंजाब के एक गिरोह को काम पर रखा है। जब उन्होंने बीआरएस नेता के अत्याचारों का विरोध किया और उनसे अपनी जमीन खाली करने की मांग की, तो जीवन रेड्डी के किराए के गुंडों ने उन्हें घातक हथियारों से धमकाया। दामोदर रेड्डी ने पुलिस से हस्तक्षेप करने और जीवन रेड्डी को अपनी जमीन सौंपने के लिए कहने का अनुरोध किया। उन्होंने राज्य सरकार से तत्काल कार्रवाई करके बीआरएस नेता और उसके गुंडों से उनकी जान की रक्षा करने का भी अनुरोध किया।

PUBLIC NOTICE

Under Instruction from my client we state that my client is purchasing all that House property bearing GHMC No. 13-1-1207 (PTI No.1071317056). (Corresponding its Old No. 13-1-1207 & 1208), admeasuring 68sq.yards equivalent to 56.84 sq. meters, situated at Dutt Nagar, Seetharambagh, Hyderabad, TS and bounded by : NORTH: Masque Maqcoom gulshan: SOUTH: Road: EAST: Seetharambagh Temple Boundary Wall: West: Road, from their lawful owners from (1) SMT. BHAGAWATI VYAS, W/o LATE SRI. MANGAL CHAND VYAS (2) SRI. JUGAL KISHORE VYAS, S/o LATE SRI. MANGAL CHAND VYAS. (3) SRI. HARIKISHAN VYAS, S/o. LATE SRI. MANGAL CHAND VYAS and he is getting executed a registered sale deed within a short period of time if any person or persons have got any right title of interest in the aforementioned property they may contact the undersigned within 7 days from the date of the publication of the notice with all orignal documents or title in their possession or power. After the said period my client shall proceed to get registered the property no further claim or claims shall be entertained.

R.A. Achuthanand,
Advocate
H.No.-651/7/1, Gandhinagar
Hyderabad-500 080.
Office Tel.: 040 27613027

हैरान करने वाला खुलासा

पुणे की 12 साल की बच्ची ने भेजा था धमकी भरा ई-मेल

ऑनलाइन गेमिंग में मिला था टास्क

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल पुणे की 12 साल की एक बच्ची ने किया था। ऑनलाइन गेमिंग के दौरान उसे ई-मेल भेजने का टास्क मिला था। एटीएस और पुलिस की टीम बच्ची तक पहुंची। उसके परिजनों से पूछताछ की। जांच में किसी तरह की साजिश के सुबूत नहीं मिले। लिहाजा परिजनों को हिदायत दी गई कि वे ध्यान दें कि उनकी बेटी दोबारा इस तरह की गलती न करे। परिवारवालों ने लिखित में माफी भी मांगी। केस की तफ्तीश जारी रहेगी।

सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में स्थित बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल प्रशासन को नौ मई की रात 11:21 बजे ई-मेल आईडी से धमकी भरा ई-मेल आया था। इसमें लिखा था कि स्कूल में बम रखा है। जुलाई में विस्फोट किया जाएगा। अगर वे ऐसा नहीं चाहते हैं तो सप्ताह भर में एक करोड़ की रंगदारी दें। अगर मांग नहीं मानी गई तो स्कूल को बम से उड़ा दिया जाएगा। मामले में स्कूल के निदेशक चक्रधारी पांडेय ने 15 मई को एफआईआर दर्ज कराई थी। डीसीपी साउथ तेज स्वरूप सिंह ने बताया कि पुलिस के साथ एटीएस प्रकरण की जांच कर रही है। पड़ताल में उस आईपी एड्रेस का पता किया गया, जिससे ई-मेल भेजा गया। इसकी मदद से टीम ई-मेल करने वाली बच्ची तक पहुंची। उसके परिजनों से पूछताछ की गई। मोबाइल से लेकर सभी के सोशल मीडिया अकाउंट, बैंक खाते आदि खंगाले गए। इसमें संदिग्धता न मिलने पर हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

अब टास्क देने वाला निशाने पर

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बच्ची पी-5 व पी-7 गेमिंग आईडी से डी कोड चैटिंग एप से जुड़ी थी। इस एप पर ग्रुप बने हैं, जिनमें विदेश के लोग भी जुड़े हैं। ये आपस में ऑनलाइन बातचीत करते थे। खेल के दौरान तरह-तरह के टास्क दिए जाते हैं, जिसे पूरा करने पर पॉइंट मिलते हैं। बच्ची को उसी ग्रुप में से किसी ने इस ई-मेल को स्कूल की आईडी पर भेजने का टास्क दिया। उसने बिना कुछ सोचे समझे ई-मेल कर दिया। ऐसा बच्ची ने पुलिस को बताया। डीसीपी के मुताबिक पता किया जा रहा है कि ई-मेल भेजने का टास्क किसने दिया। कुछ डाटा मिला है, जिससे अलग-अलग आईपी एड्रेस पता किए जा रहे हैं।

यूपी के एक किशोर का भी कनेक्शन

तहकीकात में यूपी के 13 साल के किशोर का भी नाम सामने आया है। जांच एजेंसी उस तक पहुंच चुकी हैं। पूछताछ के बाद उसकी गेमिंग आईडी आदि की जांच में तीसरे लड़के का नाम सामने आया है। जांच एजेंसी अब उस तक पहुंचने की कोशिश में जुटी हैं। सूत्रों के मुताबिक पुणे की बच्ची व यूपी का किशोर कारोबारी व अफसर के बच्चे हैं। पुलिस ने इस बारे में जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

सतर्क रहें, कहीं जान पर न बन आए

प्रकरण की जांच में सामने आए तथ्य हैरान करने वाले हैं। पुलिस ने अपील की है कि लोग अपने बच्चों पर नजर रखें कि वे कौन से गेम खेल रहे हैं या सोशल साइट्स पर उनकी क्या गतिविधियां हैं। पहले भी ऑनलाइन गेमिंग में ऐसे टास्क दिए गए हैं, जिससे लोगों की जान तक गई। अगर इस तरह के गेम न खेलें। टास्क पूरा करने के फेर में न फंसें।

कानपुर में टॉफी दिलाने के बहाने ले जाकर 4 साल के बच्चे की हत्या नदी में तैरती मिली लाश

कानपुर, 24 मई (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। शाम रिंद नदी में चार साल के बच्चे का शव उतराते हुए मिला है। बच्चे का शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। घरवालों का आरोप है कि गांव का एक युवक बच्चे को सुबह टॉफी दिलाने के बहाने ले गया था। उसी ने हत्या कर शव को नदी में फेंका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। वहीं, आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घाटमपुर थाना क्षेत्र स्थित बरनाल गांव निवासी बबलू मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी सन्नों और बेटे शैलेश (4) के साथ रहते हैं। बबलू सुबह मजदूरी के लिए निकल गया था। इसके बाद गांव का मुलायम यादव बच्चे को टॉफी दिलाने के बहाने ले गया था। इसके बाद बच्चे को लेकर मुलायम लापता हो गया।

वाराणसी में रोड शो से पहले प्रियंका-डिंपल का बदला प्लान

पहले इस मंदिर में टेकेंगी मत्था फिर दिखाएंगी दम

वाराणसी, 24 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी व सांसद डिंपल यादव का 25 मई का शाम चार बजे से आयोजित रोड शो में मामूली फेरबदल हुआ है। अब दोनों नेता सबसे पहले श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पहुंचेंगी व दर्शन पूजन करेंगी। इसके बाद दुर्गा मंदिर के कुंड से रोड शो में शामिल होंगी। चार किलोमीटर का यह रोड शो लंका होते हुए सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास मंदिर पर संपन्न होगी। रोड शो के दौरान प्रियंका गांधी व डिंपल यादव बीएचयू के मुख्य द्वार पर मालवीय जी की प्रतिमा माल्यार्पण भी करेंगी। पहले यह रोड शो संत रविदास मंदिर से शुरू और संत रविदास मंदिर में दर्शन पूजन के बाद संपन्न होनी थी। आइएनडीआइए गठबंधन की देरशाम हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि इस यात्रा को सफल बनाने के लिए गठबंधन के साथियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। यह यात्रा पूरी तरह एतिहासिक होगी। कांगेस महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि प्रियंका गांधी व सांसद डिंपल यादव बाबतपुर एयरपोर्ट से उतरने के बाद अपनी गाड़ी से श्री काशी विश्वनाथधाम जाएंगी। इसके बाद यहां से गोदौलिया जंगमबाड़ी , सोनारपुरा व बाबा किनाराम आश्रम होते हुए दुर्गा कुंड पहुंचेंगी।

लखनऊ एयरपोर्ट पर कस्टम अफसरों ने पकड़ा एक किलो सोना

लखनऊ, 24 मई (एजेंसियां)। सरोजनी नगर के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने एक तस्कर से तकरीबन एक किलो सोना बरामद किया। सोने का पेस्ट बनाकर मलाशय में छिपाकर लाए गए इस सोने की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 59।43 लाख रुपये बताई जा रही है। कस्टम अधिकारियों ने तस्करी कर लाए गए सोने को जब्त कर तस्कर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, शारजाह से बुधवार को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंची इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान (6ई-1424) से आए एक यात्री को कस्टम अधिकारियों ने संदेह के आधार पर पूछताछ के लिए रोका।

कड़ी पूछताछ के बाद तस्कर ने स्वीकार किया कि उसने सोने का पेस्ट बनाकर अपनी मलाशय में छिपाया था। जांच के बाद तस्कर के शरीर के प्राइवेट पार्ट से 803 ग्राम सोना बरामद किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, इस सोने की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 59।43 लाख रुपये है। लगभग डेढ़ माह के बाद फिर से तस्करों ने लखनऊ से तस्करी करने का प्रयास किया है।

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का गार्ड निलंबित

रोहिणी आचार्य मामले में हुई कार्रवाई

पटना, 24 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का रक्षक को निलंबित कर दिया गया है। अनधिकृत रूप से सारण लोकसभा क्षेत्र की प्रत्याशी रोहिणी आचार्य के साथ चुनाव के दिन परिभ्रमण के आरोप में पटना जिला बल के सिपाही जितेंद्र सिंह शुक्रवार को सस्पेंड हो गए। उन पर सारण एसएसपी से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई है। पटना एसएसपी राजीव मिश्रा ने तत्काल प्रभाव से निलंबित किया। इससे पहले सारण पुलिस की एसआईटी टीम ने 10 सर्कुलर रोड पर पहुंचकर मामले की जांच की थी।

आचार संहिता का उल्लंघन का है मामला

दरअसल इस मामले में बीजेपी ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी, जिसके बाद गुरूवार को सारण पुलिस की एसआईटी टीम ने राबड़ी आवास पहुंचकर काफी देर तक मामले की जांच की। अंगरक्षक के बारे में एसआईटी ने पूरी जानकारी ली। बीजेपी ने जो शिकायत की थी उसमें कहा गया था कि रोहिणी आचार्य पूर्व सीएम राबड़ी देवी के बॉडीगार्ड का इस्तेमाल कर रही हैं, जो आचार संहिता का उल्लंघन है। मां को सुरक्षा में मिले एस्कॉर्ट का दुरुपयोग करना उचित नहीं है, रोड शो में पूर्व सीएम राबड़ी देवी के गार्ड सिपाही जितेंद्र सिंह रोहिणी आचार्य के साथ दिखे थे।

रोहिणी आचार्य पर और भी मामले दर्ज

बता दें कि इससे पहले रोहिणी आचार्य पर सारण पुलिस ने 20 मई नगर थाना क्षेत्र के बूथ नंबर 318, 319 पर बवाल को लेकर भी मामला दर्ज किया है। बीजेपी कार्यकर्ता मनोज सिंह ने नगर थाना में आरडेडी उम्मीदवार रोहिणी आचार्य के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन और रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपुल एक्ट का केस दर्ज कराया था। पुलिस ने रोहिणी आचार्य के खिलाफ धारा 307, 171सी, 188, आरओपी एक्ट लगाया है। नगर थाना में केस नंबर 349/2024 दर्ज किया गया है। रोहिणी आचार्य के अलावा आरजेडी के पूर्व एमएलए भोला यादव समेत 8 लोगों पर केस दर्ज हुआ था। यानी देखा जाए तो रोहिणी आचार्य की मुश्किलें दिनों दिन बढ़ती जा रही हैं। इससे पहले पटना हाईकोर्ट में भी एक याचिका बीजेपी की ओर से डाली गई है, जिसमें नामांकन के समय गलत जानकारी देने का आरोप है।

यूपी में गोलगप्पे को लेकर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग

बमबाजी से दहशत का माहौल; 13 लोग घायल

कानपुर देहात, 24 मई (एजेंसियां)। युवकों के बीच मामूली बात को लेकर हुए झगड़े ने दूसरे दिन गुरुवार को उग्र रूप ले लिया। दो गांवों के बीच बमबाजी व फायरिंग से दहशत का माहौल हो गया। शाम को रनियां के फतेहपुर रोशनाई गांव के लोगों ने बमबाजी और फायरिंग के साथ दुकानों में तोड़फोड़ की। दूसरे पक्ष के लोगों ने आर्यनगर प्रथम गांव के लोगों पर पथराव कर दिया। घटना का वीडियो बनाने के दौरान आर्यनगर के लोगों की बहस हुई और पथराव कर दिया। इस पर घर की छत से परिवार के युवक ने आत्मरक्षा में लाइसेंसी बंदूक से दो राउंड फायर किया। कुछ लोगों को छर्रे लगे और वह जख्मी हुए। सीओ तनु उपाध्याय सर्किल का फोर्स लेकर पहुंचीं और बंदूक को कब्जे में लेने के बाद उनके परिवार की महिलाओं व बच्चों को सुरक्षित निकाला। इस दौरान पुलिस का एक वाहन रोकने का प्रयास किया गया। घटना में 13 लोग घायल हुए, जिनको सीएचसी में भर्ती कराया गया।

बिहार में भटका सीएम योगी का हेलीकॉप्टर

पहुंचना थी पूर्वी चंपारण, पहुंच गया कहीं और

पूर्वी चंपारण, 24 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पांच चरण समाप्त हो गए हैं। छठे चरण का मतदान 25 मई को होना है, ऐसे में चुनाव के आखिरी चरण से पहले सभी राजनीतिक दल अपनी पूरी ताकत चुनाव प्रचार में झोंक रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ देशभर में चुनावी रैलियां कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ बिहार में भी चुनावी प्रचार के लिए पहुंचने वाले थे, लेकिन इस दौरान उनका हेलीकॉप्टर रास्ता भटक गया और किसी दूसरी जगह पहुंच गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि गुरुवार को जब वह चुनाव प्रचार करने के लिए बिहार जाने वाले थे तो इस दौरान हेलीकॉप्टर रास्ता भटकर गंतव्य स्थान की जगह दूसरी जगह पहुंच गया।

योगी आदित्यनाथ बिहार में दो जनसभा को संबोधित किया। हेलीकॉप्टर का रास्ता भटक जाने की वजह से उन्होंने शाम छह बजे चुनाव प्रचार समाप्त होने से कुछ दे पहले ही चंपारण में रैली की और लोगों को संबोधित किया। बिहार में योगी आदित्यनाथ को गुरुवार को पहले पूर्वी चंपारण जिले मे रैली को संबोधित करना था, इसके बाद पश्चिमी चंपारण में उन्हें रैली को संबोधित करना था। लेकिन रास्ता भटकने की वजह से सीएम योगी ने पहले पश्चिमी चंपारण की रैली को संबोधित किया और बाद में पूर्वी चंपारण की रैली को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने रैली के दौरान इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आज छठे चरण के मतदान के लिए प्रचार का अंतिम दिन है।

आज सुबह मैं पहले ओडिशा गया, यहां पुरी में कार्यक्रम के बाद जब मैं यहां आ रहा था तो हेलीकॉप्टर रास्ता भटकर दूसरी जगह पहुंच गया। गौर करने वाली बात है कि लोकसभा चुनाव के पांच चरण के मतदान समाप्त हो चुके हैं। छठे चरण का मतदान 25 मई को होने वाला है। जबकि सातवे और आखिरी चरण का मतदान 1 जून को होगा। वहीं चुनाव आयोग 4 जून को मतों की गणना करेगा।

गर्लफ्रेंड ने बनाया लुटेरा! दुकानों से सोना तो सड़क से बाइक लूटते, 3 अपराधी अरेस्ट; पुलिस को बताई जुर्म की कहानी

हरदोई, 24 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में काफी समय से पुलिस के तीन लुटेरों की खोज में जगह-जगह पर छापे मार रही थी। आखिरकार, पुलिस ने तीनों लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। एसओजी सर्विलांस स्वाट टीम की ओर से की गई कड़ी मशक्कत के बाद में तीनों लुटेरों के पास से लूटे गए काफी सामान बरामद किए गए हैं। इस सामानों में पुलिस को गहने, कैश और मोटरसाइकिल समेत कुछ हथियार भी बरामद किए गए हैं। जब लुटेरों से पुलिस ने पूछताछ की तो उनकी तरफ से कई चौंकाने वाले खुलासे किए गए। लुटेरों ने बताया कि वो लूटपाट का यह काम अपनी प्रेमिका को खुश करने के लिए करते है।

कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय ने लगाया बड़ा आरोप

बोले- भाजपा की कार की जांच कर दिखाए प्रशासन

वाराणसी, 24 मई (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व वाराणसी संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस के प्रत्याशी अजय राय ने कहा कि प्रशासन ने चुनाव में राजनीतिक पक्षपात की सारी हदें पार कर दी हैं। चुनाव आयोग दबाव में है और अन्य प्रत्याशी से भेदभाव हो रहा है। निष्पक्ष चुनाव के जनविश्वास पर प्रश्नचिह्न खड़ा होना लाजमी है। राय के अनुसार उनकी गाड़ी को अनावश्यक काफी देर तक लोहता में रोका गया ताकि उनका प्रचार कार्य बाधित हो।

विपक्ष के मुख्य प्रत्याशी को परेशान एवं अपमानित करने का काम प्रशासन न करे। प्रशासन भाजपा की कार की जांच कर दिखाए। आइएनडीआइए के प्रत्याशी ने यह भी आरोप लगाया है कि चुनाव आचार-संहिता का पालन करने की मैं या मेरे लोग हर संभव कोशिश करते हैं, जिससे प्रशासन को आपत्ति का अवसर न मिले। मैंने सादगी से साइकिल पर जाकर नामांकन किया।

कहा कि यहां के उम्मीदवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नामांकन जुलूस, रोड शो या अन्य दूसरी चुनावी यात्रा में लगातार चुनाव आचार संहिता की मर्यादा तार-तार हुई। प्रशासन मूक दर्शक ही नहीं सहयोगी की भूमिका में खड़ा रहा। नामांकन के वक्त से लगातार शहर के प्रमुख मार्गों के डिवाइडर के बिजली के सरकारी खंभों पर भाजपा के बड़े-बड़े झंडे लहरा रहे हैं। शिकायत के बाद भी प्रशासन की कार्रवाई शून्य है। जागरूक मतदाता अपने वोट से इसका जवाब देंगे।

आजम खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, सात साल की सजा पर रोक

प्रयागराज, 24 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान एंड फैमिली के लिए राहत भरी खबर है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजम खान को मिली सात साल की सजा पर रोक लगा दी है।। हालांकि पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम की सजाओं पर रोक नहीं लगाई गई। पत्नी और बेटे की सजा पर रोक लगाने वाली अर्जियों को मंजूर नहीं किया। हालांकि कोर्ट ने आजम खान पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्लाह आजम तीनों की जमानत मंजूर कर ली है। बेटे अब्दुल्ला आजम के दो बर्थ सर्टिफिकेट बनवाए जाने और उनका दुरुपयोग किए जाने के मामले में मिली सात सात साल की सजा के खिलाफ याचिकाएं दाखिल की गई थीं। रामपुर की स्पेशल कोर्ट से मिली सात सात साल की सजा को आजम खान पत्नी और बेटे ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में आजम खान को राहत दी है। उनकी सजा पर रोक लगा दी है और जमानत भी दे दी है। पत्नी और बेटे को जमानत तो दे दी है, लेकिन सजा पर रोक नहीं लगाई है। रामपुर की स्पेशल कोर्ट ने 18 अक्टूबर 2023 को तीनों को सात सात साल की सजा सुनाई थी और पचास पचास हजार रूपए का जुर्माना लगाया था। जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने फैसला सुनाया। तीनों याचिकाओं पर सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने 14 मई को अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया था।

कांग्रेस क्यों सत्ता से हुई बाहर? बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने बता दी वजह बीजेपी के भी खोले गहरे राज

बक्सर, 24 मई (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बक्सर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी खराब नीतियों के कारण ही आज कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है। दूसरी ओर वोटिंग मशीन में गड़बड़ी के दम पर ही भाजपा अब तक सत्ता पर काबिज है। उन्होंने कहा कि आज यदि वोटिंग मशीन में गड़बड़ी नहीं की जाए तो भाजपा के लिए भी जीत आसान नहीं है, जिनकी कथनी और करनी में अंतर है उन्हें हर हाल में रोकना है। देश में हर हाथ को काम देने से ही गरीबी और बेरोजगानी की समस्या दूर हो सकती है।

मायावती ने कांग्रेस पर किया जमकर प्रहार

गुरुवार को पहली बार चुनाव प्रचार में बसपा सुप्रीमो मायावती निकलीं। इस दौरान बक्सर में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कथनी-करनी में शुरू से ही बड़ा फर्क रहा है। अपनी खराब नीतियों के चलते आज कांग्रेस सत्ता से पूरी तरह बाहर हो गई है। कांग्रेस की कार्यप्रणाली में काफी अंतर होने के कारण अब सत्ता में वापसी आसान नहीं है।

मायावती ने भाजपा पर भी साधा निशाना

वहीं, भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ठीक उसी तरह वोट पाने के लिए भाजपा भी अनेक प्रकार के प्रलोभन दे रही है और वादों की लंबी फेहरिश्त जारी की है, लेकिन भाजपा ने अपने एक-चौथाई वादों को भी पूरा नहीं किया है। भाजपा की सरकार में बड़े-बड़े पूजीपतियों को ही मालामाल किया जा रहा है। मायावती ने कहा कि पूंजीपतियों के आर्थिक सहयोग से ही भाजपा समेत अन्य सहयोगी पार्टियां अपना संचालन करते हुए चुनाव लड़ रही हैं। बसपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो चुनाव आदि के लिए बगैर किसी का सहयोग लिए अपने कार्यकर्ताओं के दम पर ही पार्टी का संचालन कर रही है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा मुफ्त में अनाज बांटकर उसके बदले वोट मांग रही है, लेकिन यह अनाज भी केंद्र सरकार अपनी ओर से नहीं दे रही है, बल्कि हमारे आपके दिए हुए टैक्स के पैसों से ही आपको अनाज आदि का प्रलोभन दे रही है।

बसपा सुप्रीमो ने प्रत्याशी के लिए वोट देने की अपील

कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद बक्सर संसदीय सीट के प्रत्याशी अनिल कुमार, सासाराम के प्रत्याशी संतोष कुमार और काराकाट के प्रत्याशी धीरज कुमार के लिए वोट देने की अपील उन्होंने की।

स्वामी प्रसाद मौर्य के कार्यालय में तोड़फोड़-फायरिंग का आरोप, नाराज कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर किया हंगामा

कुशीनगर, 24 मई (एजेंसियां)। कुशीनगर के पडरौना मार्ग स्थित राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के कसया कस्बा स्थित कार्यालय पर बृहस्पतिवार की देर रात अराजक तत्वों ने कार्यालय में तोड़फोड़ की। इसको लेकर कार्यालय पर भगदड़ मच गई। आरोप है कि तोड़फोड़ कर दौरान फायरिंग का भी की गई। इससे नाराज कार्यकर्ता रात को ही थाने में पहुंचे और तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान पुलिस ने नोक झोंक भी हुई। कार्यालय प्रभारी गुलाब मौर्य ने कसया थाने में तहरीर देकर न्याय के लिए लगाया गुहार। स्वामी प्रसाद मौर्या राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी से कुशीनगर लोकसभा के उमीदवार हैं। कार्यालय प्रभारी के अनुसार रात को एक कार और बाइक से करीब 10 लोग पहुंचे और फायरिंग करते हुए। कार्यालय में तोड़फोड़ भी करने लगे। वहां खड़ी गाड़िया भी क्षतिग्रस्त कर दिए। उसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार की पत्नी का निधन

पति संतोष गंगवार के राजनीतिक जीवन में निभाती थीं अहम भूमिका

बरेली, 24 मई (एजेंसियां)। लोकसभा सीट से भाजपा के 8 बार सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार की पत्नी सौभाग्यवती गंगवार का शुक्रवार तड़के निधन हो गया। वह 72 वर्ष की थीं। सुबह चार बजे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी। उन्हें तुरंत बरेली के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया। बताया जा रहा है कि उनकी अंतिम यात्रा भारत सेवा ट्रस्ट से चार बजे सिटी श्मशान भूमि प्रस्थान करेगी। बता दें कि सौभाग्यवती गंगवार अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की अध्यक्ष भी थी। संतोष गंगवार की पत्नी का निधन हो गया है। वह 72 वर्ष की थीं। सुबह चार बजे अचानक उनकी तबीयत खराब हुई। उन्हें तुरंत बरेली के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आज शाम को चार बजे उनका अंतिम संस्कार सिटी श्मशान भूमि पर किया जाएगा। इस दुःखद घटना के बारे में पता चलते ही अस्पताल और संतोष गंगवार के घर उनके जानने वाले, शुभचिंतक, रिश्तेदारों और समर्थकों की भीड़ जुट गई। डॉक्टरों के अनुसार संतोष गंगवार की पत्नी सौभाग्यवती का शुगर लेवल और ब्लड प्रेशर काफी लो हो गया था।

उनके निधन की सूचना पर भारत सेवा ट्रस्ट पर भी लोगों की भारी भीड़ जुटी है। सौभाग्यवती गंगवार अर्बन कोआपरेटिव बैंक की अध्यक्ष थीं। उन्होंने संतोष गंगवार के राजनीतिक जीवन में अहम भूमिका निभाई। संतोष गंगवार के चुनाव प्रचार की कमान सौभाग्यवती गंगवार संभालती थीं। सौभाग्यवती गंगवार अपने पीछे एक बेटी और एक बेटा छोड़ गई हैं।

केदारनाथ में हेलीपैड से दूर उतारना पड़ा हेलीकॉप्टर
बाल-बाल बची श्रद्धालुओं की जान

देहरादून/रुद्रप्रयाग, 24 मई (एजेंसियां)। केदारनाथ में एक प्राइवेट कंपनी के हेलीकॉप्टर को तकनीकी गड़बड़ी के कारण आपात स्थिति में हेलीपैड से कुछ ही मीटर की दूरी पर उतारना पड़ा। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी को खरोंच तक नहीं आई और हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। हेलीकॉप्टर में 6 श्रद्धालुओं समेत कुल 7 लोग सवार थे। क्रिस्टल एविएशन कंपनी के इस हेलीकॉप्टर ने गुप्तकाशी और सोनप्रयाग के बीच शेरसी हेलीपैड से उड़ान भरी थी, और तकनीकी खामी के बावजूद पायलट की सूझबूझ की वजह से कोई बड़ा हादसा होने से रह गया।

शुक्रवार सुबह 7 बजे की है घटना

एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं और श्रद्धालुओं को भगवान केदारनाथ के दर्शन करा दिए गए हैं। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन की ओर से दी गयी जानकारी के मुताबिक, घटना शुक्रवार सुबह 7 बजे की है जब क्रिस्टल एविएशन कंपनी के हेलीकॉप्टर ने गुप्तकाशी और सोनप्रयाग के बीच शेरसी हेलीपैड से उड़ान भरी थी। प्रशासन की ओर से बताया गया कि इसी बीच, तकनीकी खामी की जानकारी मिलते ही पायलट ने हेलीकॉप्टर को केदारनाथ हेलीपैड से कुछ दूरी पर आपात स्थिति में उतारा।

'तकनीकी खामी की कराई जा रही है जांच'

रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने इस घटनाक्रम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पायलट की सूझबूझ के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने कहा कि तकनीकी खामी की जानकारी मिलने के बाद भी पायलट ने अपना धैर्य नहीं खोया और हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में सुरक्षित उतार लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी तीर्थयात्री सुरक्षित हैं और सभी को बाबा केदारनाथ के दर्शन करा दिए गए हैं। गहरवार ने कहा कि हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी की जांच कराई जा रही है। बता दें कि इन दिनों चार धाम यात्रा के तहत तीर्थस्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

अलीपुर में बैंक्वेट हॉल में लगी भीषण आग, आसमान में छाया काले धुएं का गुबार

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के अलीपुर में उस वक्त अफरातफरी का माहौल बन गया जब यहां अचानक कार्निवल बैंक्वेट हॉल में आग लग गई। देखते हुए देखते रिसॉर्ट से आग की ऊंची-ऊंची लपटे उठने लगी और आसमान में काला धुआं छा गया।

रिसॉर्ट से आग की लपटें सड़क तक आ रही हैं। आग की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाने का काम शुरू कर दिया। अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि आग कैसे लगी है। हालांकि, शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। कुल 13 दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

धर्मशाला में तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मिले सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, क्या कुछ कहा?

शिमला, 24 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा की छह सीटों पर उपचुनाव के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू लगातार कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार में जुटे हुए हैं। इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू धर्मशाला में अपने प्रत्याशी के लिए प्रचार करने पहुंचे, तो धर्मशाला में उन्होंने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से भी मुलाकात की। यह मुलाकात शुक्रवार सुबह के वक्त हुई। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा, "आज धर्मशाला में आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा का दर्शन कर शुभाशीष प्राप्त किया। इस सुखद क्षण में उनके साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिचर्चा का भी सौभाग्य मिला। भगवान बुद्ध के सत्य, अहिंसा, शांति व सदाचार के सद्मार्ग पर चलकर यह दुनिया सदैव कल्याण के मार्ग पर बढ़ती रहे।" सीएम सुक्खू की ये मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब अभिनेत्री और मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी की उम्मीदवार कंगना रनौत के खिलाफ कांग्रेस ने उनके दलाई लाला को लेकर दिए गए कथित बयान को लेकर प्रदर्शन किया था।

लंबे वक्त से धर्मशाला में रह रहे हैं दलाई लामा

तिब्बत पर चीन के अनाधिकृत कब्जे के बाद से ही बौद्ध धर्म के 14वें दलाई लामा धर्मशाला में रह रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला से ही तिब्बत की निर्वासित सरकार भी चलती है। यहां तिब्बत के निर्वासित लोग अपनी सरकार को चुनते हैं और यहीं से इस सरकार को चलाया भी जाता है। विश्व भर से दलाई लामा के दर्शन करने के लिए लोग धर्मशाला पहुंचते हैं। दलाई लामा 88 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं। वे न सिर्फ आध्यात्मिक धर्म गुरु हैं, बल्कि विश्व शांति के भी दूत हैं। दलाई लामा को विश्व शांति के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने भी आध्यात्मिक धर्मगुरु दलाई लामा को मानक उपाधि प्रदान की है।

हसन ने प्रभा के सिर में मारी थी गोली, पुलिसवालों ने दी थी लोकेशन, 3 बर्खास्त

कटिहार, 24 मई (एजेंसियां)। महिला सिपाही प्रभा भारती हत्याकांड में बड़ी करवाई हुई है। इसके तहत कटिहार एसपी जीतेन्द्र कुमार ने तीन पुलिसकर्मियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। सिपाही राहुल, शिवानी और नदीम पर हत्या के दिन मृतक महिला सिपाही प्रभा का लोकेशन आरोपी को देने का आरोप लगा था। बता दें कि 4 फरवरी 2023 को कोढ़ा थाना क्षेत्र के दिघरी के पास हसन और उसके साथियों ने मिलकर महिला सिपाही प्रभा की निर्मम हत्या कर दी थी।

इस मामले में कई और पुलिसकर्मी और अधिकारी भी जांच के दायरे में हैं। बता दें कि 4 फरवरी 2023 को कोढ़ा थाना क्षेत्र के दिघरी के पास ऑटो से लौट रही महिला सिपाही के सिर पर गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले मे तीनों सिपाहियों पर आरोप है कि अपने घर मुंगेर से पुलिस लाइन में तैनात प्रभा भारती के लौटने के दौरान हत्या के आरोपी हसन और उसके साथियों को इन तीनों ने ही लोकेशन साझा किया था। इस कारण हत्यारों ने आसानी से अकेला पाकर सिपाही प्रभा को मौत के घाट उतार दिया था। बता दें कि इस घटना के बाद बिहार पुलिस महकमे में खलबली मच गई थी। तब इस खबर को लेकर कई बातें सामने आईं थीं, जिसमें लव जिहाद के कारण हत्या करने की बात सामने आई थी।

इसके साथ ही हसन के एकतरफा प्यार मे नाकाम रहने के कारण प्रभा भारती के सिर पर गोली मारकर हत्या जैसी बातें प्रमुखता से सामने आई थीं। कटिहार पुलिस ने चुनौती के रूप मे लेते हुए इस हत्याकांड के आरोपी को नागपुर से नाटकीय ढंग से गिरफ्तार किया था। इनमें से हसन और उनके तीन साथी अब तक जेल में हैं।

'आप मुस्लिम नहीं, इसलिए तलाक खारिज'

विवाहित जोड़े का समझौता करके अलग हो जाना तलाक नहीं होता

जबलपुर, 24 मई (एजेंसियां)। पति-पत्नी के बीच लिए गए आपसी तलाक को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। मध्य प्रदेश स्थित जबलपुर हाईकोर्ट ने तलाक के एक मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि आपसी समझौते से अलग होने को कानून मान्यता नहीं देता है। तलाक के लिए आपको कानूनी प्रक्रिया से गुजरना ही होगा। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक जबलपुर हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के आपसी रजामंदी से अलग होने को तलाक मानने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही पति द्वारा दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि विवाहित जोड़े का आपसी समझौता करके अलग हो जाना तलाक नहीं होता। याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आपसी समझौता कानूनी रूप से मान्य नहीं है। आपसी समझौता तभी तक के लिए होता है जब तक कि दोनों पक्ष में से किसी को भी आपत्ति न हो। यानी दोनों पक्ष सहमत हो। पति द्वारा दायर याचिका पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों को रद्द करने के लिए की गई थी। याचिका में कहा गया था कि साल 2023 में ही दंपति ने आपसी रजामंदी के तहत दस्तखत करके रिश्ता खत्म कर लिया था। ऐसे में पत्नी द्वारा पति पर इसके बाद कोई आरोप नहीं लगाए जा सकते हैं। जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

आप दोनों मुस्लिम पक्ष से नहीं

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गुरपाल सिंह अहलूवालिया ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पति और पत्नी दोनों ही मुस्लिम धर्म से नहीं आते हैं। ऐसे में आपके तलाक को आपसी सहमति से मंजूरी नहीं दी जा सकती है। चिंता का विषय यह है कि आप दोनों ने नोटरी पर ही आपसी समझौता कर लिया। जबकि नोटरी अलगाव के समझौते के आधार पर तलाक को मंजूरी नहीं दे सकता है।

तलाक हो जाए तो तलाक के पहले किए गए दुर्व्यवहार पर दर्ज होगा केस

पत्नी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा था कि दोनों की शादी 21 अप्रैल 2022 को हुई थी। जिसके कुछ ही दिनों बाद उसके पति और ससुराल वालों ने उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। इसके साथ ही पत्नी ने अपने ससुराल वालों पर मारपीट का भी आरोप लगाया है। इस मामले पर कोर्ट ने कहा कि आपसी रजामंदी से अलगाव को कानूनी मान्यता नहीं है। ऐसे में कोर्ट इस बात को स्पष्ट किया है कि अगर तलाक हो जाए तो तलाक से पहले किए गए दुर्व्यवहार को लेकर आईपीसी की धारा 498-ए के तहत मामला दर्ज कराया जा सकता है।

मेडिकल कॉलेजों के निर्माण में 100 करोड़ का घोटाला

कांग्रेस नेता राकेश सिंह यादव का दावा

भोपाल, 24 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव राकेश सिंह यादव ने प्रदेश भवन विकास निगम लिमिटेड (एमपीबीडीसी) एवं पीडब्ल्यूडी पर 100 करोड़ का भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बुधनी मेडिकल कॉलेज में प्राइमरी सरिये की जगह डुप्लीकेट सरिया लगाकर 16 करोड़ लूटे गए हैं। वहीं, मंदसौर, नीमच, बुधनी, छतरपुर, सिवनी, श्योपुर में 100 करोड़ से अधिक राशि का भ्रष्टाचार किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बुधनी जिला सिहोर सहित 6 मेडिकल कॉलेजों में स्क्रेप से बना अंडर वेट पैरामीटर में अमानक सरिया लगा कर जनता का पैसा बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि एमपीबीडीसी अधिकारियों की स्टेट क्वालिटी मॉनिटरों ने फर्जी टेस्ट सर्टिफिकेट सरिये के लगाकर करोड़ों का घोटाला किया।

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव सरकार के राज में भ्रष्टाचार का बोलबाला होने का आरोप लगाया है। उन्होंने शुक्रवार को इंदौर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेजों के निर्माण में 100 करोड रुपए का घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में 10 नए मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। इन कॉलेजों को गुजरात कंपनी बना रही है। गुजरात की जेके इन्फ्रा कंपनी ने देवास की एक स्थानीय कंपनी गणपति स्ट्रक्चर को इन भवनों के लिए सरिया सप्लाई करने का काम दिया है। इसमें बड़ा आरोप यह है कि केवल बुधनी के ही एक मेडिकल कॉलेज में करीब 100 करोड़ रुपये का घोटाला होने का अनुमान है।

'बीएफ के साथ शादी नहीं कराई तो खुदकुशी कर लूंगी'
15 साल की लड़की ने रचाया बाल विवाह

इंदौर, 24 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रेम में डूबी 15 वर्षीय लड़की और 19 वर्षीय लड़के के बाल विवाह के खुलासे के बाद सात लोगों पर गुरुवार को मामला दर्ज किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जिन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है उनमें वर, वर-वधू के माता-पिता, एक रिश्तेदार और शादी कराने वाला पुरोहित शामिल हैं। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की जांच में पता चला कि शहर में 15 वर्षीय लड़की और 19 वर्षीय लड़के की शादी हिंदू रीति-रिवाज से 24 अप्रैल को कराई गई थी और इसमें वर-वधू के सगे-संबंधी भी शामिल हुए थे।

पेरेंट्स को दी थी सुसाइड की धमकी

उन्होंने बताया कि इस गैर कानूनी विवाह के कारण वर, वर-वधू के माता-पिता और शादी कराने वाले पुरोहित समेत सात लोगों पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के संबद्ध प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। बाल विवाह के खिलाफ प्रदेश सरकार ''लाडो अभियान'' चलाती है। इस मुहिम के उड़नदस्ते से जुड़े महेंद्र पाठक ने बताया, ''बालिका वधू के पिता ने हमसे कहा कि उनकी बेटी और 19 वर्षीय लड़के के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग था। इस व्यक्ति के मुताबिक उनकी बेटी ने अपने परिजनों को धमकी दी थी कि अगर प्रेमी के साथ उसकी शादी नहीं कराई गई, तो वह खुदकुशी कर लेगी।''

बाल विवाह पर क्या है सजा का प्रावधान?

देश में 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के और 18 साल से कम आयु की लड़की की शादी बाल विवाह की श्रेणी में आती है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत दोषी को दो वर्ष तक के सश्रम कारावास अथवा एक लाख रुपये तक के जुर्माने या दोनों सजाओं का प्रावधान है।

गुरमीत राम रहीम ने की भाजपा को समर्थन की अपील

गुरूग्राम, 24 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के मतदान से पहले गुरमीत राम रहीम सिंह के सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा ने बीजेपी का समर्थन करने का ऐलान कर दिया है। साथ ही, शुक्रवार को चुनाव प्रचार खत्म होते ही डेरा ने 15 सदस्यीय कमेटी की ड्यूटी लगा दी है। जानकारी के लिए बता दें कि डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को रेप और हत्या के मामले में दोषी पाया गया था, जिसके बाद से वह जेल में हैं। जनवरी 2024 में 50 दिन की पैरोल के लिए वह बाहर आए थे। बता दें, हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर होने वाली है। बीजेपी ने बिना किसी गठबंधन के अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

कार्यवाहक प्रिंसिपल के निलंबन पर एचसी ने लगाई रोक,पीठासीन अधिकारी बन चुनावी रैली में हुआ था शामिल

प्रयागराज, 24 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में पीठासीन अधिकारी नियुक्त किए गए एक इंटर कालेज के कार्यवाहक प्रिंसिपल को राजनीतिक पार्टी की रैली में शामिल होने पर निलंबित किए जाने के मामले में बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कालेज प्रबंधक के निलंबन आदेश पर रोक लगा दी है और चुनाव आयोग व यूपी सरकार से जवाब तलब कर लिया है। कालेज प्रबंधक ने कार्यवाहक प्रिंसिपल को 16 अप्रैल को निलंबित कर दिया था। यह मामला हापुड़ जिले के सीधीपुर इलाके में स्थित लाला बाबू मेमोरियल इंटर कालेज से जुड़ा हुआ है। यहां के कार्यवाहक प्रिंसिपल सुनील दत्त शर्मा की लोकसभा चुनाव में पीठासीन अधिकारी नियुक्त किये गए थे।

इसी बीच उसने एक राजनीतिक दल की रैली में हिस्सा लिया, जिस पर चुनाव आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से एडीएम वित्त एवं राजस्व हापुड़ ने डीआईओएस के मार्फत कार्रवाई का आदेश दिया।

30 मई को होगी सुनवाई

कोर्ट ने कार्यवाहक प्रिंसिपल को काम करते रहने देने और नियमित वेतन भुगतान करने का निर्देश दिया है। अदालत ने इस मामले में केंद्रीय और राज्य चुनाव आयोग के साथ ही यूपी सरकार से तीस मई तक जवाब दाखिल करने को कहा है। अदालत इस मामले में तीस मई को सुनवाई करेगी। कोर्ट ने इस मामले में याचिकाकर्ता कार्यवाहक प्रिंसिपल को जांच में सहयोग करते रहने का निर्देश दिया है। कालेज प्रबंधक ने याचिका के खिलाफ जांच बैठाते हुए उसे निलंबित कर दिया। अपने निलंबन आदेश को कॉलेज के कार्यवाहक प्रिंसिपल ने याचिका दाखिल कर चुनौती दी थी। राज्य चुनाव आयोग ने अपने आदेश में कहा कि याची सरकारी सेवक है, इसलिए पीठासीन अधिकारी होते हुए उसने चुनाव रैली में हिस्सा लेकर कदाचार किया है।

क्या बोले कार्यवाहक प्रिंसिपल

कॉलेज के कार्यवाहक प्रिंसिपल ने कहा कि सरकार ने खुद ही आदेश जारी कर अध्यापकों को चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति दी है। याची सरकारी सेवक नहीं है और बिना किसी विधिक आधार के उसे निलंबित किया गया है। जिस समय वह रैली में गया था तो उस समय पीठासीन अधिकारी का कार्य नहीं कर रहा था, जिस पर कोर्ट ने जवाब मांगा और याची को राहत दी है। मामले की सुनवाई जस्टिस जे जे मुनीर की सिंगल बेंच में हुई।

हाई कोर्ट के जज को नहीं समझ आया 'विलेज डिफेंस फोर्स' का फंडा तो निकाल लिया चैटजीपीटी

इंफाल, 24 मई (एजेंसियां)। अदालतों के फ़ैसलों, दलीलों, बहसों को समझना एक बार में आम लोगों के लिए काफी मुश्किल है। कुछ मामले इतने जटिल होते हैं उपर से जिस तरह के शब्द और वाक्य जज और वकील इस्तेमाल करते हैं, कई लोगों को डिक्शनरी तक की जरूरत पड़ जाती है। पर मणिपुर हाई कोर्ट के एक जज साहब को सुनवाई के दौरान एक शब्द का फंडा ही समझ नहीं आया तो मजबूरन उन्हें खुद ही चैट जीपीटी का सहारा लेना पड़ा। एआई के इस टूल की मदद से फैसला सुनाया। बार एंड बेंच के मुताबिक मणिपुर उच्च न्यायालय ने हाल ही में खुलासा किया कि उसने एक सेवा मामले [मो। जाकिर हुसैन बनाम मणिपुर राज्य] में रिसर्च करने के लिए चैटजीपीटी का इस्तेनाला किया था। जस्टिस ए गुणेश्वर शर्मा ने कहा कि उन्होंने विलेज डिफेंस फोर्स (वीडीएफ) यानी ग्राम रक्षा बल के एक अधिकारी के डिसएंगेजमेंट/ सेवा से हटाने को रद्द करने में सहायता के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का सहारा लेना पड़ा।

कोर्ट ने हालांकि शुरू में सरकारी वकील से यह जानना चाहा था कि किन परिस्थितियों में अधिकारी इस तरह की वापसी का आदेश दे सकते हैं। जब कोई जवाब नहीं आया तो जज ने जवाब ढूंढने के लिए गूगल और चैटजीपीटी का सहारा लिया। न्यायाधीश ने आदेश में कहा कि कोर्ट गूगल और चैटजीपीटी 3.15 के जरिए इसे समझने के लिए, कुछ महत्वपूर्ण जानकारी इकट्ठा करने के लिए मजबूर है।

एआई की मदद से, न्यायालय ने कहा कि मणिपुर में विलेज डिफेंस की स्थापना स्थानीय सुरक्षा बढ़ाने और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की सहायता के लिए की गई थी। मणिपुर पुलिस के तहत शुरू किए गए, वीडीएफ में स्थानीय समुदायों के स्वयंसेवक शामिल हैं, जिन्हें विद्रोही गतिविधियों और जातीय हिंसा सहित अलग अलग खतरों के खिलाफ गांवों की रक्षा करने के लिए ट्रेन किया गया है।

कोर्ट ने कहा कि ट्रेनिंग में सफलता के बाद और जरूरी मूल्यांकन पास करने के बाद, उम्मीदवारों को औपचारिक रूप से वीडीएफ के सदस्यों के रूप में नियुक्त किया जाता है और एक बार नियुक्त होने के बाद, उन्हें पुलिस बल के साथ ड्यूटी सौंपी जाती है। चैटजीपीटी की रिसर्च के बाद कोर्ट को मणिपुर के होम डिपार्टमेंट की तरफ से जारी एक ऑफिस मेमोरंडम मिला, जिसमें वीडीएफ के लिए सेवा शर्तें बताई गई थीं।

पुणे पोर्शे एक्सीडेंट केस

नाबालिग ने थाने में की थी पिज्जा पार्टी? अब पुलिस ने किया ये बड़ा दावा

पुणे, 24 मई (एजेंसियां)। पुणे में पोर्शे कार हादसे में दो लोगों की मौत के बाद से देशभर में गुस्से का माहौल है। इस केस को लेकर हर दिन कोई न कोई बड़ी जानकारी सामने आ रही है। इस पूरे केस को लेकर अब पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार का एक बयान भी सामने आया है। पुणे कार एक्सीडेंट केस को लेकर कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा, "हमारे पास पब में शराब पीते हुए उनकी सीसीटीवी फुटेज है। कहने का मतलब ये है कि ब्लड रिपोर्ट के आधार पर हमारा मामला अकेला नहीं है, हमारे पास अन्य सबूत भी हैं। वह (नाबालिग आरोपी) होश में था। ऐसा नहीं था कि वे सभी इतने नशे में थे कि उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था। उन्हें पूरी जानकारी थी कि उनके आचरण के कारण धारा 304 जैसी घटना घट सकती है।

पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने थाने में पिज्जा पार्टी को लेकर कहा कि इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। पुणे पुलिस प्रमुख ने बताया कि आंतरिक जांच में मामला दर्ज करते समय पुलिस की ओर से चूक की ओर इशारा किया गया है। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यहां बता दें, पुणे में पोर्शे कार की टक्कर से दो लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस अब इस केस को लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने पोर्श कार दुर्घटना मामले में संलिप्त 17 वर्षीय लड़के के दादा से भी पूछताछ की है। अधिकारी ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने दुर्घटना में शामिल पोर्श कार का निरीक्षण किया है। मामले की जांच कर रहे अपराध शाखा के अधिकारियों ने आरोपी किशोर के एक दोस्त और पूर्व ड्राइवर से भी पूछताछ की।

झारखंड के बाद अब केरल में बर्ड फ्लू की पुष्टि
प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

कोच्चि, 24 मई (एजेंसियां)। झारखंड के बाद अब केरल के पोल्ट्री फॉर्म में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। मनारकाड में सरकार द्वारा संचालित क्षेत्रीय पोल्ट्री फार्म में एवियन फ्लू (एच5एन1) के फैलने की पुष्टि जिला प्रशासन की ओर से की गई है। कोट्टायम जिला प्रशासन ने एक बयान में कहा कि प्रकोप के बाद पोल्ट्री फार्म के एक किलोमीटर के दायरे में सभी पालतू पक्षियों को मारने का निर्णय किया गया है। प्रशासन की ओर से जिले में चिकन, बत्तख, बटेर और अन्य पक्षियों के पोल्ट्री उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। बयान में बताया गया है कि प्रभावित क्षेत्र में कीटाणुशोधन कदम उठाए जाएंगे और पोल्ट्री फार्म से 1 से 10 किमी के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित किया गया है।

पोल्ट्री उत्पादों की बिक्री पर बैन

इसके अलावा, राज्य के कोट्टायम जिले में चिकन, बत्तख, बटेर और अन्य पक्षियों के पोल्ट्री उत्पादों की बिक्री और आयात पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिला कलेक्टर वी विग्नेश्वरी द्वारा पशुपालन विभाग द्वारा संचालित पोल्ट्री फार्म में एवियन फ्लू फैलने की पुष्टि के बाद कलक्ट्रेट में आयोजित एक अंतर-विभागीय बैठक में ये उपाय किए गए। इसमें कहा गया है कि फार्म में लगभग नौ हजार मुर्गियां पाली गई थीं। मध्य प्रदेश के भोपाल में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज लैब द्वारा फार्म में बड़ी संख्या में मरने वाली मुर्गियों के नमूनों का परीक्षण करने के बाद एच5एन1 के प्रकोप की पुष्टि की गई थी।

रांची में हुई थी बर्ड फ्लू की पुष्टि

बुधवार को झारखंड के रांची में पोल्ट्री फार्म में एवियन फ्लू का प्रकोप के बाद 920 पक्षियों को मार डाला गया था। झारखंड सरकार ने बुधवार रांची के एक पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के बाद अलर्ट जारी किया था। इस घटना के बाद रांची के मोरहाबादी में राम कृष्ण आश्रम द्वारा संचालित पोल्ट्री फार्म दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र में 770 बत्तखों सहित 920 पक्षियों को मार दिया गया था।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 25 मई - 2024

चुनाव में राजनीतिक हिंसा

पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान हिंसा एक रिवायत सी बन चुकी है। वहां जब भी कोई चुनाव होता है तो हिंसा होना आमबात हो चुकी है। ताजा मामला उस नंदीग्राम इलाके में हुई है, जहां कुछ दिन पहले से ही माहौल तनावपूर्ण था। सबकुछ जानते हुए भी न तो राज्य सरकार ने अपनी ओर से इसे सुलझाने में रुचि दिखाई, न ही चुनाव आयोग ने। चुनाव के बीच सुरक्षा व्यवस्था पर पर्याप्त व्यवस्था की जिम्मेदारी आखिर में आयोग की भी तो है। नतीजतन, सुलग रही आग भड़क गई, जिसमें जहां एक महिला की मौत हो गई वहीं बडी संख्या में लोगों की दुकानें व घरों को आग लगा दी गई। हैरानी की बात है कि वहां वर्षों से लगातार यह स्थिति कायम है। इसके बाद भी इस पर लगाम लगाने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सरकार और संबंधित महकमे चैन की नींद सो रहे हैं। आखिर इसे बेवजह कैसे मान लिया जाए कि वहां आज भी बहुत छोटी-सी चिंगारी से हिंसा भड़क उठती है। फिलहाल पश्चिम बंगाल में लोकसभा के लिए अलग-अलग चरणों में चुनाव चल रहा है। इस बीच कई बार हिंसा भड़की और वह किसी तरह संभाली जा सकी। अब छठे चरण का चुनाव आज होने वाला है उसके पहले ही नंदीग्राम में भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के बीच हिंसक संघर्ष शुरू हो गया। इसमें एक महिला की मौत के साथ ही आठ लोग घायल हुए हैं। इस हिंसा और हमले के लिए तृणमूल कांग्रेस और भाजपा ने एक दूसरे पर आरोप लगाया है, मगर इससे एक बार फिर यही जाहिर हुआ है कि तमाम चिंता के बावजूद वहां चुनावी हिंसा को रोक पाना किसी भी सरकार व प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। बहरहाल, नंदीग्राम हिंसा से हालात बिगड़ने के बाद केंद्रीय बलों ने मोर्चा संभाल लिया है। ऐसे में सवाल लाजिम है कि जब हिंसा कभी भी भड़कने की आशंका बनी रहती है तो समय रहते सरकार और चुनाव आयोग क्यों नहीं चेत जाता? समय रहते सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए ? इतने लंबे चरणों में चुनाव कराने के बाद भी हिंसक घटनाओं पर लगाम नहीं लग पाना सीधे-सीधे लापरवाही को दर्शाता है। अफसोसजनक है कि इस तरह की कोई घटना जब तक तूल नहीं पकड़ लेती है, तब तक संबंधित महकमों की नींद नहीं टूटती। इस वजह से अनायास ही जानमाल का काफी नुकसान हो जाता है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा मानो वहां की संस्कृति बन चुकी है। शायद ही ऐसा कोई चुनाव होता होगा, जिसमें जनता से जुड़े मुद्दों पर कोई बहस आकार लेती हो और शांत या लोकतांत्रिक माहौल में मतदान संपन्न होता हो। भद्रलोक कहे जाने वाले राज्य की राजनीति में सक्रिय मुख्य दलों को मुद्दा आधारित बहस खड़ा करने के बजाय अपना जनाधार खड़ा करने के लिए उकसावे और टकराव का रास्ता अपनाना शायद ज्यादा लाभकारी दिखता है। जाहिर है इस तरह की अराजकता की राह की उम्र ज्यादा लंबी नहीं होती है और इससे कैसी राजनीतिक संस्कृति खड़ी होती है। ऐसे में न तो कभी लोकतंत्र का रास्ता मजबूत हो सकता है, न ही जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक विमर्श संभव है। हालत यह है कि स्वच्छ चुनाव और स्वतंत्र मतदान वहां के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर हो चला है कि किसी इलाके में किस समूह का वर्चस्व है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर हिंसा को ही राजनीतिक रूप से हावी होने का औजार बना लिया जाएगा, तो ज्यादा ताकतवर समूह हमेशा कमजोर लोगों के हक का हनन करते रहेंगे। ऐसे में लोकतंत्र की क्या दुर्गति होगी, इसे समझने में कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए!

विदेशों में बुजुर्गों को मिलती है भरपूर सुविधाएं

अशोक भाटिया

किसी भी देश, समाज या परिवार की खुशहाली इस बात से आंकी जाती है कि वे अपने बुजुर्गों की देखभाल के लिए कैसी व्यवस्था डेवलप करते हैं। बड़ी युवा आबादी वाले हमारे देश भारत की आबादी आज 1 अरब 40 करोड़ के करीब है जिसमें से 10.1 फीसदी आबादी बुजुर्गों की है यानी 60 साल से अधिक उम्र के लोगों की आबादी। NSO के आंकड़ों के अनुसार, साल 2021 में देश में बुजुर्गों की आबादी 13 करोड़ 80 लाख थी जो अगले एक दशक में यानी साल 2031 तक 41 फीसदी बढ़कर 19 करोड़ 40 लाख हो जाने का अनुमान है।

आज देश में बढ़ते वृद्धाश्रम इस बात का संकेत हैं कि बुजुर्गों की देखभाल में समाज या सोशल सिक्योरिटी सिस्टम कहीं न कहीं पर्याप्त नहीं हैं। बुढ़ापे में आय की कमी, पेंशन की दिक्कत और परिवारों में देखभाल की कमी के बीच आज देश भर में 750 से अधिक ओल्ड एज होम हैं जो कि सरकारी और गैरसरकारी मदद से चल रहे हैं लेकिन इनमें से भी अधिकांश में बहुत बेहतर सुविधाएं नहीं होने की बात हमेशा सामने आती है।

इस साल के बजट में सोशल सिक्योरिटी खासकर बुजुर्गों के हित के लिए कई प्रावधान किए गए हैं जैसे सेविंग अकाउंट में बचत पर ज्यादा ब्याज दर, इलाज के लिए स्कीम और बुजुर्गों के इस्तेमाल वाली दवाओं पर राहत के कदम लेकिन एक वेलफेयर स्टेट को अपनी बुजुर्ग होती आबादी के लिए और किन बातों पर ध्यान देने की जरूरत है इसके लिए दुनिया में कई देशों में उठाए गए कदमों से सीख ली जा सकती है। खासकर फिनलैंड जैसे स्कैंडिनेवियन देशों से जो बेहतर लाइफस्टाइल और हैपीनेस इंडेक्स में दुनिया में सबसे आगे मानी जाती है।

भारत में भी बुजुर्गों के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से वृद्धावस्था पेंशन की व्यवस्था है। यह अलग-अलग राज्यों में वहां की प्रदेश सरकारों की हिस्सेदारी के मुताबिक 600 रुपये से 1000 रुपये तक हर महीने होती है। इसके साथ ही दिल्ली जैसे राज्यों में मोहल्ला क्लीनिक तो केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाओं के जरिए बुजुर्गों के इलाज की कई जगह सुविधाएं भी सरकारें दे रही हैं लेकिन सवाल उठता है कि बुजुर्गों की दिक्कतों और बड़ी आबादी को ध्यान में रखते हुए क्या ये कदम पर्याप्त हैं? क्या हम अपने बुजुर्गों को पर्याप्त सोशल सिक्योरिटी और केयर दे पा रहे हैं?

वर्ल्ड हैपीनेस इंडेक्स में नंबर-1 पर आने वाला देश फिनलैंड भले ही एक छोटा देश है लेकिन अपने यहां बुजुर्गों के लिए जैसी सुविधाएं वहां विकसित की जा चुकी है उससे हमारे शहरों और स्थानीय प्रशासन के लिए काफी कुछ सीखने लायक है। जापान के अलावा फिनलैंड सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी वाले देशों में से है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और सोशल सिक्योरिटी सिस्टम के कारण यहां लोगों की लाइफ एक्सपेटेंसी 84 साल है। फिनलैंड में 60 साल से अधिक उम्र का हर शख्स ओल्ड एज पेंशन का हकदार होता है। फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में वहां के स्थानीय प्रशासन की ओर से बुजुर्ग लोगों के लिए ओल्ड एज पेंशन की 1888 यूरो की हर महीने व्यवस्था है जो कि भारतीय रुपये में एक लाख 65 हजार रुपये बनता है वो भी हर महीने। इसके अलावा सिटी प्रशासन की ओर से बुजुर्गों को फिजिकली और सोशली एक्टिव रखने के लिए भी कई तरह के कदम उठाए जाते हैं।

फिनलैंड की आबादी में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 27 फीसदी से अधिक है। झीलों के देश फिनलैंड में आपको रोज सुबह बड़ी तादाद में बुजुर्ग लोग साइक्लिंग और स्विमिंग करते मिल जाएंगे। ओल्ड एज होम को बढ़ावा देने की जगह वहां का प्रशासन जहां तक संभव हो पाता है, बुजुर्गों को उनके घर पर ही हेल्थ केयर, मेडिकल चेकअप और बाकी सुविधाएं मुहैया कराता है ताकि यहां के बुजुर्ग लोग अपने घरों में ही आराम से रह सकें। इसके लिए स्थानीय एजेंसियां उनके घर की, सीढ़ियों की, इंटीरियर को भी आकर डिजायन करती हैं ताकि बुजुर्गों को घर में रहते हुए, चलते हुए और जरूरी सामानों को उठाते हुए कम से कम दिक्कत आए।

फिनलैंड में चल रही नेशनल पेंशन स्कीम और सोशल सिक्योरिटी स्कीम को इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि ये सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बुजुर्ग आर्थिक दिक्कत का सामना न कर सके। उनके लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट में डिस्काउंट, स्विमिंग क्लबों, जिम, पार्क, म्यूजियम, लाइब्रेरी, थिएटर आदि जगहों पर छूट के प्रावधान किए गए हैं। यहां तक कि रेसिडेंशियल सोसाइटीज के जरिए उनके लिए सोशल इवेंट और ट्रिप आदी की भी व्यवस्था की जाती है ताकि वे अपने बुढ़ापे को पूरा एंजॉय कर सकें और इसके लिए आर्थिक दिक्कतें उनके रास्ते की बाधा न बनें या परिवार के लोगों पर उनकी निर्भरता न के बराबर हो। फिनलैंड के शहरों और कस्बों-गावों में ऐसे कार्यक्रमों में भी उनको शामिल करने पर जोर दिया जाता है जहां वे बाकी पेंशनर्स या स्कूली बच्चों के साथ मिल-जुल सकें। ये सब स्थानीय प्रशासन की ओर से उनके जीवन को एक्टिव बनाए रखने के लिए किया जाता है। बुजुर्गों को जरूरी सलाह एक जगह मिल जाए, इसके लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी डेवलप किया गया है।फिनलैंड में हाउसिंग सेक्टर्स को भी इस तरह की व्यवस्था करने को कहा गया है कि वे ऐसी हाउसिंग सोसाइटीज डेवलप करें जहां बुजुर्ग अपने जैसे लोगों के साथ एक जगह रह सकें। या युवा आबादी-छात्रों के साथ कंबाइंड रिहायश उन्हें मिल सके और अकेलेपन का शिकार होने से वे बच सकें। इतना ही नहीं, हेलसिंकी शहर में 63 कोहाउसिंग फैसिलिटी ऐसी डेवलप की गई हैं जहां व्हीलचेयर से हर जगह आसानी से जाया जा सकता है यानी जो बुजुर्ग चल फिर नहीं सकते, उन्हें भी रोजमर्रा के काम में कोई दिक्कत न आए।

65 साल से अधिक उम्र के उन लोगों के लिए जिन्हें मेडिकल निगरानी की जरूरत है हेलसिंकी की एजेंसियां ऑन डोर सर्विस मुहैया कराती हैं। बुजुर्ग लोग अपने घर पर ही सेफ्टी और केयरिंग के साथ रह सकें इसके लिए 24-Hour केयरिंग सुविधा दी गई है। बुजुर्गों के लिए कोहाउसिंग, कम्युनिटी फूड, लॉन्ड्री, होम क्लीनिंग और क्लोथिंग सर्विस मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा रोजाना घर पर मेडिकल चेकअप के लिए नर्सिंग सुविधा और सोशल सिक्योरिटी सर्विस मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा प्राइवेट रिटायरमेंट होम का ऑप्शन भी कई लोगों के लिए मुहैया कराया जाता है।

म्यूनिसिपलिटीज यानी हमारे यहां के नगर निगम और नगरपालिकाओं की तरह। फिनलैंड में म्यूनिसिपलिटीज की ओर से बुजुर्गों के लिए घर पर ही आरामदायक जिंदगी के लिए कई सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं। जिन बुजुर्गों का स्वास्थ्य खराब रहता है उनके लिए डॉक्टर के रेफरल पर घर पर रोज मेडिकल चेकअप, नर्सिंग और रेगुलर मेडिसिन देने आदि की सुविधा दी जाती हैं और इसके लिए नर्सिंग स्टाफ तैनात होते हैं जो रोज ये सुविधाएं देने उन बुजुर्गों के घर पर आते हैं। घर पर ही बुजुर्गों का हेल्थ चेकअप होता है और दवाइयां मुहैया कराई जाती हैं। उनके स्वास्थ्य पर हेल्थ सेंटर की ओर से डेली निगरानी भी की जाती है। बुजुर्गों के लिए रोजमर्रा के कामों में मदद के लिए फिनलैंड के शहरों में होम सर्विसेज की भी व्यवस्था है। जैसे वॉशिंग, ड्रेसिंग और खाने से जुड़ी मदद भी घर पर मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा सपोर्ट सर्विस जैसे क्लीनिंग, शॉपिंग, सिक्योरिटी और ट्रांसपोर्ट सेवाएं भी कम्युनिटी सर्विस के आधार पर घरों पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराया जाता है। टेंपररी होम केयर सर्विस की फीस सबके लिए समान होती है लेकिन रेगुलर होम केयर सर्विस के लिए म्यूनिसपलिटीज को लोगों को अधिक फीस देनी होती है। म्यूनिसिपलिटीज की ओर से बुजुर्गों को मिले सर्विस वाउचर का इस्तेमाल अलग-अलग सुविधाएं लेने में किया जा सकता है।

दो इंजीनियर को कुचलने का मामला

मनोज कुमार

पुणे शहर में हाल ही में एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ। रात के तीन बजे दो युवा आईटी इंजीनियर अनीस अवधिया और अश्विनी कोस्टा अपने सहकर्मियों संग कल्याणी नगर में एक भोजनालय पर भोजन करके वापस लौट रहे थे। वे सभी दोस्त मोटरसाइकिलों पर सवार थे। जब वे कल्याणी नगर जंक्शन पर पहुंचे, तो बेलगाम रफ्तार से दौड़ती आ रही लग्जरी पोर्शे कार ने उन दोनों के मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, मोटरसाइकिल गिरा और कार ने दोनों को कुचल डाला, जिससे दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जब आरोपित कथित नाबालिग कार चालक को पकड़ कर जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया तो उसे मात्र 15 घंटे में यह कहकर जमानत दे दी गई कि वह सड़क हादसों पर 300 शब्दों का निबंध लिखे। यह जुनाइल जस्टिस बोर्ड का ऐसा फैसला है जिसके बारे में आम आदमी चीत्कार उठा है। क्या नाबालिग को कोई भी अपराध करने की छूट है हमे याद आ रहा है निर्भया कांड का वह शैतान दरिंदा जिसे जेजेबी ने उस बेहद बर्बरता हैवानियत के आरोपी को किशोर सुधार गृह में रखने के बाद सिलाई मशीन गिफ्ट के साथ रिहा कर दिया था जबकि इस नाबालिग का निर्भया के साथ दरिंदगी बर्बरता में सबसे बर्बर रोल था और इस कांड के दूसरे आरोपी को फांसी की सजा सुनाई गई थी। क्या दो युवाओं की जिंदगी छीन लेने की सजा मात्र 2 पन्नों का निबंध है?

पुणे की यह घटना कथित एलीट सोसाइटी के बिगड़ैल रईसजादों के उत्श्रृंखल हो जाने मनमानी करते हुए कानून को तोड़ने और उनके सामने बेबस कानून के अंधा कानून साबित होने का जीता-जागता उदाहरण है। आरोपित को इसलिए कुछ ही घंटों में जमानत दे दी गई, क्योंकि वह 17 साल का 'नाबालिग' है। वह पुणे के एक बड़े बिल्डर का बेटा है और 2 करोड़ रुपये की पोर्शे कार दौड़ा रहा था। मामले का मुख्य आरोपी एक नाबालिग है, जो पुणे के एक जाने-माने बिल्डर का बेटा है। अमीर पिता ने यह महंगी गाड़ी अपने नाबालिग बेटे के हवाले कर दी थी। इस साल मार्च में खरीदी गई इस गाड़ी पर लाइसेंस नंबर नहीं था क्योंकि रोड टैक्स के 44 लाख रुपये नहीं दिए गए थे। यहां तक कि गाड़ी चला रहे नाबालिग लड़के के पास कोई ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था। वह कितना नाबालिग था, इसी से समझा जा सकता है कि इन दो युवाओं को कुचलने से ठीक पहले वह पब में शराब पार्टी करके आया था।मिली सूचनाओं के मुताबिक दुर्घटना से पहले यह लड़का एक नहीं दो अलग-अलग बार में जाकर शराब पीता है। ध्यान रहे कि महाराष्ट्र में शराब पीने की न्यूनतम उम्र 25 साल है, लेकिन बार में कोई भी यह पता करने की जरूरत नहीं समझता कि शराब मांगते इस लड़के की उम्र शराब पीने की हुई है या नहीं।

आरोपी का एक वीडियो सामने आया, वीडियो में आरोपी दोस्तों के साथ शराब पीता हुआ दिख रहा था। पुलिस की मानें तो आरोपी नाबालिग ने हादसे से पहले कई पबों में पार्टी की थी। हादसे से पहले उसने दो पब में जाकर मात्र 90 मिनट में 48,000 रुपए खर्च कर दिए थे। पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने पत्रकारों को बताया कि नाबालिग ने 48,000 रुपये का बिल कोजी में चुकाया गया। जो शनिवार रात 10 बजकर 40 मिनट पर किशोर और उसके साथियों द्वारा दौरा किया गया पहला पब था। कोजी रेस्त्रां द्वारा उन्हें सेवा देना बंद करने के बाद वे 12 बजकर 10 मिनट पर दूसरे पब ब्लैक मैरियट में चले गए। कुमार ने कहा, हमें पब का 48,000 रुपये का बिल मिला है, जिसका भुगतान नाबालिग के ड्राइवर ने किया था।

कोर्ट ने मामूली शर्त पर किशोर को रिहा कर दिया। अदालत के इस फैसले की खूब आलोचना हुई। पुलिस ने आरोपी आरोपी के पिता, कोसी रेस्तरां के मालिक नमन प्रल्हाद भूतड़ा, इसके प्रबंधक सचिन काटकर और ब्लैक क्लब होटल के प्रबंधक संदीप सांगले को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया। पुणे की विशेष अदालत ने 24 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

खास बात यह कि कानून की कमजोरी देखिए कि सरेआम दो लोगों की 'हत्या' कर डालने वाले उस नाबालिग या उसके बाप के नाम का खुलासा तक करने पर पाबंदी है, क्योंकि कानून कहता है 'नाबालिग अपराधी भी हो तो उसकी पहचान उजागर नहीं की जा सकती।' क्या यह शर्मनाक नहीं है कि पब में बैठकर शराब पीने वाला, 2 करोड़ रुपये की कार बेलगाम रफ्तार से दौड़ाने वाला, दो युवाओं को कुचल डालने वाला 'नाबालिग' होने के नाम पर आजाद घूम रहा है? यदि वह सच में नाबालिग है तो भी उसने एक नहीं, कई कानून तोड़े हैं। पहला वह 18 साल से कम उम्र का है, इसलिए उसका ड्राइविंग लाइसेंस नहीं बन सकता और बिना लाइसेंस गाड़ी चलाना कानूनन अपराध है। दूसरा नाबालिग किसी पब या बार में जाकर शराब नहीं पी सकता, इस मामले का आरोपी सीसीटीवी में दोस्तों के साथ शराब पीता साफ नजर आ रहा है। तीसरा बिना पंजीकरण कोई भी गाड़ी सड़क पर नहीं चलाई जा सकती, जबकि वह मार्च से ही इस पोर्शे कार को बिना पंजीकरण और बिना नंबर प्लेट चला रहा था। इस मामले में उसके बाप पर भी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। चौथा शहरों में किसी भी वाहन की अधिकतम गति सीमा तय होती है, इस मामले में उसने यह कानून भी तोड़ा, क्योंकि जांच में पता चला कि हादसे के समय कार की रफ्तार 250 किलोमीटर प्रति घंटा थी और इतनी रफ्तार की भारत के किसी भी शहर में अनुमति नहीं है।

गौरतलब है कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और दुर्घटना में दो लोगों की मौत से जुड़े इस मामले में आरोपी को जमानत मिलने में भी कोई दिक्कत नहीं हुई।क्या जुवेनाइल कोर्ट को पता नहीं कि बालिग होने के करीब पहुंच चुके नाबालिग पर भी वयस्क की तरह केस चलाया जा सकता है? दिल्ली के निर्भया केस के बाद म कानून ही बन चुका है कि नाबालिग अपराधी पर भी बालिग की तरह है। उसे अदालत में अपनी उम्र याद आ गई, पर शराब पीते हुए खुद का नाबालिग होना याद नहीं आया?जुवेनाइल अदालत ने इस शैतान कथित नाबालिग को जमानत पर रिहा कर दिया और उसे सड़क सुरक्षा पर तीन सौ शब्दों का निबंध लिखने और पंद्रह दिन ट्रेफिक कंट्रोल में मदद करने की शर्त जोड़ दी।

आपको बता दें कि इस पूरे घटनाचक्र के सामने आने के बाद इस पर लोगों की कड़ी प्रतिक्रियाएं आने लगीं। इन्हें संज्ञान में लेते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने भी माना कि बोर्ड का रुख घटना की गंभीरता के अनुरूप नहीं है। पुलिस ने इस मामले में ऊपरी अदालत का रुख किया है।

वोटर लिस्ट में बढ़ती महिलाएं संसद में कब बढ़ेंगी ?

प्रियंका सौरभ

भारत में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक समान नहीं रही है। इसमें समय-समय पर हमेशा बदलाव होता रहा है। यदि हम महिलाओं की स्थिति का आंकलन करें तो पता चलेगा कि वैदिक युग से लेकर वर्तमान समय तक महिलाओं की सामाजिक स्थिति में अनेक तरह के उतार-चढ़ाव आते रहे हैं और उसके अनुसार ही उनके अधिकारों में बदलाव भी होता रहा है। इन बदलावों का ही परिणाम है कि महिलाओं का योगदान भारतीय राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्थाओं में दिनों-दिन बढ़ रहा है जो कि समावेशी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक सफल प्रयास है। चुनाव महिला उम्मीदवारों से जुड़े कई राजनैतिक पूर्वाग्रहों को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है। साथ ही महिलाओं का राजनीतिक सशक्तीकरण करने भी कारगर सिद्ध होगा।

तमाम प्रमुख राजनीतिक दलों की कथनी और करनी में भारी फर्क है। जब तक राजनीतिक पार्टियां अधिक से अधिक महिलाओं को टिकट नहीं देती, तब तक उनकी भागीदारी बढ़ाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती। लेकिन टिकटों के बंटवारे के समय तमाम दल किसी न किसी बहाने महिलाओं को चुनाव लड़ने से दूर रखने का प्रयास करते रहे हैं। जब तक यह पुरुषवादी मानसिकता नहीं बदलती, महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बावजूद तस्वीर ज्यादा नहीं बदलेगी। महिला मतदाता इतनी महत्वपूर्ण कभी नहीं थी जितनी अब है। महिला मतदाताओं को तेजी से एक ऐसे निर्वाचन क्षेत्र के रूप में पहचाना जा रहा है जो परिणामों को प्रभावित कर सकता है, महिला आरक्षण विधेयक के जल्दबाजी में पारित होने से बेहतर इसका कोई प्रतीक नहीं है।

भाजपा द्वारा नारी शक्ति पर किए गए सभी बड़े दावों के बावजूद, नवंबर में पांच राज्यों के चुनावों में उसके केवल 10 से 15 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं थीं। यही बात उन अन्य पार्टियों पर भी लागू होती है जिनकी अखिल भारतीय उपस्थिति है। भारत की महिला मतदाता, एक ताकत है जिसे गिना जाना चाहिए। राजनीतिक दल कल्याणकारी योजनाओं और रियायतों के वादों के साथ महिलाओं के वोट हासिल करने की होड़ में हैं, लेकिन सच्चा सशक्तिकरण अभी भी मायावी है। जब तक राजनीतिक पार्टियां अधिक से अधिक महिलाओं को टिकट नहीं देती, तब तक उनकी भागीदारी बढ़ाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती। देश की मतदाता सूची में महिला वोटरों की तादाद लगातार बढ़ रही है। लेकिन राजनीतिक दलों की ओर से टिकट नहीं मिलने के कारण वे इस अनुपात में संसद में नहीं पहुंच पातीं। मतदाताओं में आधी आबादी महिलाओं की है। पिछले 15 सालों में हिंदी बेल्ट राज्यों में उनकी संख्या में वृद्धि चुनाव परिणामों पर गहरा असर डाल रही है। इन सबके बीच एक सवाल यह भी उठता है कि भारत की संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अब भी कम क्यों है? क्यों अब भी लगभग सभी पार्टियां महिलाओं को टिकट देने से कतराती हैं?

बीते लोकसभा चुनाव में 542 सांसदों में से 78 महिलाएं थीं। इनमें सबसे अधिक उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 11-11 महिलाएं चुनाव जीती थीं। संसद में महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने वाली भाजपा ने 417 संसदीय सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। इनमें 68 महिलाएं हैं। यानी पार्टी ने सिर्फ 16 फीसदी महिलाओं पर ही भरोसा जताया है। बीजेपी ने 2009 में 45, 2014 में 38 और 2019 में 55 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। कांग्रेस ने अब तक 247 उम्मीदवारों की घोषणा की है। इसमें 35 उम्मीदवार यानी 14 फीसदी से कुछ ज्यादा महिलाएं हैं। वर्ष 2019 में कांग्रेस ने 54 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया था। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में जिन 42 उम्मीदवारों की घोषणा है उनमें 12 महिलाएं हैं।

लोकसभा चुनाव में कुल 96.8 करोड़ मतदाताओं में से 68 करोड़ लोग मताधिकार का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें 33 करोड़ यानी 49 फीसदी महिला मतदाता होंगी। 85.3 लाख महिलाएं पहली बार मतदान करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2047 तक (2049 में संभावित चुनाव) महिला मतदाताओं की संख्या बढ़कर 55 फीसदी (50.6 करोड़) और पुरुषों की संख्या घटकर 45 फीसदी (41.4 करोड़) हो जाएगी। भारत के राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पिछले दशक की सबसे महत्वपूर्ण बातों में से एक है। महिला मतदाता अब चुनावों में पहले से कहीं अधिक बड़ी भूमिका निभा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अब साक्षरता बढ़ने के कारण महिलाएं राजनीतिक फैसला लेने वाले एक अहम समूह के रूप में उभर रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक, रसोई गैस सब्सिडी, सस्ते ऋण और नकद राशि के वितरण जैसे कदमों से महिला मतदाताओं को लुभाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से बीजेपी के वोटों में वृद्धि में मदद मिली है।

महिला वोटरों की संख्या बढ़ी है क्योंकि उनकी आबादी और शिक्षा भी बढ़ी है। राजनीतिक दलों ने भी जागरूकता फैलाने में योगदान दिया है। यह उनके भी हित में था की वो महिलाओं को जागरुक करें और मतदान के लिए प्रोत्साहित करें ताकि उनका वोट प्रतिशत बढ़ सके।

षड्यंत्र-मुक्त अंतरधार्मिक विवाह का परिवेश

अनिल धर्मदेश

अभी एक दशक पहले तक सार्वजनिक स्थलों पर सरकार द्वारा नियमित घोषणा करायी जाती थी कि किसी लावारिस बैग या वस्तु को न छुएं, उसमें विस्फोटक हो सकता है। क्या तब देश के हर जिले में रोज ही बम फट रहे थे? देश के अलग-अलग राज्यों में दो-तीन माह के अंतराल पर होने वाली आतंकी घटनाओं के कारण ऐसे संदेशों का नियमित प्रसारण होता था, जिसका उद्देश्य समाज को सतर्क और जागरूक करना था न की लोगों को भयाक्रांत करना। आज देश में रोज कहीं न कहीं धार्मिक पहचान छिपाकर लड़कियों को प्रेमजाल में फांसने और विवाह-भयादोहन की आड़ में उनका धर्म परिवर्तन, उत्पीड़न व हत्या के मामले सामने आ रहे हैं तो इसको लेकर भी व्यापक जनजागरूकता और नियमों में सुधार की आवश्यकता है।

हमारे सामाजिक परिवेश और सरोकारों के कारण ही भारत में विवाह के लिए लड़कियों की आयु सीमा 18 वर्ष रखी गयी है। बेटियों के लिए पिता को यथोचित समय, लड़का और साधन मिल सके, लड़कियों की वैवाहिक आयु योग्यता को लड़कों की अपेक्षा तीन वर्ष रखने का यह एक महत्वपूर्ण कारण है। लड़का और लड़की दोनों ही 18 वर्ष की आयु में वयस्क अवश्य हो जाते हैं परंतु धरातल का सत्य यह है कि आज भी लडकियों को लड़कों की अपेक्षा देश-समाज से साक्षात्कार का अवसर कम ही प्राप्त हो पाता है। स्पष्ट है कि लड़कियां वयस्क होकर भी सामाजिक प्रवंचनाओं और परिस्थितियों से लड़कों की अपेक्षा कम अनुभव रखती हैं। ऐसे में उन्हें दिग्भ्रमित करना आसान है। कट्टरपंथी शक्तियों द्वारा धार्मिक आधार पर किए जाने वाले सुनियोजित षड्यंत्रों को समझ पाना हाल-फिलहाल वयस्क हुई बालिका के लिए अत्यंत कठिन है।

ऐसी स्थिति में बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसके परिवार को कुछ अतिरिक्त शक्तियां प्राप्त होनी ही चाहिए। आज समय की मांग है कि अंतरधार्मिक या अभिभावकों की सहमति के बिना विवाह करने की स्थिति में लड़कियों की आयु सीमा को भी लड़कों की भांति 21 वर्ष ही कर दिया जाना चाहिए। इस तथ्य की अनदेखी नहीं कि जा सकती कि अंतर धार्मिक विवाह में लड़का और लड़की दोनों की जीवन शैली, धार्मिक मान्यताएं और आराध्य अलग-अलग होने से वैचारिक सामंजस्य सहज नहीं होता और विवाहोपरांत द्वंद्व और प्रतिरोध की स्थिति उत्पन्न होती है।

अंतरधार्मिक प्रेम के अनगिनत मामलों में यह पाया गया है कि भावनावेश में आकर लड़कियां लक्ष्मण-रेखा लांघ जाती हैं, जिसका फायदा उठाकर लड़के अनेक प्रकार से उनका भयादोहन करते हैं। इसी भयादोहन और लोकलाज के कारण कई बार युवती उस लड़के से विवाह करने को विवश होती है, जिसने उसके साथ प्रेम के नाम पर षड्यंत्र किया होता है। स्वयं की भूल को छिपाने के लिए लड़कियां अनेकों बार अपने ही परिवार से विद्रोह कर बैठती हैं। समाज और कानून जिस विद्रोह एक वयस्क लड़की का निर्णय और स्वच्छन्दता समझ रहे होते हैं, भीतरखाने वह भयादोहन और लोकलाज के चक्रव्यूह का विकृत परिणाम होता है। ऐसी परिस्थितियों में जो बलात विवाह होते हैं, उनकी परिणति भी अत्यंत भयानक होती है।

चले बदलने..

डॉ. सुरेश कुमार

वे आए दिन दूर की हाँकते हैं। उनकी मानो तो वे चुटकियों में भारत को विश्व का सरताज बना सकते हैं। अमेरिका जैसे विकसित देशों की प्रगति को व्यर्थ मानते हैं। उनकी मानो तो वे रातों रात दुनिया की रूपरेखा बदल सकते हैं। हम दोनों एक ही पाठशाला में पढ़ते थे। उसमें और मुझ में छह साल का अंतर था। किंतु उसने कभी इस अंतर को मित्रता के बीच आने नहीं दिया। जब वह पंद्रह साल का था तब वह दसवीं कक्षा पढ़ रहा था। उसी वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उसने भाषण देते हुए एक कहानी का जिक्र किया। कहानी का सार यही था कि बदलने की प्रबल इच्छा चिंगारी की भांति हमारे भीतर सुलगती रहनी चाहिए। उसने सभी से अपने-अपने गाँवों की रूपरेखा बदलने की शपथ दिलायी। भाषण इतना प्रेरक और जोरदार था कि तालियों की गड़गड़ाहट से प्रांगण गूँज उठा। उसी दिन कई गपोड़ियों ने उसका नाम हक्कड़ सिंह रख दिया। दस वर्ष बाद जब उसकी उम्र पच्चीस की हुई तो उसका विवाह हो गया। अब उसमें पहले जैसा उत्साह नहीं रहा। वह आए दिन कहता- असली जिंदगी का पता तो शादी के बाद चलता है। घर-गृहस्थी के चक्कर में जीवन कचूमर बन जाता है। वह खाक अपने गाँव को बदलेगा। वह अगर अपनी गली की दशा बदल दे तो वही काफ़ी है।

जब वह पैंतीस वर्ष का हुआ तो उसे लगा कि गली की दशा बदलना भी आसान नहीं है। तरह-तरह के लोग और तरह-तरह की सोच के बीच तालमेल करना टेढ़ी खीर है। भला इन्हें कौन बदल सकता है? बदलाव, परिवर्तन आदि पर्यायवाची शब्द शब्दकोश में ही अच्छे लगते हैं। वास्तविक जीवन में इसका पालन नभ-पाताल नापने के बराबर है। उसे लगा कि गली से पहले अपने परिजनों में परिवर्तन लाना जरूरी है।

अब वह पैंतालीस वर्ष का हो चला है। वह परिजनों को बदलने चला था। परिजनों ने उसकी एक न सुनी। उसे तरह-तरह के उलाहने दिए। उसे भला-बुरा कहा। एक दिन जब उसके घर के पास एक बैठक चल रही थी तो उसमें एक पंद्रह वर्षीय बालक मेरे मित्र की भांति समाज में परिवर्तन लाने के बारे में जोर-शोर से भाषण दे रहा था। मित्र को अपना बचपन याद आ गया। उसने मेरे कंधे पर हाथ रखते हुए कहा – लो एक और मुझ जैसा दिवाना आ गया है! चला है समाज बदलने! उसे कोई समझाए कि समाज बदलना पापड़ बेलने जितना आसान काम नहीं है। यहाँ हम इतने वर्षों से बदलने के चक्कर में बूढ़े हो चले हैं। आजकल आदमी जीता ही कितना है? साठ साल की जिंदगी भी जी ले तो वह धन्य मनावे। इतने साल से हम कुछ नहीं कर पाये, भला यह खाक़ कर पाएगा? यही सब वह कर रहा था कि मंच पर लगे लाउडस्पीकर पर एक गाना चल पड़ा- हमको मन की शक्ति देना, मन विजय करें, दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें। यह गाना सुनने भर की देरी थी कि उसके आँखों में आँसू आ गए। उसने मुझसे केवल इतना ही कहा – शायद मैं दूसरों को तर्जनी अंगुली दिखाने से पहले खुद को दिखाता तो आज में कुछ और होता!

ज्येष्ठ का महीना शुरू, इस महीने करें सूर्य और विष्णु जी की विशेष पूजा

हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ का महीना वैशाख मास के समाप्त होते ही शुरू हो जाता है। यह हिंदू कैलेंडर का तीसरा महीना है। इस महीने में सूर्य अत्यंत ताकतवार हो जाता है और गर्मी भयंकर पड़ती है। सूर्य की ज्येष्ठता के कारण इस महीने को ज्येष्ठ का माह कहते हैं। इस मास में सूर्य और वरुण देव की उपासना विशेष फलदायी होती है। इस बार ज्येष्ठ 24 मई से 21 जून तक रहेगा। 22 जून से आषाढ़ के महीने की शुरुआत हो जाएगी।

ज्येष्ठ मास का वैज्ञानिक महत्व

ज्येष्ठ मास में वातावरण और जल का स्तर गिरने लगता है, इसलिए जल का सही और पर्याप्त प्रयोग करना चाहिए। हीटस्ट्रोक और खान-पान की बीमारियों से बचाव आवश्यक है। इस माह में हरी सब्जियां, सत्तू, जल वाले फलों का प्रयोग लाभदायक होता है। इस महीने में दोपहर का विश्राम करना भी लाभदायक है।

इस महीने रोज सुबह और संभव हो तो शाम को भी पौधों में जल दें। प्यासों को पानी पिलाएं। लोगों को जल पिलाने की व्यवस्था करें। जल की बर्बादी न करें। घड़े सहित जल और पंखों का दान करें। रोज सुबह और शाम सूर्य मंत्र का जाप करें। अगर सूर्य संबंधी समस्या है तो ज्येष्ठ के हर रविवार को उपवास रखें।

ज्येष्ठ मास की पूजन विधि

ज्येष्ठ मास के दिन स्नान, ध्यान और पुण्य कर्म का विशेष महत्व है। आज के दिन व्रत और पूजा-पाठ से विवाह में आ रही दिक्कतें भी दूर होती हैं। आज के दिन श्वेत वस्त्र धारण कर भोलेनाथ की पूजा करनी चाहिए। इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना भी शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि पीपल के पेड़ पर भगवान विष्णु संग मां लक्ष्मी वास करती हैं।

ज्येष्ठ माह में क्या करें और क्या न करें

1। इस महीने बाल गोपाल का अभिषेक करने का विशेष महत्व बताया गया है। इसके अलावा उन्हें माखन मिश्री का भोग लगाएं और भगवान को चंदन का लेप लगाएं।

2. पशु, पक्षियों, जीव जंतुओं के लिए पानी की व्यवस्था करें।

3. इसके अलावा आप राहगीरों के लिए भी पानी की व्यवस्था कर सकते हैं।

4. इस महीने में जरूरतमंद लोगों को छाते, अन्न, पेय वस्तुओं आदि का दान भी किया जा सकता है जिसे बेहद ही शुभ माना गया है।

5. किसी गौशाला में हरी घास का दान करें और गायों का ध्यान रखें।

6. शिवलिंग पर जल चढ़ाएं।

7. इस महीने भगवान हनुमान की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है क्योंकि कहते हैं कि ज्येष्ठ के महीने में ही हनुमान जी की मुलाकात भगवान श्रीराम से हुई थी।

जब एक पापी को नर्क कुंड से बचाने आए भगवान बुद्ध!

एक संपन्न परिवार में पैदा हुए बुद्ध ने अपना सारा राजपाट त्यागकर संसार को दुखों से मुक्ति दिलाने वाले दिव्य ज्ञान की खोज की थी। बुद्ध के उपदेश आज भी लोगों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। भगवान बुद्ध को लेकर जापान में एक प्रचलित कहानी भी है। यह कहानी एक ऐसे पापी इंसान की है, जिसे नर्क कुंड से बचाने खुद बुद्ध आते हैं।

बौद्ध धर्म में यह पर्व भगवान गौतम बुद्ध को समर्पित है, जिन्हें भगवान विष्णु का ही 9वां अवतार कहा जाता है।बौद्ध धर्म में यह पर्व भगवान गौतम बुद्ध को समर्पित है, जिन्हें भगवान विष्णु का ही बौद्ध धर्म में यह पर्व भगवान गौतम बुद्ध को समर्पित है, जिन्हें भगवान विष्णु का ही 9वां अवतार कहा जाता है। एक संपन्न परिवार में पैदा हुए बुद्ध ने अपना सारा राजपाट त्यागकर संसार को दुखों से मुक्ति दिलाने वाले दिव्य ज्ञान की खोज की थी। बुद्ध के उपदेश आज भी लोगों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। भगवान बुद्ध को लेकर जापान में एक प्रचलित कहानी भी है। ये कहानी भगवान बुद्ध के चमत्कार और एक पापी इंसान के बारे में है। एक बार गौतम बुद्ध स्वर्ग के चारों ओर घूम रहे थे। तब उन्हें अचानक किसी के जोर-जोर से चिल्लाने का आवाज सुनाई दी। वह कमल के एक तालाब के पास रुके तो उन्होंने एक आदमी को दलदल में फंसा हुआ देखा। इस आदमी का नाम कन्दता था। कन्दता एक खूंखार अपराधी था। लोगों को मारना, लूटपाट करना ही उसका पेशा था। लेकिन अपने पूरे जीवनकाल में उसने एक अच्छा काम था।

दरअसल, एक बार जंगल से गुजरते हुए उसका पैर एक मकड़ी पर पड़ने वाला था। लेकिन जैसे ही उसकी नजर मकड़ी पर पड़ी, उसने तुरंत अपना पैर पीछे खींच लिया और उसे जाने दिया। उसके इस अच्छे काम को ध्यान रखते हुए बुद्ध एक मकड़ी को बुलाते हैं और कन्दता को बचाने के लिए कहते हैं। बुद्ध की बात सुनते ही मकड़ी अपने धागे से एक बड़ा सा जाल बनाती है, जिसका एक धागा पकड़कर कन्दता बाहर निकलने लगता है।

नर्क से स्वर्ग तक की यह चढ़ाई काफी लंबी होती है। कन्दता थोड़ी देर रुक जाता है और नीचे की तरफ देखता है। उसे नजर आता है कि नर्क में फंसे लोग धागे का निचला हिस्सा पकड़कर उसके पीछे आ रहे हैं। वह डर जाता है कि कहीं लोगों के ज्यादा वजन से धागा टूट न जाए। वो पीछे आ रहे लोगों पर भड़क जाता है और उनसे कहता है कि मकड़ी का यह धागा सिर्फ उसके लिए भेजा गया है, इसलिए बाकी लोग उसे छोड़ दें। तभी अचानक धागा टूट जाता है और बाकी सभी पापियों के साथ कन्दता भी नर्क कुंड में गिर जाता है।

नर्क कुंड में गिरते समय कन्दता दोबारा मदद के लिए चिल्लाता है, लेकिन इस बार बुद्ध उस पर ध्यान नहीं देते हैं। बुद्ध केवल निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करने वालों का ही उद्धार करते हैं। दूसरों को नर्क में झुलसने के लिए छोड़ देने वाले व्यक्ति को बचाने बुद्ध कभी नहीं आएंगे। इसलिए बुद्ध ने दूसरी बार कन्दता को नहीं बचाया।

कर्मफल के ब्याज के रूप में मिलता है सुख-दुःख

एक बार कर्मफल के सिद्धांत को पूर्ण रूप से समझ लिया जाए तो मनुष्य अपनी सुख-सुविधा में वृद्धि कर सकता है तथा दुर्भाग्य को अपने जीवन से दूर कर सकता है। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में विचरण करने वाले नारद मुनि ने पृथ्वी पर एक चोर को सोने की मोहर और साधु को गड्ढे में गिरा देखकर कर्मफल के सिद्धांत पर अविश्वास जताया तो सृष्टि चलाने वाले भगवान नारायण ने देवर्षि नारद को कर्म, भाग्य और दुर्भाग्य का रहस्य बताया कि क्यों एक चोर को पुरस्कार और एक साधु को दण्ड मिला। चोर को क्यों मिलीं मोहरें और साधु क्यों गिरा गड्ढे में - देखने में तो यह अन्याय लगेगा, परन्तु कर्म फल के कारण सृष्टि में प्रारब्ध का जन्म होता है। गाय की सेवा करने से बहुत पुण्य अर्जित होता है। एक बार एक गाय दलदल में फंस गई। चोर दलदल में फंसी गाय को बचाने की बजाए उस पर प्रहार करके आगे बढ़ गया, आगे जाकर रास्ते में उसे मोहरों से भरी एक थैली मिली। कुछ ही देर बाद एक साधु ने भी गाय को दलदल में जीवन और मौत से लड़ते हुए देखा, उसने अपनी जान पर खेलकर उस गाय को दलदल से निकाला और जब वह आगे बड़ा तो एक गड्ढे में गिरकर चोटिल हो गया।

नारद जी ने भगवान विष्णु से पूछा कि, 'यह तो पृथ्वी पर उल्टी गंगा बह रही है, चोर को दण्ड मिलना चाहिए और साधु को पुरस्कार, परन्तु हुआ उल्टा, ऐसा क्यों?'

खजाने से वंचित हुआ चोर और साधु को मृत्यु के स्थान पर मिला जीवन - इस पर भगवान ने कर्म फल, भाग्य-दुर्भाग्य, सुख-दुःख का रहस्य बताते हुए नारद से कहा कि आओ तुम्हें बताता हूं कि कर्म फल सिद्धान्त के कारण ही चोर खजाने से वंचित हुआ और साधु को मृत्यु के स्थान पर जीवनदान मिला।

भगवान ने बताया कि, 'यूं तो चोर के भाग्य में एक बहुत बड़ा खजाना मिलना लिखा था, लेकिन वर्तमान के उसके क्रियमाण कर्म ने उसे खजाने से दूर करके उसे सिर्फ चंद मोहरें ही प्रदान कीं। संचित, प्रारब्ध, क्रियमाण कर्म के सिद्धान्त के अनुसार अगर चोर ने अच्छा कर्म करना शुरू नहीं किया तो निश्चित ही वह एक दिन चोरी करते पकड़ा जाएगा और अपने कुकर्मों की सजा भी अवश्य भोगेगा। दूसरी ओर साधु महात्मा अपने प्रारब्ध के खराब कर्मों की वजह से काल के गाल में समाने वाले थे लेकिन वर्तमान में उन्होंने अच्छे कर्म करना प्रारम्भ कर दिया, यही वजह है कि गाय को दलदल से निकालने के बाद उनकी मौत नहीं हुई और थोड़ी सी ही चोट लगी। साधु के अच्छे कर्मों का ही फल है कि वह मृत्यु से बच गए। अब नारद मुनि के मन का संशय समाप्त हो चुका था क्योंकि वे कर्मफल के रहस्य को पूर्ण रूप से समझ गए थे।

नौतपा में जरूर लगाएं 3 पौधे धन-दौलत के साथ सौभाग्य में होगी वृद्धि

नौतपा वो समय है जब पृथ्वी पर पूरे 9 दिन सूर्य की किरणों का कहर रहता है। इस दौरान हर व्यक्ति भीषण गर्मी से बेहाल होता है। इस बार नौतपा की शुरुआत 25 मई से हो रही है, जिसका समापन 2 जून को होगा। नौतपा के 9 दिनों में दान-पुण्य करना भाग्य को चमका सकता है। नौतपा का सनातन धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। इस दौरान 3 तरह के पेड़-पौधे लगाने से भी शुभ फलों की प्राप्ति होती है, जिसके बारे में धार्मिक ग्रंथों में भी उल्लेख मिलता है। कौनसे हैं वे पेड़-पौधे?

नौतपा में पीपल का पेड़ लगाएं

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जो व्यक्ति नौतपे में पीपल का पेड़ लगाता है, उसे अपने मृत पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दौरान पीपल का पेड़ लगाने से सूर्य से मिलने वाले कष्टों से राहत मिलती है क्योंकि पीपल का पेड़ सूर्य ग्रह को शांत करने में मददगार साबित होता है। इसे लगाने से सूर्य के नकारात्मक प्रभाव जातक को प्रभावित नहीं कर पाते हैं। पीपल के पेड़ में कई देवी-देवताओं का वास माना गया है, इसलिए नौतपे में पीपल का पेड़ लगाने से सभी देवी-देवता प्रसन्न होते हैं।

नौतपा में शमी का पौधा लगाएं

मंदिर प्रांगण में जो व्यक्ति शमी का पौधा लगता है, उसे शनि के अशुभ प्रभावों से राहत मिलती है। इसके अलावा सूर्य ग्रह की स्थिति भी मजबूत होती है। ज्योतिष शास्त्र में शमी के पत्तों को धन का प्रतीक माना गया है। जो व्यक्ति अपनी धन-दौलत और व्यापार में तरक्की चाहते हैं, उन्हें नौतपे में शमी का पौधा लगाना चाहिए और उसकी नियमित रूप से देखभाल करना चाहिए।

तुलसी का पौधा लगाएं

सनातन धर्म में तुलसी को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और हर घर में इसकी पूजा की जाती है। अगर आप अपने जीवन में आ रही समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो नौतपा में तुलसी का पौधा लगाएं। इस उपाय से कुंडली में अशुभ ग्रहों का प्रभाव कम होता है और कमजोर ग्रहों को मजबूती प्राप्त होती है।

इस अंक वाले जातक को लव पार्टनर से मिलेगा धोखा!

अंक 1 (किसी भी महीने की 1, 10, 19 और 28 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि आपके कार्यस्थल में कुछ उतार-चढ़ाव आपको थोड़ा परेशान कर सकते हैं। लेकिन इस पर ज्यादा ध्यान न दें, जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। प्यार के मामले में आज आप भाग्यशाली हैं और अचानक किसी का सहयोग बहुत काम आने वाला है। आज का समय मेहनत और मेहनत का रहेगा। जितना हो सके अपने आप को फालतू चीजों से बचाना चाहिए। इस समय किसी सहकर्मी की मदद से काम पूरे होंगे।

मूलांक 2 (जिन लोगों का जन्म किसी भी महीने की 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ हो)

गणेशजी कहते हैं कि इस समय आपको किसी से कुछ झूठ बोलना पड़ सकता है, जो बाद में आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। इसलिए ऐसी स्थिति में पड़ने से खुद को बचाएं। खान-पान के प्रति लापरवाही ठीक नहीं होगी। नशे की लत पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा दूसरे आपको परेशान कर सकते हैं। आर्थिक प्रयास का दिन है। खर्चा अधिक रहने वाला है। दोस्ती के लिए दिन आपके पक्ष में रहेगा। ऐसा लगता है कि आप कुछ यात्रा करने के मूड में हैं।

मूलांक 3 (किसी भी माह की 3, 12, 21, 30 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि आज आप कार्यस्थल पर लोगों के साथ अच्छा तालमेल नहीं बना पाएंगे, इसलिए जरूरी है कि आप खुद पर ध्यान दें। इस समय आप अपने किसी वरिष्ठ की मदद से काम कर पाएंगे। प्रेम संबंधों में चल रहा तनाव अभी कुछ परेशानी का कारण बन सकता है। इस समय आप यथासंभव शांति से काम लें और अपने लिए अनावश्यक परेशानियों से बचें।

मूलांक 4 (जिन लोगों का जन्म किसी भी महीने की 4, 13, 22 या 31 तारीख को हुआ हो)

गणेशजी कहते हैं कि आज आप कुछ लोगों के कार्यस्थल पर स्थानांतरण के बारे में सुन सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि इस समय आपकी स्थिति भी बहुत मजबूत नहीं है, इसलिए किसी से उलझने से बचें। सरकार की ओर से उचित संचार न होने के कारण यह मुश्किल हो सकता है। कार्यक्षेत्र में विवाद और समझौते की स्थिति बनेगी। भागदौड़ के कारण आप परेशान हो सकते हैं।

मूलांक 5 (किसी भी माह की 5, 14, 23 तारीख को जन्मे व्यक्ति)

गणेशजी कहते हैं कि आज आप बहुत मेहनत करने वाले हैं। कार्यस्थल पर बॉस का आगमन आपको थोड़ा असहज कर सकता है। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन गहन अध्ययन का रहेगा। आज आप अपने बॉस के साथ कुछ नए मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। इस समय आपको अचानक सिरदर्द या थकान का अनुभव भी हो सकता है।

मूलांक 6 (जिन लोगों का जन्म किसी भी महीने की 6, 15 या 24 तारीख को हुआ हो)

गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन आपको अपने बारे में सोचने पर मजबूर करेगा कि आप ठीक से काम कर पा रहे हैं या नहीं। इस समय आप नए कार्य करने में बहुत आगे रहने वाले हैं। किसी भी तरह की लापरवाही से बचने की सलाह दी जाती है। अनुकूल परिणाम पाने के लिए आपको अपनी मेहनत बढ़ानी होगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है।

मूलांक 7 (जिन लोगों का जन्म किसी भी महीने की 7, 16 और 25 तारीख को हुआ हो)

गणेशजी कहते हैं कि आपको अपनी योजनाओं को फलीभूत करने के अवसर मिलेंगे। कार्यस्थल पर अति आत्मविश्वास से बचें क्योंकि ऐसी स्थिति में कुछ काम बिगड़ भी सकते हैं। प्यार के मामले में आज आपको अपने पार्टनर से धोखा मिल सकता है। अपनी भावनाओं को आप पर हावी होने से बचाने की ज़रूरत है। लोगों पर बहुत अधिक भरोसा करने से बचें।

मूलांक 8 (किसी भी महीने की 8, 17 और 26 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि आपके प्रिय का व्यवहार आपको परेशानी में डाल सकता है। इसलिए इस मामले को लेकर ज्यादा तनाव लेने से बचें। जल्द ही स्थिति में सुधार होगा। अभी मेहनत अधिक रहेगी, लेकिन निराश न हों, स्थिति आपके पक्ष में रहेगी। आर्थिक लाभ के लिए दिन सामान्य रहने वाला है।

मूलांक 9 (किसी भी महीने की 9, 18 और 27 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी। अपने काम से काम रखें और दूसरों के काम में दखल देने की जरूरत नहीं है क्योंकि आपका काम लोगों को ज्यादा पसंद नहीं आएगा। किसी भी तरह के शॉर्टकट से बचें, बेहतर होगा कि दिन का कुछ समय अपनों के साथ बिताएं। अपना काम दूसरों पर टालना ज्यादा अच्छा नहीं रहेगा।

आप भी वास्तु और फेंगशुई को समझते हैं एक?

दोनों में है जमीन-आसमान का अंतर

हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। ये सबसे प्राचीन विज्ञान में से एक माना जाता है। वास्तु शब्द घर और भवन का प्रतिनिधित्व करता है। जो बहुत फायदेमंद साबित होता है। घर में मौजूद वस्तु को किस स्थान पर रखना है। उस सामान की सही दिशा क्या होनी चाहिए? इन सभी बातों के बारे में वास्तु शास्त्र में लिखा गया है। जो व्यक्ति इन नियमों के अनुसार घर में सामान को रखता है, उसको शुभ फल प्राप्त होते हैं। वहीं फेंगशुई एक चीनी प्राचीन कला है। यह खुशी और नियंत्रण के साथ जीवन को सहज बनाने में मदद करती है।

क्या है फेंगशुई का अर्थ?

चीनी भाषा में फेंग का मतलब होता है हवा और शुई का मतलब पानी। ये ब्रह्मांडीय शक्तियों के साथ जुड़कर जीवन में सामजस्य स्थापित करने में मदद करता है।

वास्तु शास्त्र और फेंगशुई में अंतर

वास्तु शास्त्र दिशाओं को दर्शाता है और ये उनके संतुलन पर आधारित होता है। वहीं फेंगशुई जगह के भौगोलिक और परंपराओं से प्रभावित होता है।

वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा शुभ होती है। ये चीजों को आकर्षित करने में उपयोगी है। इसे चुंबकीय ऊर्जा माना जाता है। पूर्व दिशा में सूर्य की ऊर्जा है। वहीं अगर बात की जाए फेंगशुई की तो उत्तर दिशा को अशुभ कहा जाता है।

वास्तु और फेंगशुई में अंतर के उदाहरण

वास्तु शास्त्र में किचन में भोजन बनाते वक्त चूल्हे को दाईं ओर रखा जाता है और सिंक बाईं तरफ रखते हैं। वहीं अगर फेंगशुई की बात की जाए तो खाना पकाने की जगह और सिंक एक-दूसरे के सामने नहीं होना चाहिए ।

वास्तु शास्त्र में दक्षिण या पूर्व दिशा की तरफ सिर करके सोना अच्छा होता है। वहीं फेंगशुई में सोने की दिशा अक्सर व्यक्ति की शुभ दिशाओं के हिसाब से होनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के हिसाब से किसी स्थान में दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई बड़ा फर्नीचर होना चाहिए। ऐसे में उत्तर और पूर्व क्षेत्र में जगह रहेगी, जिसे शुभ माना जाता है। वहीं फेंगशुई की बात करें तो बड़े या भारी फर्नीचर को उत्तर जगह में होना चाहिए।

बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया पर नजर रखती हैं जाह्नवी कपूर?

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिस्टर एंड माही' को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं. इसमें वह राजकुमार राव के साथ नजर आएंगी. इन दिनों जाह्नवी कपूर जोर शोर से अपनी इस फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई हैं. इस बीच जाह्नवी कपूर ने सबके सामने अपनी लव लाइफ को लेकर ऐसा खुलासा कर दिया, जिससे उन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर जाह्नवी कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि वह अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का फोन चेक करती हैं. वीडियो में देखा जा सकता है कि ऑडियंस में से एक लड़की जाह्नवी से पूछती हैं कि क्या गर्लफ्रेंड्स को अपने पार्टनर्स का फोन चेक करना अलाउड होना चाहिए? इसके जवाब में जाह्नवी कपूर कहती हैं, 'मैं जानती हूं कि ये रेड फ्लैग है, लेकिन मैं तो चेक करती हूं.'

बॉयफ्रेंड को नहीं है फोन चेक करने की परमिशन?

इसके बाद लड़की पूछती है कि क्या बॉयफ्रेंड्स को गर्लफ्रेंड्स का फोन चेक करना अलाउड होना चाहिए? इस सवाल के जवाब में एक्ट्रेस तुरंत कहती हैं, 'नहीं.' फिर एक लड़के ने पूछा कि क्यों नहीं करना चाहिए? इस पर जाह्नवी कपूर कहती हैं, 'बस, नहीं करना चाहिए क्यों आप विश्वास नहीं करते हो क्या.'

99 टेक वाली वायरल क्लिप पर बोलीं ऋचा चड्ढा

:'हीरामंडी' में वो डांस सीक्वेंस यूज ही नहीं हुआ, उस दिन मेरा बुरा दिन था, ये वीडियो गलत है'

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा इन दिनों सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' के चलते सुर्खियों में हैं।ऋचा के मुताबिक, इस सीरीज के एक गाने 'मासूम दिल है मेरा' में उन्होंने एक डांस सीक्वेंस के लिए 99 रीटेक लिए थे।

ऋचा ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में ये बात कही थी। इसके बाद उस गाने की कई क्लिप्स वायरल हो गईं। अब ऋचा ने इन वायरल क्लिप्स के बारे में कहा है कि ये क्लिप्स गलत हैं, क्योंकि वो डांस सीक्वेंस तो गाने में यूज ही नहीं किया गया था।

ऋचा ने इंस्टा स्टोरी पर इस बारे में सफाई देते हुए कहा, 'मैं आप सबको बताना चाहती हूं कि जिस शॉट में मैंने 99 टेक लिए थे, उसे तो शो में यूज ही नहीं किया गया। वो अच्छा टेक नहीं था। मेरा उस दिन बुरा दिन था। बस। समझ जाओ यारों।'

ऋचा ने इंस्टा स्टोरी पर अपना रिएक्शन दिया। कपिल के शो में ऋचा ने कही थी ये बातपिछले दिनों ऋचा 'हीरामंडी' की स्टारकास्ट के साथ 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में पहुंची थीं। शो के प्रोमो में कपिल ने सभी एक्ट्रेस से पूछा था कि जब वो भंसाली के साथ शूटिंग कर रही थीं तब क्या वो नर्वस थीं ? तो मनीषा कोइराला ने कहा कि वो लगभग हर शॉट से पहले नर्वस थीं।

इसके बाद ऋचा ने सभी से पूछा कि 'हीरामंडी' की शूटिंग के दौरान आप सबने कितने ज्यादा रीटेक दिए हैं? इसके जवाब में सोनाक्षी बोलीं- मैंने कभी 12 टेक से ज्यादा नहीं दिए। इसके जवाब में ऋचा ने खुलासा कि उन्होंने एक सीन के लिए 99 टेक दिए थे। संजय लीला भंसाली की इस सीरीज में ऋचा चड्ढा के साथ मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, सोनाक्षी सिन्हा, फरदीन खान, फरीदा जलाल जैसे कई कलाकार अहम किरदार में नजर आए हैं। ऋचा ने बताया था कि उन्होंने सीरीज के एक सीन के लिए 99 टेक्स दिए थे। जुलाई में बच्चे को जन्म देंगी ऋचाऋचा ने फरवरी में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। अब खबर है कि वो जुलाई में पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं। इन दिनों ऋचा प्रेग्नेंसी के थर्ड ट्राइमेस्टर में हैं। ऋचा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें, तो 'हीरामंडी' के बाद अब वो 'मिर्जापुर 3' और 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आने वाली हैं।

'हीरामंडी नहीं बनाये तो स्क्रिप्ट डेविड धवन को दे देंगे', संजय लीला भंसाली ने किया खुलासा

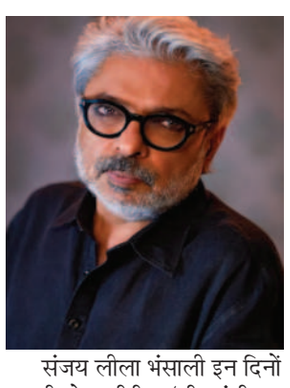

संजय लीला भंसाली इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं. सीरीज की कहानी और सितारों की अदाकारी की जमकर चर्चा हो रही है. क्या आपको पता है कि इस सीरीज को बनाने का ख्याल संजय लीला भंसाली के मन में 20 साल पहले आया था, लेकिन वह सही समय का इंतजार कर रहे थे. अगर वह थोड़ी देरी और कर देते तो उनके हाथ से 'हीरामंडी' निकल जाती और हो सकता है कि इसे फिर डेविड धवन बनाते. इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी है, जिसका खुलासा खुद संजय लीला भंसाली ने किया है.हाल ही में को दिए इंटरव्यू में संजय लाली भंसाली ने बताया, 'आदित्य पंचोली मोइन बेग को मेरे घर लाए थे और कहा कि उन्होंने कुछ स्पेशल लिखा है और उसे केवल आप ही इसे बना सकते हैं.' भंसाली ने बताया कि यह तब की बात है जब उनकी 'देवदास' (2002) रिलीज हुई थी. हालांकि, उन्होंने 'हीरामंडी' के बजाय 'ब्लैक' फिल्म बनाने का फैसला किया था.

फिल्ममेकर ने कहा, 'जब भी मैं अपनी किसी नई फिल्म की ऐलान करता तो मोइन मुझे फोन कर कहते कि हीरामंडी नहीं बना रहे हो? अब आपने एक और फिल्म शुरू कर दी है. आपने राम-लीला (2013) शुरू कर दी है. अब आपने बाजीराव मस्तानी (2015) शुरू कर दी है और अब आपने पद्मावत (2018) पर काम शुरू कर दिया. फिर उन्होंने मुझे धमकी दी कि वह मुझसे स्क्रिप्ट लेकर डेविड धवन को दे देंगे.'

अभिषेक बच्चन की आने वाली है ये 3 फिल्में, अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2898 AD' के बीच किया प्रमोशन

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं, फिल्मों और इवेंट्स के अलावा वह सोशल मीडिया के जरिए ही फैंस से जुड़े रहते हैं. वह अपने ब्लॉग और एक्स पोस्ट के जरिए बेबाकी से अपने राय रखते हैं और साथ ही फैंस को अपनी फिल्मों से अपडेट करते हैं. वह सोशल मीडिया पर जहां अपकमिंग फिल्म कल्की 2989एडी का प्रमोशन कर रहे हैं, वहीं अब उन्होंने अपने बेटे अभिषेक बच्चन की आने वाली फिल्म से जुड़ा अपडेट दिया है. उन्होंने बेटे अभिषेक की फिल्मो को एक्साइटमेंट दिखाई है.अभिषेक बच्चन शूजित सरकार के डायरेक्शन में बनी फिल्म में नजर आएंगे. यह फिल्म इस साल नवंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी. शूजित ने पिछले 20 सालों में कई बेहतरीन फिल्में दी हैं. अभिषेक बच्चन स्टारर इस फिल्म में लाइफ को सेलिब्रेट करने वाली कहानी को दिखाएंगे. अमिताभ ने एक वीडियो शेयर करते हुए एक्साइटमेंट जताई है. अमिताभ बच्चन ने लिखा,"सुपर्ब... क्या डांस स्टेप्स हैं... इन सभी फिल्मों के रिलीज होने का इंतजार कर रहा हूं... ये सभी बेहतरीन फिल्में हैं. एक तो बहुत जल्द आने वाली है." दरअसल, अभिषेक बच्चन के एक फैन क्लब ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अक्षय की कुछ पुरानी और आने वाली फिल्मों की क्लिप्स को जोड़ा गया है.

इधर किरण राव-संदीप वांगा की होती रही तू-तू मैं-मैं, उधर 'लापता लेडीज' ने इस मामले में 'एनिमल' को दे डाली पटखनी

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडीज' लोगों को काफी पसंद आ रही है. ये हम नहीं कह रहे वो आंकड़े कह रहे हैं, जिसने ये साबित कर दिया कि संदीप वांगा से चल रही सोशल मीडिया कोल्ड वार के बीच 'लापता लेडीज' ने 'एनिमल' पटखनी दे डाली है. सिर्फ 20 करोड़ में तैयार हुई इस फिल्म ने आखिर कैसे 900 करोड़ी फिल्म को कैसे टक्कर दे डाली. चलिए बताते हैं.

'लापता लेडीज' ने रिलीज होने के दो महीने से भी कम समय में व्यूअरशिप के मामले में रणबीर कपूर-रश्मिका मंदाना स्टारर ब्लॉकबस्टर 'एनिमल' को पीछे छोड़ दिया है, लापाता लेडीज इसी साल मार्च में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी, जबकि एनिमल को 26 जनवरी, 2024 को उसी प्लेटफॉर्म यानी नेटफ्लिक्स पर अपनी ओटीटी रिलीज मिली.

नेटफ्लिक्स पर 'एनिमल' को पछाड़ा

अपनी रिलीज के दो महीने से भी कम समय में 'लापाता लेडीज' ने 13.8 मिलियन व्यूज के साथ नेटफ्लिक्स पर एनिमल को पीछे छोड़ दिया है. हालांकि, व्यूअरशिप के मामले में यह अभी तक ऋतिक रोशन की फाइटर से आगे नहीं निकल पाई है, जिसे नेटफ्लिक्स पर अब तक 14 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं.

1 मार्च को नेटफ्लिक्स पर हुई रिलीज

नेटफ्लिक्स पर 1 मार्च को रिलीज हुई 'लापता लेडीज' का निर्माण आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है. वहीं, फिल्म का डायरेक्शन किरण राव ने किया है. बता दें, ये फिल्म बिप्लब गोस्वामी की अवॉर्ड विनिंग नोवल पर आधारित है. किरण राव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल और रवि किशन लीड रोल में हैं.

क्या है 'लापता लेडीज' की स्टोरी लाइन

लापता लेडीज ऐसी दो दुल्हनों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी विदाई के बाद ट्रेन यात्रा के दौरान अदला-बदली हो जाती है. उतार-चढ़ाव से भरी फिल्म की कहानी में तब ट्विस्ट आता है जब पति ट्रेन में घूंघट में बैठी पत्नी की जगह किसी और का हाथ पकड़कर अपने साथ घर ले जाता है. जैसे ही उसे पता चलता है कि वह किसी और को अपने घर ले आया है, वह असली दुल्हन की तलाश शुरू करता है.

कांस में प्रदर्शित हुई अन्नू कपूर स्टारर 'हमारे बारह'

भारत की युवा फिल्मकार पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' के कांस फिल्म समारोह के सबसे प्रतिष्ठित पाम डी'ओर कैटेगरी में प्रदर्शित की जाएगी। इस फिल्म के चुने जाने के बाद से यहां बड़ी संख्या में युवा फिल्मकारों की आमद बढ़ गई है। भारत पवेलियन, कांस फिल्म बाजार और इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर एसोसिएशन , कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII) आदि की गतिविधियों में बड़े पैमाने पर युवा फिल्मकारों की भागीदारी देखी जा रही है।

उनका उत्साह इसलिए भी है क्योंकि इस बार दुनिया भर से करीब 10 भारतीय फिल्मकारों की फिल्में कांस फिल्म फेस्टिवल के ऑफिशियल सेलेक्शन में शामिल हैं।

फिल्म 'हमारे बारह' का पोस्टर।

कई तरह के सवाल उठाती है फिल्मडायरेक्टर कमल चंद्रा की पहली ही फिल्म 'हमारे बारह' ने अपने अलग कंटेंट के कारण काफी तारीफ बटोरी है। फिल्म सवाल उठाती है कि इस्लाम धर्म की कौन सी व्याख्या सही है? बुनियादी सवाल यह है कि क्या औरत और मर्द के लिए इस्लाम अलग-अलग मानदंड अपनाता है?

फिल्म का नायक एक सच्चा मुसलमान है और अपनी धार्मिक आस्थाओं से बंधा हुआ है। उसे जिंदगी ने अवसर ही नहीं दिया कि धर्म गुरुओं से आगे इस्लाम की प्रगतिशील परंपराओं को जान सके, समझ सके और अपना सके। इसलिए वह फिल्म का खलनायक तो कतई नहीं है।

नीना गुप्ता की राह पर चलीं एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती कहा- 'काम मांगने में कोई शर्म नहीं आती'

सुमोना चक्रवर्ती ने तकरीबन 18 साल पहले अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 'बड़े अच्छे लगते हैं', 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल', 'द कपिल शर्मा शो' जैसे कई शोज में काम किया है। इसके बावजूद, उन्हें किसी वक्त बेरोजगारी का सामना करना पड़ा था।

इंटरव्यू में सुमोना ने बताया है कि रियल लाइफ में वे इंट्रोवर्ट नेचर की हैं, जिसकी वजह से उन्हें काम नहीं मिलता था। हालांकि, नीना गुप्ता से प्रेरित होकर, वे अब बेझिझक लोगों से काम मांगती हैं। बता दें, सुमोना जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी 14' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आएंगी।

सुमोना चक्रवर्ती की वर्कआउट और फिटनेस जर्नी साल 2011 से चल रही है। दरअसल, पहले भी ये शो ऑफर हुआ था लेकिन अपने पुराने वर्क कमिटमेंट की वजह से मैं हामी नहीं भर पाई। इस बार मेरे पास कुछ काम नहीं था। जैसे ही मेकर्स ने एप्रोच किया, मैंने तुरंत हां कह दिया।

शो के लिए खुद को कितना फिट मानती हैं?

मेरी वर्कआउट और फिटनेस जर्नी साल 2011 से चल रही है। इस शो के लिए मैंने केवल कार्डियो एक्सरसाइज बढ़ाई है। दो साल पहले मेरे कंधे में चोट लग गई थी। उस पुरानी इंजरी पर अब पूरा फोकस है। वैसे, कितनी भी फिजिकल तैयारी कर लो, हकीकत यह है कि स्टंट के वक्त, मेंटली स्ट्रॉन्ग होना बहुत जरुरी है। मैं मेंटली फिट हूं। योग और मेडिटेशन ने मुझे अपनी लाइफ की हर सिचुएशन को हैंडल करना सिखाया है।

मेरे लिए सेल्फ डिसिप्लिन सबसे जरूरी है। मैं हर दिन सुबह 5.30 बजे उठती हूं। रात के 10.30 बजे तक सो जाती हूं। हर दिन वर्कआउट करती हूं। बाहर का खाना बिल्कुल नहीं खाती। शूटिंग के दौरान भी, घर का ही खाना खाती हूं। पिछले कई सालों से मैं एक डिसिप्लिन भरी लाइफ जीती आ रही हूं। मुझे पूरा यकीन है कि यही डिसिप्लिन मुझे इस शो में आगे ले जाने में मदद करेगा।

सुमोना चक्रवर्ती ने तकरीबन 18 साल पहले अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी।

प्रोफेशनल लाइफ में मुझे कई चैलेंजेस का सामना करना पड़ा। दरअसल, मुझे खुद में सिमटे रहना, किसी से खुलकर बात ना करना, लोगों से जल्दी नहीं घुलना मिलना और कम बोलना पसंद था। सबसे बड़ा चैलेंज अपने इस इंट्रोवर्ट नेचर को ओवरकम करना था। मुझे काम नहीं मिलता था। मुझे याद है कि पहले पेज-3 पार्टी के लिए मुझे कई इनविटेशन आते थे। लेकिन मैं नहीं जाती थी। मैं फेक नहीं बन सकती थीं।

मुझे बातें करना पसंद है लेकिन उन्हीं से जिनसे थोड़ी बहुत इंटेलेक्चुअल बातें हो पाएं। मैं लोगों से मिलने की बजाए किताबें पढ़ना, सोलो ट्रेवल करना, म्यूजिक सुनने में खुद को व्यस्त रखती थी। लेकिन इसी नेचर की वजह से मुझे लोगों ने एप्रोच करना बंद कर दिया। काम मिलना बंद हुआ। इसलिए, अब मैंने नेटवर्किंग करना शुरू कर दिया है।

लोगों को सामने से कहती हूं कि मुझे आपके साथ काम करना है लेकिन थ्रिलर मेरा फेवरेट जॉनर है। पर्सनली, मुझे मर्डर-क्राइम सीरीज देखना बेहद पसंद है। मैं अब स्क्रीन पर कि मुझमें घमंड है। या फिर मेरे पास काम के लिए वक्त नहीं। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। लोगों की सोच बदलनी है। मैंने अब डायरेक्टर, क्रिएटिव डायरेक्टर सभी को मैसेज करना शुरू कर दिया है। मुझे अपने टैलेंट पर पूरा भरोसा है।

मुझे हर तरह का काम करना है लेकिन थ्रिलर मेरा फेवरेट जॉनर है। पर्सनली, मुझे मर्डर-क्राइम सीरीज देखना बेहद पसंद है। मैं अब स्क्रीन पर विलेन का रोल निभाना चाहती हूं। वैसे, जिस तरह का काम रणबीर कपूर ने फिल्म 'एनिमल' में किया था, कुछ वैसा करने की ख्वाहिश है। पिछले कुछ सालों में मेरी एक इमेज बन गई है। उसे तोड़ना चाहती हूं।

समांथा रुथ को तृप्ति डिमरी ने किया रिप्लेस अल्लू अर्जुन संग लूटेंगी महफिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल में काम करने के बाद नेशनल क्रश बन गई हैं. बॉलीवुड में ही साउथ फिल्मों में भी उनका जलवा बन चुका है. खबरों की मानें तो, तृप्ति अब अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' में नजर आएंगी. रिपोर्ट के अनुसार, तृप्ति को पुष्पा 2 के प्रोड्यूसर ने मसालेदार-झन्नाटेदार डांस नंबर के लिए चुना है. कथित तौर पर, अभिनेत्री इस नए ट्रैक में अल्लू अर्जुन के साथ स्टेज पर आग लगाती नजर आएंगी. हालांकि अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

दिलचस्प बात यह है कि 'पुष्पा' के पहले पार्ट में में साउथ की सुपरहिट एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु ने अपने शानदार डांस आइटम 'ऊ अंतवा' से सभी का दिल जीत लिया था. इस गाने और उनके डांस मूव्स को दर्शकों ने खूब पसंद दिया था.

याद दिला दें कि सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा 2 की शूटिंग शेड्यूल आखिरी चरण में है. अल्लू अर्जुन के अलावा, फिल्म में रश्मिका मंदाना भी लीड में हैं. इस साल की शुरुआत में, पुष्पा 2 के निर्माताओं ने अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर फिल्म का टीज़र जारी किया था जिसमें अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक देखते ही बन रहा था. इसके बाद रश्मिका का लुक सामने आया है.फिलहाल, पुष्पा 2 के निर्माता फिल्म का दूसरा गाना सूसेकी रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं. इस गाने में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना जोड़ी दिखेगी. यह 29 मई को रिलीज़ होगा. फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आएगी.

अभिनव बिंद्रा ने दी अधिकारियों को सलाह 'खिलाड़ियों के साथ इंसान की तरह व्यवहार करो'

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बृहस्पतिवार को खेल पारिस्थितिकी तंत्र के हिस्सेदारों से अनुरोध किया कि वे खिलाड़ियों से पदक जीतने वाले रोबोट की तरह नहीं बल्कि इंसान की तरह ही बर्ताव करें। भारतीय खिलाड़ियों की ओलंपिक, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेलों सभी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हालिया सफलता से सिर्फ खिलाड़ियों के दर्जे में ही इजाफा नहीं हुआ है बल्कि इससे उनसे लगी उम्मीदों का बोझ भी बढ़ा है।

बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल के स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है जो

केवल खिलाड़ियों के लिए नहीं बल्कि कोचों के लिए भी जरूरी है तथा खेल मनोवैज्ञानिकों को उनके साथ काफी सयंम बरतना चाहिए।

बिंद्रा ने यहां कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेल मनोवैज्ञानिकों के साथ वर्चुअल बातचीत में कहा, ''सबसे अहम चीज है कि खिलाड़ियों से इंसान की तरह व्यवहार करना और उन्हें पदक जीतने वाले रोबोट की तरह तैयार करने का काम नहीं करना।''

उन्होंने कहा, ''खिलाड़ियों के साथ भरोसा और रिश्ता बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। खिलाड़ियों के साथ लगातार मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए खेल मनोवैज्ञानिक को धैर्य बरतना चाहिए।'' बिंद्रा ने खेल मनोवैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि वे खिलाड़ियों, विशेषकर निशानेबाजों का तोक्यो में उनके पिछले ओलंपिक के प्रदर्शन के आधार पर आकलन नहीं करे बल्कि वे मौजूदा समय किस स्थान पर है, इसके आधार पर उन्हें देखना चाहिए।

ईरान के दानेश्वर बने शारजाह मास्टर्स के विजेता, अर्जुन सातवें स्थान पर रहे

भारत के शीर्ष वरीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने शारजाह मास्टर्स अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट के नौवें और अंतिम दौर में ईरान के बरदिया दानेश्वर से ड्रॉ खेला जो विजेता रहे। वहीं, अर्जुन शीर्ष 10 में शामिल रहे। तालिका में शीर्ष पर चार खिलाड़ियों के बीच 6.5 अंक से टाई रहा लेकिन दानेश्वर ने सर्वश्रेष्ठ टाईब्रेक स्कोर से सभी को पछाड़ते हुए अपना पहला खिताब जीत लिया।

अर्जुन शीर्ष-10 में शामिल एकमात्र भारतीय

रूस के वोलोदार मुर्जिन दूसरे, अमेरिका के सैम शंकलैंड तीसरे और उज्बेकिस्तान के शम्सिद्दीन वाखिदोव चौथे स्थान पर रहे। इसके बाद आठ खिलाड़ियों में टाई रहा और अर्जुन छह अंक लेकर शीर्ष-10 में शामिल एकमात्र भारतीय रहे। भारतीय खिलाड़ी ने चार जीत दर्ज की, चार ड्रॉ खेले और एक में उन्हें हार मिली। जीएम अरविंद चिदंबरम (5.5 अंक) अंतिम तीन दौर में केवल आधा अंक ही जुटा सके जिससे वह हमवतन अभिमन्यु पुराणिक और पी इनियान के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर रहे।

फ्रेंच ओपन में खेलने उतरेंगे राफेल नडाल, एलेक्सजेंडर ज्वेरेव से होगा मुकाबला

स्पेन के राफेल नडाल ने आखिरकार वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन में खेलने का फैसला किया है। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल का पहले दौर में सामना एलेक्सजेंडर ज्वेरेव से होगा। इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ जारी किया गया जिसके अनुसार 14 बार फ्रेंच ओपन जीत चुके नडाल को पहले दौर में ही कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

नडाल के खेलने को लेकर चल रहा था संशय

नडाल इस बात को लेकर असमंजस में थे कि दो सत्रों से चोट के कारण प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के बाद रोलां गैरों में प्रतिस्पर्धा करेंगे या नहीं। कूल्हे की सर्जरी के कारण वह पिछले साल फ्रेंच ओपन में नहीं खेल पाए थे। इस महीने इटालियन ओपन में हार के बाद नडाल ने कहा कि उन्हें इस बारे में सोचने की जरूरत है कि

पेरिस में खेलना है या नहीं। उन्होंने हालांकि लाल बजरी पर अभ्यास जारी रखा था और उनका नाम आधिकारिक तौर पर ब्रैकेट में था। नडाल को टूर्नामेंट में कोई वरीयता नहीं मिली है।

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज ज्वेरेव के खिलाफ नडाल ने 2022 में फ्रेंच ओपन का सेमीफाइनल खेला था। ज्वेरेव उस मैच में टखने में चोट के कारण बीच में हट गए थे। फ्रेंच ओपन रविवार से शुरू हो रहा है। पुरुष सिंगल्स वर्ग में 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच एक बार फिर दावेदार के रूप में उतरेंगे और उनके पास यहां 25वां ग्रैंडस्लैम जीतकर पुरुष और महिला वर्ग मिलाकर सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने का रिकॉर्ड दर्ज करने का मौका रहेगा। जोकोविच साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में यह उपलब्धि हासिल करने से चूक गए थे। जुलाई में पेरिस ओलंपिक का भी आयोजन होना है, ऐसे में सभी खिलाड़ी फ्रेंच ओपन से ओलंपिक की तैयारियों को भी बल देंगे।

जेसिका पेगुला हटीं

महिलाओं में दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हट गई हैं क्योंकि वह इस क्ले कोर्ट ग्रैंडस्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं।

पेरिस ओलंपिक के लिए दम लगाने उतरेंगे भारतीय मुक्केबाज, पंघाल पर रहेंगी नजरें

भारतीय मुक्केबाज शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए उपलब्ध अंतिम स्थान हासिल करने के इरादे से रिंग में उतरेंगे। पिछले क्वालीफाइंग टूर्नामेंट तक भारतीय मुक्केबाजों ने चार कोटे हासिल किए हैं लेकिन महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल करने वाली परवीन हुड्डा पर ठिकाने की

जानकारी देने में विफलता के कारण 22 महीने का प्रतिबंध लगाए जाने की शर्मनाक घटना के बाद ये घटकर अब तीन हो गए हैं। भारत ने इस प्रतियोगिता के लिए कुल 10 मुक्केबाज उतारे हैं जिसमें सात पुरुष और तीन महिलाएं हैं।

अमित पंघाल को किया गया शामिल

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने काफी बदलाव किए हैं जिसमें भारत के एकमात्र पुरुष विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अमित पंघाल आखिरकार टीम में शामिल किए गए हैं क्योंकि दीपक भोरिया पहले दो क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में 51 किग्रा वजन वर्ग में कोटा हासिल करने में विफल रहे। पंघाल ने इस साल के शुरू में स्ट्रेंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। उन्हें ओलंपिक के लिए जगह बनाने का केवल एक ही मौका मिलेगा और पूर्व एशियाड चैंपियन इसका पूरा फायदा उठाने का प्रयास करेगा। पंघाल को दूसरी वरीयता मिली है और उन्हें पहले दौर में बाई मिली है जिससे क्वार्टर फाइनल में उनके चीन के लियू चुआंग या किर्गिस्तान के अनवरज्ञान खोदजिएव से भिड़ने की संभावना है।

पिछले क्वालीफायर में निराशाजनक रहा था प्रदर्शन

मार्च में पिछले विश्व क्वालीफायर में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमें केवल 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता निशांत देव ही पहले दौर की बाधा पार कर पाए थे। इस दौरान कोचिंग संकट भी पैदा हो गया क्योंकि हाई परफोरमेंस निदेशक बर्नार्ड डुने ने पहले ही विश्व क्वालीफायर के दौरान अपना इस्तीफा सौंप दिया। अभिनाश जामवाल को भी ओलंपिक पदार्पण के लिए कट हासिल करने का मौका दिया गया है क्योंकि अनुभवी शिवा थापा 63.5 किग्रा वजन वर्ग में बार-बार विफल रहे हैं और इस वजन वर्ग में पांच कोटे दांव पर लगे हैं। जामवाल लिथुआनिया के आंद्रिजस लावरेनोवास के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे।

जैसमीन-अंकुशिता भी करेंगी प्रतिस्पर्धा

महिलाओं के वर्ग में अंकुशिता बोरो 66 किग्रा में खेलती थीं लेकिन अब वह 60 किग्रा में प्रतिस्पर्धा करेंगी और कट हासिल करने के लिए उन्हें शीर्ष तीन में रहना होगा। अंकुशिता ने इस वजन वर्ग में जैसमीन लम्बोरिया की जगह ली जो पहले दो क्वालीफाइंग में कोटा जुटाने में विफल रहीं। अंकुशिता पहले दौर में मंगोलिया की नामुन मोनखोर के सामने होंगी। बाद में उनके उज्बेकिस्तान की राशिदा टागिरोवा के सामने होने की उम्मीद है। जैसमीन को तीसरा मौका 57 किग्रा वजन वर्ग में दिया गया है जिसमें परवीन को प्रतिबंधित किया गया है।

उन्हें पहले दौर में बाई मिली है और दूसरे दौर में उनका सामना अजरबैजान की महासती हमजाएवा से होगा। राष्ट्रीय चैंपियन अरूंधति चौधरी (66 किग्रा) कोटा हासिल करने की मुहिम में तीसरी भारतीय महिला मुक्केबाज होंगी और उन्हें भी बाई मिली है।

16 की उम्र में नौसेना अधिकारी की बेटी ने नेपाल की तरफ से फतह किया माउंट एवरेस्ट, सबसे कम उम्र की पर्वतारोही बनीं

भारतीय नौसेना ने गुरुवार को कहा कि 16 वर्षीय काम्या कार्तिकेयन ने माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की, वह नेपाल की ओर से दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय पर्वतारोही बन गईं। वह नौसेना अधिकारी की बेटी हैं और मुंबई के नेवी चिल्ड्रन स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा है।

नौसेना प्रवक्ता द्वारा जारी किए गए बयान के अनुसार, काम्या और उनके पिता कमांडर एस कार्तिकेयन ने 20 मई को माउंट

एवरेस्ट (8,849 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। बयान में कहा गया, इस उपलब्धि के बाद वह दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की लड़की और नेपाल की ओर से दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय पर्वतारोही बन गई है।

नौसेना ने कहा कि इसके साथ काम्या ने सभी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने के अपने मिशन में छह मील के पत्थर पूरे कर लिए हैं। अब उनका लक्ष्य इस दिसंबर में अंटार्कटिका में माउंट विंसन मैसिफ पर चढ़ने का है, ताकि वह '7समिट्स चैलेंज' को पूरा करने वाली सबसे कम उम्र की लड़की बन सके।

टी20 वर्ल्डकप के डेब्यू मैच में ही बनाया था रिकॉर्ड बने थे टीम के 'लकी चार्म, विराट कोहली भी हैं मुरीद

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने टी20 वर्ल्डकप 2009 में इंटरनेशनल करियर का आगाज किया और मैदान पर उतरते ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया था. आमिर ने 7 जून 2009 को इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला टी20I मैच खेला और टी20 वर्ल्डकप में खेलने वाले सबसे कम उम्र के प्लेयर बने थे. आमिर ने जब पहला टी20I मैच खेला था तो उनकी उम्र महज 17 वर्ष 55 दिन थी. टी20 वर्ल्डकप जैसे बड़े टूर्नामेंट से करियर के आगाज का दबाव कम नहीं होता लेकिन छरहरे आमिर ने इसका बखूबी सामना करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था. वे टीम के लिए 'लकी चॉर्म' साबित हुए थे और उनके पहले टूर्नामेंट में ही पाकिस्तान चैंपियन बना था. फाइनल में यूनुस खान ब्रिगेड ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराया था.

सबसे कम उम्र में टी20 वर्ल्डकप खेलने का यह रिकॉर्ड 2022 तक आमिर के नाम रहा. टी20 वर्ल्डकप 2022 में संयुक्त अरब अमीरात के आयान खान ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 16 साल की उम्र में मैच खेलकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था. टी20 वर्ल्डकप 2024 में आमिर के पाकिस्तानी टीम का हिस्सा होने की पूरी संभावना है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के आग्रह पर आमिर रिटायरमेंट से लौटे हैं.

आमिर, टी20 वर्ल्डकप 2009 में पाकिस्तान टीम के चौथे सबसे सफल बॉलर रहे थे. टूर्नामेंट के 7 मैचों में उन्होंने 29.16 के औसत और 7.29 की इकोनॉमी से 6 विकेट हासिल किए थे. टीम के लिए उनसे ज्यादा विकेट उमर गुल (13), सईद अजमल (12) और शाहिद अफरीदी (11) ने ही लिए थे. श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में आमिर ने पाकिस्तानी बॉलिंग की शुरुआत करते हुए 4 ओवर में 30 रन देकर तिलकरत्ने दिलशान का विकेट हासिल किया था. टूर्नामेंट में सर्वाधिक 317 रन बनाने वाले दिलशान को उन्होंने खाता खोले बिना ही पवेलियन लौटाया था. करियर के शीर्ष पर रहते हुए आमिर, पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम की याद दिलाते थे. अच्छी गति से गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने के अलावा रिवर्स स्विंग में भी उन्होंने मास्टरी हासिल की थी.

तीन टी20 वर्ल्डकप में खेल चुके

2009 के अलावा आमिर 2010 और 2016 का टी20 वर्ल्डकप भी खेले. 2010 के बॉलर अधिक नजर आए और 4 मैचों में 39.33 के औसत और 7.86 की इकोनॉमी से 3 विकेट ही ले पाए. हालांकि जल्द ही वे पुराने रंग में आ गए. 2017 की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में आमिर ही टीम इंडिया की जीत की राह का सबसे बड़ा रोड़ा बने थे. भारतीय टीम के तीन स्टार बैटरों रोहित शर्मा, विराट कोहली और शिखर धवन के विकेट आमिर ने पहले ही स्पैल में निकाल दिए थे. एक ही स्थान से हालांकि विराट कई मौकों पर आमिर की गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाते हुए उनके खिलाफ खूब रन भी बना चुके हैं. बता दें, विराट की आमिर से अच्छी बांडिंग हैं. विराट एक बार आमिर को अपना बैट गिफ्ट कर चुके हैं. आमिर भी कई मौकों पर विराट को मौजूदा समय का दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बेटर बता चुके हैं.

पीसीबी के मेंटल टॉर्चर से तंग होकर लिया था संन्यास

आमिर बेहद प्रतिभावान थे टूर्नामेंट में उन्होंने 6 मैचों में 19.00 के औसत और 6.60 की इकोनॉमी से 8 विकेट लिए थे. दुर्भाग्यवश इस वर्ल्डकप के कुछ माह बाद ही वे स्पॉट फिक्सिंग के दोषी पाए गए और उन पर 5 साल का बैन लग गया. इससे आमिर का करियर काफी प्रभावित हुआ और 2012 व 2014 के टी20 वर्ल्डकप में वे नहीं खेल सके. बैन के कारण आमिर 5 साल क्रिकेट से बाहर रहे. यही कारण रहा कि 2009 से 2024 तक के अपने करियर में वे 36 टेस्ट, 61 वनडे और 56 टी20 मैच ही खेल सके.

चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में बने थे भारत की हार का कारण

बैन की अवधि खत्म करने के बाद आमिर ने टी20 वर्ल्डकप 2016 की पाकिस्तान टीम में वापसी की लेकिन उनकी गेंदों में पहले जैसी धार नहीं दिखी. अटैकिंग के बजाय वे डिफेंसिव गेंद को अंदर लाने और बाहर निकालने की उनकी खूबी के आगे ये तीनों बैटर असहाय नजर आए थे. मैच में 3 विकेट लेते हुए उन्होंने टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में अहम योगदान दिया था. विराट कोहली ने भी एक बार आमिर को बेहद मुश्किल बॉलर बताया था.

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान ने 2017 में एक टीवी शो में विराट से पूछा था कि क्या किसी गेंदबाज के सामने आप नर्वस होते हैं तो विराट ने कहा था, 'मौजूदा समय में पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर... वह इस समय दुनिया के शीर्ष दो या तीन गेंदबाजों में से हैं. मैंने अपने करियर में जिन गेंदबाजों का सामना किया, आमिर उनमें सबसे मुश्किल गेंदबाजों में से एक हैं. उनका सामना करते हुए आपको टॉप स्तर का खेल दिखाना होता है वरना आप आउट हो सकते हैं.' लेकिन वे अनुशासित नहीं थे. इस कारण विवादों से उनका नाता रहा. 2021 में आमिर ने इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान करते हुए कहा था कि पीसीबी के 'मेंटल टॉर्चर' से तंग आकर उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है. 36 टेस्ट में 119, 61 वनडे में 81 और 56 टी20I में 64 विकेट आमिर के नाम पर दर्ज हैं. अब मेंटली टार्चर करने वाली उसी पीसीबी के आग्रह पर 32 साल के आमिर ने रिटायरमेंट का फैसला वापस लेने का ऐलान किया है. हाल ही में न्यूजीलैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 मैचों में उनका बॉलिंग प्रदर्शन ठीकठाक रहा है लेकिन उनकी असल परीक्षा टी20 वर्ल्डकप 2024 में दुनिया के दिग्गज बैटरों के सामने होगी. देखना दिलचस्प होगा कि इस अहम टूर्नामेंट में आमिर पुरानी चमक दिखाते हैं या फिर 'फुंके कारतूस' साबित होते हैं.

15 साल की प्रीतिस्मिता ने बनाया विश्व रिकॉर्ड 133 किलो वजन उठाकर जीता सोना

ओडिशा के पिछड़े इलाके ढेंकनाल की 15 वर्षीय वेटलिफ्टर प्रीतिस्मिता भोई ने पेरू की राजधानी लीमा में इतिहास रच दिया। विश्व युवा वेटलिफ्टिंग बैंपियनशिप में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। प्रीतिस्मिता ने 40 किलो भारवर्ग में कुल 133 (57+76) किलो वजन उठाया। उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 76 किलो वजन उठाकर 75 किलो का विश्व कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया। ओडिशा की ही ज्योशना साबर ने इसी भारवर्ग में कुल 125 किलो वजन के साथ रजत पदक जीता।

विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली पहली युवा मीराबाई चानू के बाद दूसरी और युवा वर्ग में विश्व कीर्तिमान बनाने वाली प्रीतिस्मिता देश की पहली वेटलिफ्टर हैं। चानू सीनियर वर्ग में क्लीन एंड जर्क का विश्व रिकॉर्ड बना चुकी हैं।

बचपन में पिता को खोया, मां ने संघर्षों से पाला

दो साल की उम्र में उठा पिता का साया, कोच ने स्कूल में दौड़ते देखा तो मां से गुहार लगा बनाया वेटलिफ्टर प्रीतिस्मिता सिर्फ दो

साल की थीं, जब उनके सिर से पिता का साया उठ गया। मां के ऊपर मुसीबतों को पहाड़ टूट पड़ा। उन्होंने दोनों बेटियों को संघर्षों के साथ पिता बनकर पाला और ढेंकनाल के केंद्रीय विद्यालय में दाखिला कराया। यहीं कोच गोपाल कृष्ण दास ने दोनों बहनों को स्कूल मीट में दौड़ते देखा तो उन्हें वेटलिफ्टर बनाने का फैसला किया। दोनों ने ही चार वर्ष के अंदर परिणाम देने शुरू कर दिए हैं।

बहन भी हैं राष्ट्रीय पदक विजेता

गोपाल बताते हैं कि वह केंद्रीय विद्यालय की स्कूल मीट में गए थे। यहां दो बहनें बड़ी विदुस्मिता और छोटी प्रीतिस्मिता 100, 400 मी. दौड़ में पहले और दूसरे स्थान पर आ रहीं थीं। उन्हें लगा दोनों को लिफ्टर बनाया जा सकता है। तब उन्होंने उनकी मां जमुना देवी से बात की।

वह तैयार नहीं हुई कि वजन उठाने वाले खेल में उनकी बेटियों आएं। काफी समझाने के बाद वह तैयार हो गईं। विदुस्मिता भी राष्ट्रीय यूथ वेटलिफ्टिंग, खेलो इंडिया में पदक जीत चुकी हैं।

पहले दिन भारत के खाते में चार पदक

लीमा (पेरू) में चल रही चैंपियनशिप के पहले दिन भारत को चार पदक मिले। 40 भारवर्ग में प्रीतिस्मिता और ज्योशना के अलावा 45 भारवर्ग में पायल ने 147 (65+82) किलो वजन उठाकर रजत जीता।

लड़कों के 49 भारवर्ग में बाबूराम हेंब्रोम ने कुल 193 (86-107) किलो वजन के साथ कांस्य जीता।

आपराधिक मुकदमे से बचने के लिए देश नहीं छोड़ा

भगोड़ा मेहुल चोकसी बोला- मेरा पासपोर्ट सस्पेंड है, इसलिए नहीं लौट रहा भारत

नई दिल्ली,24 मई (एजेंसियां)। पीएमबी घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी ने कहा कि आपराधिक मुकदमे से बचने के लिए उसने भारत नहीं छोड़ा और न ही देश लौटने से इनकार किया है। चोकसी ने कहा कि भारतीय अधिकारियों ने उसका पासपोर्ट सस्पेंड कर दिया है, इसलिए वह भारत नहीं लौट पा रहा है।

मेहुल चोकसी ने दावा किया कि 2018 में जब प्रवर्तन निदेशालय ने उसे समन जारी किया था और एजेंसी के सामने पेश होने के लिए

कहा था, तब उसने अपने जवाब में पासपोर्ट सस्पेंड होने की जानकारी दी थी। स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में मेहुल चोकसी ने एक आवेदन के जरिए ये बताया है।

चोकसी ने अपने वकील विजय अग्रवाल के जरिए 22 मई को मुंबई में स्पेशल पीएमएलए कोर्ट के समक्ष ये आवेदन दायर किया। इसमें कहा गया है कि कुछ वजहें उसके कंट्रोल से बाहर हैं।

चोकसी ने याचिका में पासपोर्ट ऑफिस का नोटिस भी अटैच किया है। इसमें बताया गया है कि पासपोर्ट इसलिए सस्पेंड किया गया है, क्योंकि मेहुल चोकसी भारत की सुरक्षा के लिए खतरा है।

इसके अलावा, याचिका में आगे कहा गया है कि उसने किसी भी एफआईआर या ईसीआईआर दर्ज होने से बहुत पहले मेडिकल जांच और इलाज के लिए भारत छोड़ दिया था और अपने खिलाफ कोई मुकदमा दायर होने की जानकारी नहीं थी। उसने आपराधिक मुकदमे से बचने के लिए भारत नहीं छोड़ा है।

मेहुल चोकसी जनवरी 2018 में विदेश भाग गया था। बाद में पता चला कि वह 2017 में ही एंटीगुआ-बारबुडा की नागरिकता ले चुका था। इस घोटाले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसिया चौकसी के प्रत्यर्पण की कोशिश में जुटी हैं। मेहुल चौकसी खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार कर चुका है। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती है।

टल सकता है भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता

नई दिल्ली ,24 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक द्वारा चार जुलाई को देश में आम चुनाव कराए जाने की अचानक घोषणा किए जाने के बाद भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) टलने की आशंका है।

ब्रिटेन में आम चुनाव से ठीक एक महीने पहले चार जून को भारत में लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होंगे। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों और रणनीतिक विशेषज्ञों ने भरोसा जताया है कि परिणाम भले ही कुछ भी हो, द्विपक्षीय संबंधों में खास बदलाव नहीं होगा लेकिन जो एफटीए समझौता सुनक के नेतृत्व वाली 'कंजर्वेटिव पार्टी' की सरकार में होने की उम्मीद थी, उसके अब आम चुनाव की घोषणा के कारण टलने की आशंका है।

भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए को लेकर बातचीत जनवरी 2022 में शुरू हुई थी और इसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाना है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच एक साल में करीब 38.1 अरब पाउंड का व्यापार होता है।

चुनाव पूर्व के अधिकतर सर्वेक्षणों में विपक्षी दल 'लेबर पार्टी' आगे दिख रही है। हालांकि 'लेबर पार्टी' ने भी इस समझौते को अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है लेकिन इसकी समय सीमा को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता।

लंदन के थिंक टैंक 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज' (आईआईएसएस) में दक्षिण और मध्य एशियाई रक्षा, रणनीति और कूटनीति संबंधी मामलों के वरिष्ठ 'फेलो' राहुल रॉय चौधरी ने कहा, ''ऋषि सुनक ने चार जुलाई को चुनाव कराने की घोषणा करके सभी को हैरान कर दिया। इसके कारण कंजर्वेटिव सरकार द्वारा भारत के साथ बहुप्रतीक्षित एफटीए को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना खत्म हो गई है।''

ब्रिटेन के थिंक टैंक 'चैथम हाउस' में दक्षिण एशिया, एशिया-प्रशांत कार्यक्रम के वरिष्ठ शोध 'फेलो' डॉ. सी बाजपेयी ने कहा, ''ब्रिटेन में चुनाव के नतीजे कुछ भी हों, उसके भारत के साथ संबंधों में निरंतरता होनी चाहिए।'

सस्ता हुआ सोना-चांदी

नई दिल्ली ,24 मई (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 24 मई, 2024 को सोना एवं चांदी सस्ता हुआ है. सस्ता होने के पश्चात सोने का भाव 71 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है. वहीं, चांदी की कीमत 89 हजार रुपये प्रति किलो से ज्यादा है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का भाव 71952 है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी का भाव 89697 रुपये है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, बृहस्पतिवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 72826 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज प्रातः 71952 रुपये पर आ गया है. इसी प्रकार शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी दोनों सस्ते हुए हैं. ऑफिशियल वेबसाइट ibjarates.com के अनुसार, आज प्रातः 995 प्योरिटी वाले दस ग्राम सोने की कीमत घटकर 71664 रुपये पहुंच गई हैं. वहीं, 916 (22 कैरेट) प्योरिटी वाला 10 ग्राम सोना आज 65908 रुपये का हो गया है. इसके अतिरिक्त, 750 प्योरिटी वाले (18 कैरेट) सोने की कीमत 53964 पर आ गई हैं. वहीं, 585 प्योरिटी वाला गोल्ड (14 कैरेट) आज सस्ता होकर 42092 रुपये में आ गया है. इसके अतिरिक्त, 999 प्योरिटी वाली एक किलो चांदी आज 89697 रुपये की हो गई है.

ऑल टाइम हाई बनाकर गिरा बाजार

सेंसेक्स ने 75,636 और निफ्टी ने 23,026 का लेवल छुआ, फिर मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ

मुंबई,24 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार (24 मई) को शेयर बाजार ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। सेंसेक्स ने 75,636 का हाई बनाया। इससे पहले बीते दिन 23 मई सेंसेक्स ने 75,499 का हाई बनाया था। वहीं, निफ्टी ने 23,026 का हाई बनाया। इससे पहले निफ्टी भी बीते दिन 23 मई को 22,993 का हाई बनाया था। हालांकि, बाजार ऊपरी स्तर से नीचे आकर मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 7 अंक की गिरावट के साथ 75,410 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में 10 अंक की गिरावट रही, ये 22,957 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 9 में तेजी और 21 में गिरावट देखने को मिली।

औफिस स्पेस सॉल्यूशंस लिमिटेड के IPO में निवेश का मौका

औफिस स्पेस सॉल्यूशंस के इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी IPO सब्सक्रिप्शन के लिए रिटेल निवेशक 27 मई तक बोली लगा सकते हैं। यह इश्यू 22 मई को ओपन हुआ है।

अदालत में इंफोसिस लिमिटेड की याचिका खारिज

टैंजेडको के आदेश को दी गई थी चुनौती

चेन्नई ,24 मई (एजेंसियां)। मद्रास उच्च न्यायालय ने इंफोसिस लिमिटेड द्वारा दायर एक याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में तमिलनाडु उत्पादन और वितरण निगम (टैंजेडको) द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती दी गई थी। टैंजेडको ने इंफोसिस लिमिटेड को छह करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति जी के इलानथिरायन द्वारा इंफोसिस लिमिटेड द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया गया। याचिका में टैंजेडको को केवल औद्योगिक शुल्क वसूलने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी। बता दें कि टैंजेडको ने एक आदेश पारित कर इंफोसिस को 6,72,95,384 रुपये का भुगतान करने को कहा था। अदालत में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जी के इलानथिरायन ने कहा कि इंफोसिस लिमिटेड और टैंजेडको के बीच हुए समझौते के अवलोकन से कुछ बातें पता चली हैं। पता चला कि उस परिसर के लिए कोई किराया नहीं दिया जा रहा था, जो याचिकाकर्ता को दिया गया था। साथ ही बिजली और पानी का शुल्क भी नहीं दिया गया था। अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि किराया, बिजली और पानी शुल्क का भुगतान नहीं करने के बाद भी याचिकाकर्ता ने अपने सेवा प्रदाताओं से लाइसेंस शुल्क एकत्र किया।

अडानी ग्रुप के इस शेयर से छूटा हिंडनबर्ग रिसर्च का भूत

52 हफ्ते के टॉप पर पहुंची कीमत

नई दिल्ली,24 मई (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड का शेयर आज 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया। इसके साथ ही इस शेयर ने हिंडनबर्ग रिसर्च के कारण हुए नुकसान की भी भरपाई कर ली है। 16 महीने में इसकी कीमत में तीन गुना तेजी आई है। कंपनी का शेयर आज कारोबार के दौरान करीब दो फीसदी तेजी के साथ 3456.25 रुपये तक पहुंचा। अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 24 जनवरी 2023 को 3,442 रुपये पर बंद हुआ था और उसी दिन अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट जारी की थी। इसके बाद सात दिन के भीतर कंपनी का शेयर 1,017 रुपये पर आ गया था। लेकिन अब इसने अपने नुकसान की पूरी भरपाई कर ली है।

गुरुवार को यह आठ फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ बंद हुआ था। पिछले दो हफ्ते में इस शेयर में 23 फीसदी तेजी आई है। हालांकि यह अब भी अपने ऑल-टाइम हाई 4,189.55 रुपये से 21 फीसदी दूर है। यह शेयर 21 दिसंबर, 2022 को इस लेवल पर पहुंचा था। अडानी एंटरप्राइजेज का स्टॉक हेडलाइन इंडेक्स सेंसेक्स में विप्रो को बाहर कर सकता है। यही कारण है कि आज यह स्टॉक सुर्खियों में है। बीएसई आज अपने इंडेक्सेज में छमाही बदलाव की घोषणा कर सकता है। अमेरिकी का इन्वेस्टमेंट बैंकिंग फर्म ने अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर को ओवरवेट रेटिंग देते हुए 4,338 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट

अमेरिका की शॉर्ट-सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने पिछले साल जनवरी में अडानी ग्रुप के बारे में एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें ग्रुप पर शेयरों की कीमत में छेड़छाड़ करने और अकाउंटिंग में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। इस कारण अडानी एंटरप्राइजेज को अपना 20,000 करोड़ रुपये का एफपीओ वापस लेना पड़ा था। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों का खंडन किया था लेकिन इसके कारण उसके शेयरों में भारी गिरावट आई थी। ग्रुप के मार्केट कैप में भारी गिरावट आई थी। लेकिन उसके बाद से ग्रुप के शेयरों में काफी तेजी आई है और उसके कम से कम पांच शेयर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने से पहले के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं।

गूगल पहली बार तमिलनाडु में शुरू करेगा पिक्सल स्मार्टफोन का उत्पादन

नई दिल्ली,24 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को कहा कि गूगल फॉक्सकॉन के साथ साझेदारी करेगा। ऐसे में पहली बार तमिलनाडु में गूगल पिक्सल स्मार्टफोन का उत्पादन किया जाएगा। राज्य सरकार ने गूगल के प्रबंधन के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत पूरी कर ली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध गूगल जल्द ही आधिकारिक तौर पर बातचीत करने के लिए अपने अधिकारियों को चेन्नई भेजेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चेन्नई के पास गूगल पिक्सल स्मार्टफोन की उत्पादन फैक्ट्री लगाने से राज्य के कई पेशेवर आईटी युवाओं को रोजगार मिल जाएगा। मीडिया में आई जानकारी में बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने 2030 तक एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य हासिल करने का टारगेट सेट किया है। इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए निवेशकों ने तमिलनाडु, मलेशिया, सिंगापुर, जापान, फ्रांस और अरब देश में बैठक आयोजित की। इस दौरान लगभग 9.61 लाख करोड़ रुपये का निवेश हासिल हुआ। इससे तकरीबन 30 लाख नौकरियां पैदा होंगी।

गूगल और फॉक्सकॉन मिलकर लगाएंगे फैक्ट्री

वहीं, राज्य उद्योग मंत्री टीआरबी राजा को मुख्यमंत्री की तरफ से कुछ दिशा-निर्देश मिले थे। मुख्यमंत्री की ओर से मिले दिशा-निर्देश में उद्योग मंत्री टीआरबी राजा को अमेरिकी यात्रा और वहां पर गूगल और फॉक्सकॉन के साथ आधिकारिक बातचीत के लिए क्या चर्चा करनी है, इस बारे में जानकारी दी गई थी।

एअर इंडिया ने पायलटों की सैलरी 15,000 तक बढ़ाई

एयरलाइन ने 1.8 लाख तक के एनुअल परफॉर्मेंस बोनस का भी ऐलान किया

नई दिल्ली,24 मई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की एअर इंडिया ने 23 मई को पायलटों के लिए 1 अप्रैल से 15,000 रुपए तक के सैलरी हाइक और 1.8 लाख रुपए तक के एनुअल परफॉर्मेंस बोनस का ऐलान किया है। कंपनी ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर इस बात की घोषणा की है।

कंपनी के स्टेटमेंट के अनुसार, एयरलाइन ने फर्स्ट ऑफिसर से सीनियर कमांडर तक प्रति माह फिक्स्ड पे में 5,000 रुपए से 15,000 रुपए के बीच सैलरी में बढ़ोतरी की है। इस अप्रेजल सीजन में जूनियर फर्स्ट ऑफिसर्स के लिए कोई सैलरी हाइक नहीं किया गया है।

हालांकि, एअर इंडिया ने जूनियर फर्स्ट ऑफिसर (JFOs) से लेकर सीनियर कमांडर तक के लिए प्रति वर्ष 42,000 रुपए से 1.8 लाख रुपए के बोनस की घोषणा भी की है। फर्स्ट ऑफिसर और कैप्टन को 60,000 रुपए एनुअल

बोनस मिलेगा।

वहीं कमांडर को 1.32 लाख रुपए और सीनियर कमांडर को 1.80 लाख रुपए बोनस मिलेगा। एयरलाइन ने उन पायलटों के लिए मुआवजे की भी घोषणा की है, जिन्हें अपने ग्राउंड और सिम्युलेटर ट्रेनिंग में इन-ऑर्डिनेटेड डीले यानी अत्यधिक देरी का सामना करना पड़ा है। एअर इंडिया ने कहा, 'जिन पायलटों ने अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक कमांड अपग्रेड और कन्वर्जन ट्रेनिंग ली थी और जिनकी ट्रेनिंग में जस्टिफिएबल ऑर्गेनाइजेशनल रीजन से देरी हुई थी। उन्हें 40 घंटे की फ्लाइंग की गारंटी से परे ट्रेनिंग में बिताए गए समय के लिए अतिरिक्त मुआवजा दिया जाएगा। इन पायलटों को व्यक्तिगत रूप से सूचित किया जाएगा और पेआउट जून के फ्लाइंग अलाउंस के साथ किया जाएगा।'

एक दिन पहले एअर इंडिया एक्सप्रेस यूनियन ने फ्लाइट डिले और कैंसिलेशंस के बारे में चिंता व्यक्त की थी।

रोजगार के मोर्चे पर मई में मॉनसून जैसा माहौल

नौकरियों की बारिश में टूट गया 18 साल का रेकॉर्ड

नई दिल्ली,24 मई (एजेंसियां)। सर्विसेज एक्टिविटी बढ़ने से मई में बिजनेस एक्टिविटी में अच्छी ग्रोथ दर्ज की गई। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (PMI) मई में 61.7 पर पहुंच गया, जो अप्रैल में 61.5 पर था। यह लगातार 34वां महीना रहा, जब इस इंडेक्स की रीडिंग 50 से अधिक रही। 50 से नीचे की रीडिंग सुस्ती का संकेत होती है। एचएसबीसी सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, मई में एक्सपोर्ट ने तेज रफ्तार पकड़ी और साथ ही रोजगार के मौके भी तेजी से बढ़े। इसके मुताबिक नेट जॉब एडिशन रेट करीब 18 वर्षों में सबसे तेज रहा। एचएसबीसी के चीफ इंडिया इकॉनमिस्ट प्रांजल भंडारी ने कहा कि मई में कंपोजिट पीएमआई की रीडिंग पिछले करीब 14 वर्षों में तीसरी सबसे दमदार रीडिंग है और इसमें सर्विसेज सेक्टर की तेज ग्रोथ का बड़ा योगदान है। मई में फ्लैश सर्विसेज पीएमआई 61.4 के साथ 4 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

भंडारी ने कहा कि नवीनतम आंकड़ों से दोनों क्षेत्रों के लिए नए निर्यात ऑर्डरों में मजबूती का पता चलता है, जो सितंबर 2014 में श्रृंखला शुरू होने के बाद से सबसे तेज गति से बढ़ा है। हालांकि विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि पिछले महीने के 58.8 की तुलना में थोड़ी कम होकर 58.4 पर आ गई और फरवरी के बाद से सबसे कम थी, फिर भी यह दीर्घकालिक औसत से अधिक थी। 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार को दर्शाता है। दूसरी ओर, सर्विसेज में चार महीने में सबसे तेज बढ़ोतरी देखने को मिली। फ्लैश पीएमआई मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज इंडस्ट्री में 800 फर्मों के 80% रिस्पॉन्स को रेकॉर्ड करता है। इसका फाइनल डेटा जून के पहले सप्ताह में जारी किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में सेवाओं ने वृद्धि में योगदान दिया होगा। नवीनतम पोल में Q4FY24 की वृद्धि 6.8% और FY24 की वृद्धि 7.8% रहने का अनुमान लगाया गया है। ईटी पोल में 16 पूर्वानुमानों का औसत वित्त वर्ष 25 के लिए 6.8% था, जो आईएमएफ के अनुमानों के अनुरूप था। भंडारी ने कहा कि आने वाले वर्ष के बारे में आशावाद का स्तर 11 वर्षों में सबसे अधिक हो गया है, जिससे कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी की है। पिछले वर्ष से रोजगार वृद्धि में गिरावट आई है, लेकिन मई में सुधार के संकेत दिखे। रिपोर्ट में कहा गया है कि कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी को सपोर्ट देने वाला एक अन्य कारक क्षमता दबावों का तीव्र होना था। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज सेक्टर को मिलाकर आउटस्टेंडिंग बिजनस का वॉल्यूम 21 महीनों में सबसे अधिक बढ़ा है।

दैनिक पंचांग

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 05-45 सूर्यास्त. - 18-41
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल .. पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया **18-58** तक उपरान्त तृतीया
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , शनिवार **25 May**
नक्षत्र - ज्येष्ठा **10-36** तक उपरान्त मूल
योग - सिद्ध **10- 05** तक उप साध्य
करण- तैतिल **07-14** तक उप गर
विशेष:- व्रत -त्योहार - श्री नारद मुनि जयंती

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष--	05-06 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	मिथुन..	07-06 बजे
मंगल	मीन	में	कर्क...	09-19 बजे
बुध-	मेष	में	सिंह...	11-32 बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	13-37 बजे
शुक्र-	वृष	में	तुला.....	15-44 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	17-53 बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	20-07 बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	22-13 बजे
			कुंभ....	00-03 बजे
			मीन...	01-41 बजे
			मेष....	03-17 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:58 से 10:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05:45 - 07:20 अशुभ	लाभ	18:45 - 20:06 शुभ
शुभ.	07:20 - 08:58 शुभ	उत्पात	20:06 - 21:28 अशुभ
रोग	08:58 - 10:36 अशुभ	शुभ..	21:28 - 22:51 शुभ
उत्पात	10:36 - 12:13 अशुभ	अमृत	22:51 - 24:13 शुभ
चंचल	12:13 - 13:51 शुभ	चंचल	24:13 - 01:36 शुभ
लाभ	13:51 - 15:28 शुभ	रोग	01:36 - 02:58 अशुभ
अमृत	15:28 - 17:06 शुभ	काल	02:58 - 04:20 अशुभ
काल	17:06 - 18:41 अशुभ	लाभ	04:20 - 05:41 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

जो लोग विलासिता के सामान के व्यवसायों में शामिल हैं , वे लोग आज बहुत लाभ में रहेंगे और साथ ही साथ जो लोग स्वरोजगार में हैं , वे भी अपनी दरों में बढ़ोतरी कर सकते हैं और साथ ही साथ मन वांछित राशि की प्राप्ति कर सकते हैं। उन लोगों पर ध्यान न दें जो लोग आपकी सराहना करने में विफल रहते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो । आपको इस अवसर का लाभ उठाना है

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे । जो उचित है , इस विचार को रखने में आप जरा भी न घबरायें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं । यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है । इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा । अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योंकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे । आज आपको पदोनत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे । आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये । आप ध्यान एक साधारण मोह से भी भंग हो सकता है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप अपने वित्त के संबंध में दुविधा की स्थिति में रहेंगे । विरोधाभासी ग्रहों के प्रभाव की वजह से अलग अलग दिशाओं में आपका अंतर्मन भागेगा । आप महंगी खरीदारी के बारे में सोचेंगे , लेकिन आखिरी समय में अंतिम निर्णय लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। इस तरह की दुविधा आपके निवेश में भी प्रतिबिंबित होगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

ग्रहों की ऊर्जा के प्रभाव के तहत आज आप अपने भीतर की आवाज सुनने के लिए सक्षम हो पायेंगे । इन आवाजों के गहरे अर्थ को आप समझने की कोशिश करे । अगर आप उन्हें समझ लेते हैं, तो आप आसानी से काम कर पायेंगे । इसके अलावा, स्पष्ट रूप से अपने आप को व्यक्त करने में संकोच न करे । अपनी भावनाओं को खुल कर व्यक्त करें और घुमा फिराकर कहने से बचे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

झीरम-रोहिंग्या पर जुबानी जंग

भूपेश बघेल बोले- एक भी रोहिंग्या मुसलमान ढूंढ कर दिखाएं, गृहमंत्री बोले- घुसपैठ किए हैं वह कौन हैं

रायपुर, 24 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर रोहिंग्या मुसलमान और झीरम घाटी जांच को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने गृहमंत्री विजय शर्मा के बयान पर कहा कि भाजपा रोहिंग्या मुसलमानों की बड़ी चर्चा करती थी। अब उनकी ही सरकार है, खोज लें कहां हैं रोहिंग्या मुसलमान। बघेल ने कहा कि पहले कहते थे रायपुर दक्षिण में है, सरगुजा में आ गए हैं। अब सरकार में है तो सरकार एक भी बता दें मैं चुनौती देता हूं। इसके अलावा उन्होंने झीरम जांच मामले में कहा कि विजय शर्मा कैसे किसी के गिरेबान में हाथ डाल सकते हैं। पुनर्वास नीति में नक्सलियों से सुझाव लेने को लेकर बघेल ने कहा मूर्खता पूर्ण बातें करते हैं। इतने साल में पुनर्वास नीति की बात कर रहे हैं। भाजपा शासनकाल में जो सरेंडर किए थे उन्हें मकान भी नहीं मिले। दंतेवाड़ा में हमने फ्लैट बनवाया, राज्यपाल और देवती कर्मा के

साथ गए थे और कौन सी पुनर्वास नीति बनाएंगे?

भूपेश बघेल ने कहा कि विजय शर्मा पहले तय कर लें, पहले कहा था कि नक्सलियों से टेलीफोन में बात करेंगे। प्रदेश को कभी बताया कि कितनी बार टेलीफोन में बात किए। नक्सलियों से मीटिंग करने के लिए आपने क्या प्रयास किया। अब सरेंडर नीति की बात कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में जाति प्रमाण पत्रों की जांच को लेकर बघेल ने कहा कि बीजेपी सरकार एसटी, एससी, ओबीसी विरोधी है। जब से बीजेपी सरकार बनी है जाति प्रमाण पत्र बनना ही बंद हो गए हैं। विजय शर्मा एक भी शिकायत बता दें, जांच किस आधार पर करेंगे। बीजेपी सरकार सिर्फ जांच के नाम पर गुमराह करना चाहती है।

जोगी जी की जाति प्रमाण पत्र जांच करने में 15 लग गए। 15 साल में जांच नहीं कर पाए। ये लोग केवल वोट की राजनीति करते हैं। समाज में घृणा फैलाने काम कर रहे हैं। शर्मा जी इस तरह की बयानबाजी से बचना चाहिए। 19 लोगों की मौत मामले में कहा कि शर्मा जी को बताना चाहिए। पूरा प्रशासन उनकी सेवा में जुटा था। घटना स्थल में 2 घंटे बाद प्रशासन पहुंचा। कुकदुर अस्पताल में स्टाफ नहीं थे। एक ही डॉक्टर था। पहले तो 15 लोगों की मौत हुई थी। 4 लोगों ने इलाज नहीं मिलने के कारण दम तोड़ा है। कुकदुर में 3 घंटे बिजली गुल थी। कैसे इलाज करेगा। सरकार बिजली उपलब्ध नहीं करा पाई। कवर्धा जिले में घट रही हैं। कवर्धा में रेप, मर्डर जैसे घटनाएं हो रही हैं। विजय शर्मा पहले अपना जिला संभाल लें, इसके बाद कोई बात कहें। विजय शर्मा को अपने जिले को सबसे पहले संभालना चाहिए। बता दें कि पत्रकारों ने गृहमंत्री विजय शर्मा से पूछा कि झीरम घाटी की 11वीं बरसी फिर आने वाली है, लेकिन पीड़ितों को न्याय नहीं मिला है। इस पर विजय शर्मा ने कहा था कि पिछले पांच साल तक तो भूपेश बघेल झीरम के सबूत जेब में लेकर घूम रहे थे।

अब यह सबूत निकलवाने होंगे। इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि वो कैसे किसी के गिरेबान में हाथ डाल सकते हैं।

ईडी दफ्तर नहीं पहुंचे आईएएस मनीष रंजन

लेटर लिख मांगी अगली तारीख, टेंडर कमीशन घोटाले में मिला था समन

रांची, 24 मई (एजेंसियां)। टेंडर कमीशन मामले में आईएएस मनीष रंजन को आज ईडी ने समन भेज पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन, मनीष रंजन ने एक सरकारी कर्मचारी से चिट्ठी भिजवाकर दूसरी तारीख मांगी है।

ईडी को जो दस्तावेज मिले हैं, उसमें एम का जिक्र है। ईडी को शक है कि तत्कालीन ग्रामीण विकास विभाग के सचिव और वर्तमान में भवन निर्माण विभाग के सचिव मनीष रंजन हो सकते हैं।

मनीष रंजन ग्रामीण विकास विभाग में सचिव के पद पर रहे हैं। टेंडर कमीशन मामले में इनकी क्या भूमिका रही। कमीशन में इनका कितना हिस्सा रहा, क्या डायरी में दर्ज कोड नेम इनका है। ऐसे कई सवालों के जवाब आज ईडी मनीष रंजन से मांगेगी। मनीष रंजन को अपनी और अपने परिवार के सदस्यों की आय और संपत्ति से संबंधित दस्तावेज भी साथ लाने को कहा गया है।

ईडी ने इसी महीने ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री

आलमगीर आलम, उनके निजी सचिव संजीव लाल और संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम को गिरफ्तार किया है। इन सबसे जुड़े ठिकानों से ईडी ने करीब 37.5 करोड़ रुपए कैश के अलावा लेनदेन से संबंधित दस्तावेज, डिजिटल उपकरण भी बरामद किए थे।

झारखंड में मनीष रंजन तीसरे आईएएस अधिकारी है जो भ्रष्टाचार के मामले में ईडी की रडार में आ गए हैं। इससे पहले दो आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल, छवि रंजन इस वक्त जेल में है। इन दोनों पर भ्रष्टाचार के गंभीर मामले दर्ज हैं जिसकी जांच अब भी जारी है।

ईडी ने टेंडर कमीशन घोटाले में अब तक कई राज खोले हैं। अब तक की जांच में यह साफ पाया गया है कि ग्रामीण विकास विभाग में हुए टेंडर कमीशन घोटाले में चीफ इंजीनियर से लेकर मंत्री आलमगीर आलम तक कमीशन फिक्स था। टेंडर से मिले कमीशन के रुपए बांटने के लिए कोडवर्ड था।

गिरफ्तार संजीव लाल और उसके सहायक जहांगीर की 14 दिनों की रिमांड पूरी होने के बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। इसी दौरान कोर्ट में ईडी ने एक्सेल शीट में कमीशन का पूरा ब्योरा पेश किया था, जिसमें किसे कितना हिस्सा देना है इसका जिक्र था। इसी में एक नाम एम से था। इसी अक्षर की तलाश में ईडी ने आज मनीष रंजन को पूछताछ के लिए बुलाया है।

ईडी ने कोर्ट में जो सबूत पेश किए थे, उनमें डायरी का एक पन्ना भी है। जिसमें ग्रामीण विकास विभाग में कमीशन के खेल के कोडवर्ड्स हैं, जिसकी मदद से रुपए बंटते थे। मंत्री के लिए 'एच' कोड वर्ड उपयोग किया गया था। इसका अर्थ है ऑनरेबल मंत्री यानी माननीय मंत्री, 'एम' का मतलब मनीष, 'एस' का मतलब संजीव लाल, 'टीसी' का अर्थ टेंडर कमेटी और 'सीई' का मतलब है चीफ इंजीनियर। ईडी ने कोर्ट को यह भी बताया है कि उसके हाथ एक एक्सेल शीट लगी है। इसके तीसरे पन्ने में विभागवार कमीशन का हिसाब लिखा है। इस शीट में टेंडर की कुल राशि, कमीशन की राशि और मंत्री की हिस्सेदारी का ब्योरा है।

कौन है मनीष रंजन

डॉ मनीष रंजन 2002 बैच के टॉपर और डायरेक्टर गोल्ड मेडल प्राप्त अधिकारी हैं। झारखंड राज्य के छह जिलों में उपायुक्त रहे मनीष रंजन को अपने उत्कृष्ट कार्य और नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री की ओर से लगातार दो वर्षों तक मनरेगा उत्कृष्टता पुरस्कार और राष्ट्रपति की ओर से निर्मल ग्राम पुरस्कार मिल चुका है।

छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक तेज गर्मी से राहत

छत्तीसगढ़ में रायपुर समेत कई जिलों में बारिश के आसार, दुर्ग जिला सबसे गर्म

रायपुर, 24 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक तेज गर्मी से राहत रहेगी। तेज अंधड़, बारिश और बादलों के कारण दिन का तापमान कम रहेगा। बस्तर संभाग के ज्यादातर जिलों में बारिश की गतिविधियां जारी रहेगी। रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में आज भी गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी के आसार हैं।

प्रदेश में समुद्र की ओर से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है। नमी के कारण ही शाम और रात में तेज हवा के साथ कहीं-कहीं अच्छी बारिश भी हो रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान कवर्धा में सबसे ज्यादा 50 मिमी बारिश दर्ज की गई। माना और राजनांदगांव में करीब 10-10 मिमी बारिश हुई। बाकी स्थानों पर भी हल्की वर्षा रिकॉर्ड की गई।

गुरुवार को दिन में जगदलपुर और आसपास हल्की बारिश हुई। अगले 24 घंटे के तापमान में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। सबसे अधिक तापमान 42.6 दुर्ग में और सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 23 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक आज सरगुजा, बलरामपुर, कोरबा, रायपुर, गरियाबंद, राजनांदगांव, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, बीजापुर और नारायणपुर जिले में में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है।

मौसम विज्ञानी डॉ गायत्री वाणी कांचि ने बताया कि दक्षिण-पूर्व राजस्थान और आसपास एक चक्रवात बना हुआ है। इससे शुरू होकर मध्यप्रदेश से झारखंड तक एक द्रोणिका है। इसी तरह राजस्थान के ऊपर चक्रवात से दक्षिण-पश्चिम मध्यप्रदेश और मध्य महाराष्ट्र होते हुए मराठवाड़ा तक एक उत्तर-दक्षिण द्रोणिका बनी हुई है। इस सिस्टम से प्रदेश में नमी आती रहेगी।

विदेशी ड्रग्स खपाने वाले दिल्ली से गिरफ्तार

कस्टमर बनकर घूमी पुलिस तब पकड़ में आए तस्कर, ट्रेन से भेजा जाता था नशे का सामान

रायपुर, 24 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के प्रोफेसर गैंग को ड्रग्स सप्लाई करने वाले चार से ज्यादा आरोपियों को रायपुर पुलिस ने दिल्ली से पकड़ा है। आरोपियों से ड्रग्स, कैश, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पुलिस ने बरामद किया है। आरोपियों को सड़क के रास्ते दिल्ली से रायपुर लाया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उनका कहना है कि पूछताछ करने के बाद पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में दिल्ली से रेल मार्ग से ड्रग्स लाई जाती थी। इसके बाद कूरियर के जरिए इस कारोबार के मास्टरमाइंड तक ड्रग्स पहुंचती थी।

तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए पांच दिन पहले रायपुर पुलिस की टीम ने दिल्ली में कैंप लगाया था। प्रोफेसर गैंग से पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर कैंप कर रही टीम ने लोकल पॉइंटर लगाया और उसके साथ खुद खरीददार बनकर घूमे।

पॉइंटर से तस्करों ने संपर्क

किया और तो कैंप कर रही टीम के सदस्य खुद कस्टमर बनकर पहुंचे। इसके बाद आरोपियों की घेराबंदी कर धर दबोचा। पहले दो आरोपी गिरफ्त में आए और उसके बाद बाकी आरोपियों को अलग-अलग ठिकाने से पुलिसकर्मियों ने गिरफ्तार किया है।

रायपुर पुलिस के अधिकारियों ने 13 मई को खम्हारडीह इलाके में ड्रग्स सप्लाई करने के आरोप में पैडलर कुसुम हिंदुजा और चिराग शर्मा को पकड़ा था। इनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने पैडलर आयुष अग्रवाल और सप्लायर होटल कारोबारी महेश सिंह को पकड़ा था। गिरोह का मास्टरमाइंड आयुष अग्रवाल उर्फ प्रोफेसर था।

आयुष, महेश सिंह उर्फ नेपाली के दिल्ली से भेजे गए कोकीन, एमडीएमएम, पिल्स और इंजेक्शन को रायपुर, बिलासपुर और भिलाई में सप्लाई करता था। आरोपियों ने ड्रग्स का कारोबार करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पूरा नेटवर्क बनाया था। नेटवर्क में ही ड्रग यूजर्स आयुष से संपर्क करते और पैसे ऑनलाइन ट्रांसफर करते थे।

पैसे आने के बाद आयुष, कुसुम हिंदुजा उर्फ लूसीफर और चिराग शर्मा उर्फ बर्लिन की मदद से ग्राहक के बताए ठिकाने से कुछ दूरी पर छोड़ते थे। इसके बाद ग्राहक को ड्रग्स रखने वाली जगह का फोटो भेजकर लापता हो जाते थे। ड्रग्स सप्लायर्स और तस्करों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उनसे पूछताछ की और दिल्ली में माल सप्लाई करने वाले नाइजीरियन गिरोह की जानकारी जुटाई। इसके बाद रायपुर पुलिस ने दिल्ली में कैंप किया और वहां पर सक्रिय मुखबिरों की मदद से चार से ज्यादा आरोपियों को पकड़ा है।

सप्लायर होटल कारोबारी महेश सिंह दिल्ली में किराए का होटल चलाता है। इसी दौरान वह नाइजीरियन गैंग के सपंर्क में आया और आयुष अग्रवाल को दिल्ली से ट्रेन के जरिए नशीली सामग्री भेजने लगा।

प्यास बुझाने खोद डाले 111 पहाड़

11 लाख ग्रामीणों ने किए सवा दो लाख गड्ढे, ताकि जमा हो सके बारिश का पानी

राजनांदगांव, 24 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में पहाड़ों के जरिए ग्राउंड वाटर लेवर बढ़ाने के लिए 42 ग्राम पंचायतों ने पहल की है। इसके तहत 111 पहाड़ियों पर 2.25 लाख गड्ढे खोदे गए हैं। इनमें बारिश के पानी को रिस्टोर किया जाएगा। पहाड़ियों पर बने गड्ढे जब भर जाएंगे तो पानी को स्टोर करने के लिए नीचे टैंकनुमा बड़े तालाब बनाए गए हैं।

इस अभियान को 'जल रक्षा' नाम दिया गया है। जिला पंचायत सीईओ बताती हैं कि इन गड्ढों को बनाने के लिए जीआईसी आधारित तकनीकी का उपयोग किया गया है। इस पर करीब 1.16 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। खास बात यह है कि 1.5 लाख से ज्यादा ग्रामीणों ने इसके लिए 2 महीने तक लगातार योगदान दिया है।

दरअसल, राजनांदगांव में लगातार भूजल स्तर कम हो रहा है। ये 42 ग्राम पंचायतें सबसे ज्यादा पानी के संकट से जूझ रही हैं। इसे देखते हुए पंचायतों ने इस

दिशा में कदम उठाया है। संभावना जताई जा रही है कि इससे पहाड़ों पर हरियाली आने के साथ ही जमीन की उपज क्षमता भी बेहतर होगी।

यहां पहाड़ों पर पौधारोपण किया जाएगा। पेड़ पौधों को उर्वरा शक्ति से फायदा मिलेगा। गड्ढे भर जाने के बाद मिट्टी बहकर आने वाले पानी को स्टोर करने के लिए भी 2250 तालाब बनाए गए हैं। पहाड़ों पर पानी के स्टोरेज से हरियाली फैलेगी, पर्यावरण को संरक्षित करने में बड़ा योगदान मिलेगा। पहाड़ों के नीचे जल का स्तर बढ़ेगा। जिससे किसानों को खेती करने में पानी की सुविधा मिलेगी।

साय सरकार में प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव की चर्चा

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस बैज बोले- सीनियर नेताओं के साथ होगी मीटिंग

रायपुर, 24 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के बाद इस साल नगरीय निकायों के भी चुनाव होने हैं। इस बार चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होगा या अप्रत्यक्ष प्रणाली से की चर्चाओं के भी कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेताओं की जल्द ही स्थानीय चुनाव को लेकर बैठक भी होने वाली है।

दरअसल, बीजेपी सरकार के कई नेता इशारों-इशारों में इस बार नगरीय निकाय के चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली में करवाने की बात कह चुके हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता इन्हीं मुद्दों को लेकर पर चर्चा करने के लिए बैठक करेंग।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा स्थानीय चुनाव को लेकर लगातार हम अपने नेताओं से चर्चा कर रहे हैं। आने वाले समय में प्रदेश स्तर की एक बड़ी बैठक होने वाली है। भाजपा जो

चाहे कर ले इससे कोई खास असर पड़ने वाला नहीं है।

राज्य बनने के बाद से मेयर और नगर पालिका अध्यक्ष के लिए प्रत्यक्ष चुनाव ही हुए हैं, लेकिन साल 2019 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद चुनाव प्रक्रिया में बदलाव किया गया। तत्कालीन भूपेश सरकार ने नगरीय निकाय का पिछला चुनाव अप्रत्यक्ष प्रणाली से कराया। पार्षदों की संख्या बल पर सभी नगर निगमों में कांग्रेस के ही मेयर चुने गए।

अब एक बार फिर चुनाव सामने हैं। ऐसे में चर्चा ये भी है कि प्रदेश की साय सरकार इस बार फिर से नियमों में बदलाव के साथ प्रत्यक्ष रूप से मेयर का चुनाव करा सकती है।

छत्तीसगढ़ राज्य बनने से पहले अविभाजित मध्यप्रदेश में 1999 में कांग्रेस की दिग्विजय सिंह सरकार ने राज्य में महापौर चुनने का अधिकार पार्षदों से छीनकर जनता के हाथ में दिया था। इसके बाद छत्तीसगढ़ में भी 2019 से पहले लगातार डायरेक्ट इलेक्शन ही हुए।

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद साल 2019 में नगरीय निकायों के चुनाव के पहले पूर्ववर्ती भूपेश सरकार ने नगर पंचायत, नगरपालिका और नगर निगम के चुनाव के नियमों में बड़ा बदलाव किया था। इसमें अध्यक्ष और महापौर के चुनाव का अधिकार जनता से छीनकर चुने हुए पार्षदों को दे दिया था।

इसके पहले तक निकायों में अध्यक्ष और महापौर का चुनाव डायरेक्ट होता था और जनता इन शीर्ष पदों के लिए मतदान करती रही थी। तब विपक्षी पार्टी बीजेपी ने इसका विरोध करते हुए खरीदी-फरोख़्त की आशंका जताई थी।

रायपुर लोकसभा चुनाव की ताजा खबरें पढ़ने के लिए दैनिक भास्कर ऐप डाउनलोड करें। इस लोकसभा सीट पर क्या हैं जनता के मुद्दे और क्या है चुनावी हवा। चुनाव का सबसे सटीक और डीटेल एनालिसिस।

8 नक्सलियों के एनकाउंटर के बाद माओवादियों का पत्र

कहा- खून खराबा रोकने वार्ता के लिए तैयार, कल गृहमंत्री ने कहा था- मुख्यधारा में लौटें

जगदलपुर, 24 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 8 नक्सलियों के एनकाउंटर के ठीक बाद माओवादियों ने सरकार से बातचीत पर सहमति दी है। नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी के सदस्य ने पत्र लिखकर सरकार से वार्ता को लेकर अपनी सहमति दी है। उन्होंने लिखा कि खून-खराबा रोकने हम बातचीत के लिए तैयार हैं। आपको बता दें कि सुरक्षाबलों ने कल ही 8 नक्सलियों को मार गिराया है। गुरुवार देर शाम तक 7 नक्सलियों के मारे जाने की खबर थी। 2 माओवादियों की बॉडी नारायणपुर पुलिस और 5 नक्सलियों के शव अबूझमाड़ पुलिस ने बरामद किए हैं। घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार भी मिले हैं। मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के रेकावाया इलाके में नक्सलियों की प्लाटून नंबर 16 और इंद्रावती एरिया कमेटी के

नक्सली मौजूद हैं। जवानों को नक्सलियों की सटीक लोकेशन मिल गई। तब इलाके की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए तीन जिलों नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा पुलिस को ऑपरेशन के लिए उतारा गया।

गुरुवार रात 11 बजे तक रेकावाया के जंगलों में जवानों ने बड़ी संख्या में नक्सलियों को घेर रखा था। दोनों ओर से रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही थी। सूत्रों के मुताबिक नक्सलियों के अबूझमाड़ में डेरा जमाने की बात सामने आई थी। जवान अब भी मौके पर ही मौजूद हैं। सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। संभवतः आज दोपहर तक लौट आएंगे। जिसके बाद ही और ज्यादा जानकारी मिल पाएगी। नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार और दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने बताया कि नारायणपुर-बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में प्लाटून नंबर 16 और इंद्रावती एरिया कमेटी के नक्सलियों की सूचना पर नारायणपुर, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के साथ एसटीएफ की टीमें सर्च अभियान पर निकली थीं। दोपहर 11 बजे नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की। नक्सलियों की लोकेशन दंतेवाड़ा बीजापुर की सरहद से भी जुड़ रही थी। ऐसे में बुधवार रात 9 बजे ही तीनों जिलों की फोर्स ने एक साथ जंगल में ऑपरेशन लॉन्च किया। पूरा ऑपरेशन इस तरह प्लान किया कि सभी जवान एक साथ अबूझमाड़ पहुंचें। ताकि नक्सली खुद को घिरता देखकर किसी भी ओर से भाग न सकें। अबूझमाड़ के रेकावाया में नारायणपुर डीआरजी और एसटीएफ के बीच सुबह 11 बजे नक्सलियों के साथ पहली मुठभेड़ हुई। उधर, दंतेवाड़ा से निकली जवानों की टीम और नक्सलियों में मुठभेड़ हो गई।

गाड़ी के साथ ड्राइवर भी जलकर राख

परिजनों का आरोप सीट में बांधकर लगाई गयी गाड़ी में आग, पुलिस को भी शक हादसा नहीं हत्या

देवघर, 24 मई (एजेंसियां)। स्कॉर्पियो में चालक की अंदर ही जल कर मौत हो गयी। परिजनों का आरोप है कि सीट में बांधकर गाड़ी में आग लगा दिया गया है। घटना को लेकर पुलिस को शक है कि यह हादसा नहीं हत्या है। चालक मोहन दास स्कॉर्पियो के साथ जलकर राख हो गए। घटना दुमका देवघर मुख्य मार्ग पर जरमुंडी थाना क्षेत्र के कुशमाहा चिकनिया के पास चंदना गांव के बीच कच्ची सड़क पर गुरुवार की सुबह करीब तीन बजे चालक की मौत का पता चला। घटना देर रात की बताई जा रही है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस ने शव कब्जे में लिया है। रांची से एफएसएल की टीम आने के बाद आज शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। मृतक मोहनदास जरमुंडी थाना क्षेत्र के सरडीहा गांव निवासी विनोद कुंवर के स्कॉर्पियो का चालक था । शाम 4 बजे घर से निकाला था। परिजनों को जब उसके मौत की सूचना मिली तो उन्होंने बताया कि किसी ने उसकी हत्या की है। हत्या के बाद शव को स्कॉर्पियो में डालकर आग लगा दिया जिससे इसे हादसा साबित किया जा सके। फिलहाल जरमुंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को लेकर गहन छानबीन में जुट गई है। सुबह स्कॉर्पियो देखने के बाद सांसद प्रतिनिधि जयप्रकाश मंडल और पांचू दास ने पुलिस को इसकी सूचना दी। जरमुंडी एसडीपीओ संतोष कुमार, पुलिस निरीक्षक सत्यम कुमार भी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। मोहन दास जिस परिवार को लेकर गया था उनसे पूछताछ हुई है। गाड़ी मालिक के रिश्तेदार दुधानी गांव के जसविंदर ने बताया कि उनका पूरा परिवार को नोनीहाट का यज्ञ मेला गया था।

बिलासपुर-प्रयागराज-जबलपुर के लिए 1 जून से फ्लाइट

जगदलपुर-दिल्ली के लिए भी उड़ान, फ्लाइट घटने से जनसंघर्ष समिति नाराज, 29 मई को प्रदर्शन

बिलासपुर, 24 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर एयरपोर्ट के लिए अलायंस एयर ने रिवाइज्ड समर शेड्यूल जारी किया है। इसमें ढाई महीने से बंद प्रयागराज-जलबलपुर की फ्लाइट को एक जून से फिर शुरू किया जाएगा। वहीं, दिल्ली के लिए जगदलपुर से होकर फ्लाइट की सुविधा दी गई है। हालांकि ये उड़ानें पहले से चल रही फ्लाइट से भी कम हैं। इधर, बिलासपुर की फ्लाइट बंद करने को लेकर गुरुवार देर शाम हवाई सुविधा जनसंघर्ष समिति की बैठक में नाराजगी जताई गई। बैठक में आंदोलन तेज करने का फैसला लिया गया है। समिति ने 29 मई को एयरपोर्ट के सामने प्रदर्शन करने का ऐलान भी किया है। दरअसल, बिलासपुर एयरपोर्ट से हवाई सुविधाओं के लिए कड़े संघर्षों के बाद फ्लाइट शुरू की गई। जब एक मार्च को हवाई सुविधा शुरू हुई, तब सप्ताह में 8 फ्लाइट प्रयागराज-जबलपुर-दिल्ली के लिए मिली थी। लेकिन, धीरे-धीरे इसे बंद कर दिया गया। वर्तमान में केवल हफ्ते में दो दिन दिल्ली और दो दिन कोलकाता की ही फ्लाइट चल रही है।

समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि अलायंस एयर कंपनी ने रिवाइज्ड शेड्यूल जारी कर जो फ्लाइट शुरू करने की जानकारी दी है, वो पहले से चल रही फ्लाइट से भी कम है। पहले जबलपुर और प्रयागराज फ्लाइट सप्ताह में चार दिन थी, जिसे अब घटा कर दो दिन कर दिया गया है। इसी तरह दिल्ली के लिए फ्लाइट पहले जगदलपुर फिर जबलपुर होकर दिल्ली जाएगी। गुरुवार देर शाम हुई समिति की बैठक में सेना से जमीन वापसी में हो रही देरी और 4-सी कैटेगरी एयरपोर्ट की डीपीआर अब तक नहीं बनाए जाने और नाइट लैंडिंग में देरी पर नाराजगी जाहिर की गई।

कांग्रेस और हेमंत के बीच करप्शन का कॉम्पिटिशन

दुमका में अमित शाह बोले- इनके लिए झारखंड भ्रष्टाचार का एटीएम है

दुमका, 24 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह झारखंड के दुमका में सभा को संबोधित कर रहे हैं। वे एनडीए कैंडिडेट सीता सोरेन के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते हैं जब तक झारखंड का विकास नहीं होगा तब तक देश का विकास नहीं होगा। बहन सीता को न्याय दिलाना आपका काम है। भले हेमंत सोरेन ने आपके साथ न्याय नहीं किया। बीजेपी आपका सम्मान भी करेगी और न्याय भी करेगी। अभी जो ये जेल में बैठकर निवेदन कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के लिए झारखंड भ्रष्टाचार का एटीएम है। जिस कांग्रेस पार्टी ने सालों तक झारखंड को धोखा दिया आज मुख्यमंत्री बने रहने के लिए वो कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गए हैं। कांग्रेस पार्टी ने राम मंदिर को रोक कर रखा। मोदी जी ने केस भी जीता और जनवरी में जय श्री राम भी कर दिया।

रूस अपने यहां मौजूद अमेरिकी संपत्तियां जब्त करेगा

पुतिन ने ऑर्डर पर दस्तखत किए, बाइडेन सरकार के बैन से हुए नुकसान की भरपाई होगी

मॉस्को, 24 मई (एजेंसियां)। रूस में अमेरिकी संपत्तियों को जब्त किया जाएगा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इससे जुड़े एक आदेश पर साइन किया है। इसके जरिए अमेरिका में सीज हुई रूसी संपत्ति से हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी।

दरअसल, 24 फरवरी 2022 में शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग के बाद से अमेरिका और पश्चिमी देशों मे रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। इनसे रूस को काफी नुकसान हुआ है। इसी नुकसान की भरपाई के लिए अमेरिकी संपत्तियों को जब्त करने की इजाजत दी गई है।

फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद से अमेरिका और पश्चिमी देशों ने 24 लाख करोड़ (300 अरब डॉलर) से ज्यादा मूल्य की रूसी संपत्तियों को जब्त किया है। वहीं, अमेरिकी संसद ने पिछले महीने एक बिल पास किया था, जिसमें राष्ट्रपति जो बाइडेन को यूक्रेन की मदद के लिए अमेरिका में मौजूद रूसी

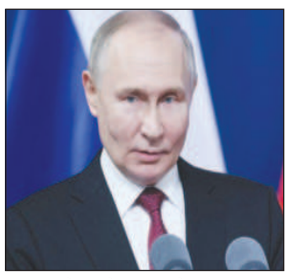

संपत्तियों के इस्तेमाल का अधिकार दिया गया था।

इस कार्रवाई के जवाब में रूस ने कई विदेशी निवेशकों की संपत्तियों को विशेष खातों में ट्रांसफर कर दिया। इन संपत्तियों को क्रेमलिन की मंजूरी के बिना रूस से बाहर नहीं भेजा सकता है।

संपत्ति जब्ती के लिए विशेष आयोग बनाया

पुतिन ने जिस आदेश पर साइन किए हैं, उसमें कहा गया है कि एक रूसी संस्था रूसी अदालत से यह निर्धारित करने के लिए कह सकती है कि अमेरिका में उसकी संपत्ति गलत तरीके से जब्त की गई है और मुआवजे की मांग कर सकती है। आदेश में रियल एस्टेट, चल संपत्ति जैसी संपत्तियों को शामिल किया गया है। रूसी सरकार का एक विशेष आयोग उन अमेरिकी संपत्तियों की पहचान करेगा, जिसे भरपाई के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। आयोग को निर्देश दिया गया है कि वह इस बात को निर्धारित करे कि किस तरह रूसी धारक अमेरिका में रोकी गई संपत्तियों के मुआवजे के तौर पर रूस में स्थित अमेरिकी संपत्ति को जब्त करने की मांग कर सकते हैं। इसके बाद अदालत अमेरिकी संपत्ति को मुआवजे के रूप में ट्रांसफर करने का आदेश देगी।a

24 फरवरी 2022 को शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग को 2 साल से ज्यादा समय बीत चुका है। गए थे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर कब्जा करने के लिए उस पर हमला किया था। पुतिन ने उस समय इसे मिलिट्री ऑपरेशन बताया था।

इस हमले में अब तक 40 लाख से ज्यादा यूक्रेनी नागरिकों को देश छोड़ना पड़ा है। ये लोग अब अन्य देशों में रिफ्यूजी की तरह रह रहे हैं। 65 लाख से ज्यादा यूक्रेनी देश में ही बेघर हो गए हैं। यूक्रेन के 10 हजार आम नागरिकों की मौत हुई है, जबकि 18,500 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन का दावा है कि रूस 3.92 लाख सैनिक गंवा चुका है। इस बीच अमेरिका ने रूस की 500 रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए था।

इधर, रूस ने भी यूरोपियन यूनियन (ईयू) की कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए थे।

भारत नहीं अब चीन बुझा रहा मालदीव की प्यास

तिब्बत से फिर पहुंचाया 1500 टन पानी, ड्रैगन की गोद में मुइज्जू

माले, 24 मई (एजेंसियां)। चीन के गुलाम मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद अब मालदीव की प्यास बीजिंग बुझा रहा है। चीन ने मालदीव को 1500 टन पानी की ताजा खेप भेजी है, जिसे कब्जे वाले तिब्बत के ग्लेशियर से पहुंचाया गया है। पानी का ये शिपमेंट माले में चीनी राजदूत वांग लिक्सिन ने मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर को सौंपा। मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने इसकी जानकारी देते हुए एक्स पर लिखा, 'शीजांग स्वायत्तशासी क्षेत्र (तिब्बत का चीनी नाम) के लोगों से 1500 टन मिनरल वाटर मिलने के लिए आभारी हूं।' इसके पहले चीन ने मार्च में 1500 टन पानी की खेप भेजी थी।

मालदीव के विदेश मंत्री ने बताया कि इस खेप से पानी की कमी से जूझ रहे द्वीप को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में मदद करेगी। चीन की राजदूत वांग लिक्सिन ने जमीर के ट्वीट को शेयर करते हुए लिखा, 'शीजांग स्वायत्त क्षेत्र से दान किए गए

5100 मीटर ऊंचे ग्लेशियरों का प्रीमियम पानी पहाड़ों और समुद्र से होते हुए माले में पहुंचते हुए देखकर बहुत खुशी हुई है। ये चीन और मालदीव के लोगों की गहरी दोस्ती और तिब्बत के लोगों की महान उपलब्धि को दर्शाता है।' आज चीन पानी भेजकर उसका ढिंढोरा पीट रहा है लेकिन मालदीव का दोस्त भारत हमेशा उसे पानी की सप्लाई करता रहा है लेकिन उसने कभी शोर नहीं मचाया। मालदीव के ज्यादातर द्वीप कोरल रीफ और रेत के टीलों से बने हैं। इसके चलते यहां मीठा पानी हासिल करना बेहद दुर्लभ हो जाता है। 2014 में मालदीव में भीषण जल संकट आया था, उस समय भारत ने ऑपरेशन नीर को अंजाम दिया था। इसके तहत भारतीय विमानों ने कई उड़ानें भरी थीं। मालदीव सरकार के अनुरोध पर 12 घंटे के भीतर पहला विमान पानी की खेप लेकर पहुंचा था। इसके बाद दो भारतीय जहाज आईएनएस दीपक और आईएनएस शुकल्या भी माले पहुंचे थे, जिन पर 2000 टन पानी लदा हुआ था। इससे मालदीव को पेयजल संकट से निपटने में मदद मिली। पानी के अलावा भारत ने 2004 की सुनामी और कोरोना महामारी के दौर में भी मालदीव की तरफ आगे बढ़कर मदद की थी।

जब चीन ने भेजा मुइज्जू के महल के लिए पानी

इसके पहले चीन ने तिब्बत के ग्लेशियर से ही 1500 टन पानी मालेके लिए भेजा था, लेकिन ये पानी मालदीव के लोगों के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रपति मुइज्जू के इस्तेमाल के लिए किया गया था। पानी की खेप पहुंचने के बाद कुछ दिनों तक जानकारी नहीं दी थी, लेकिन जब अफवाहें फैलने लगीं कि राष्ट्रपति भवन में इस्तेमाल के लिए एक महंगे ब्रांड के पानी की खेप मंगाई गई है। इसके बाद मालदीव के विदेश मंत्रालय ने बयान कर तिब्बत से पानी पहुंचने की जानकारी दी थी। हालांकि, मुइज्जू सरकार ने पानी के निजी इस्तेमाल के आरोपों को खारिज किया था।

ब्रिटेन में सबसे ज्यादा 2 लाख 50 हजार भारतीय पहुंचे

इनमें से 1 लाख 15 हजार पढ़ने गए, दूसरे पर नाइजीरियाई, तीसरे पर चीनी लोग

लंदन, 24 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में 2023 में सबसे अधिक 2 लाख 50 हजार भारतीय पहुंचे। इसमें से 1 लाख 27 हजार लोग काम के सिलसिले में गए। इसके अलावा 1 लाख 15 हजार लोग पढ़ने और 9 हजार लोग अन्य कारणों से ब्रिटेन पहुंचे।

भारतीयों के बाद दूसरे नंबर पर नाइजीरियाई (1 लाख 41 हजार), तीसरे पर चीनी (90 हजार) और चौथे पर पाकिस्तानी (83 हजार) रहे। 2023 में कुल 3 लाख 37 हजार लोगों को काम करने के लिए वर्क वीजा मिला। इनमें से 18 हजार भारतीयों को केयर वर्कर वीजा मिला, जिसमें से 11 हजार नर्स वीजा थे। 1 लाख 14 हजार लोगों को ग्रेजुएशन वीजा दिया गया। इनमें 50 हजार भारतीयों को यह वीजा मिला। इसके तहत भारतीय पढ़ाई के बाद वहां नौकरी कर सकते हैं यानी उन्हें अलग से वर्क वीजा की जरूरत नहीं होगी।

वही, मास्टर्स के लिए भारतीय नागरिकों को जारी किए गए वीजा में कमी आई है। पिछले साल की तुलना में मार्च 2024 में 21,800 भारतीय छात्र मास्टर डिग्री के लिए ब्रिटेन आए। नेशनल स्टेटिक डिपार्टमेंट के मुताबिक, ब्रिटेन

जाने वाले लोगों में एक साल के अंदर ही 10% कमी आई हैं। 2023 में 6 लाख 85 हजार लोग ब्रिटेन पहुंचे, यह संख्या 2022 में सबसे ज्यादा 7 लाख 64 हजार थी। ब्रिटेन जाने वाले लोगों में 85% गैर यूरोपीय हैं।

2021 तक ये लोग काम से ज्यादा पढ़ने के लिए वहां जाते थे। लेकिन, 2023 के डेटा के मुताबिक गैर यूरोपीय लोग पढ़ाई से ज्यादा नौकरी के लिए ब्रिटेन पहुंचे। 2023 में रोजगार की तलाश में 4 लाख 23 हजार गैर यूरोपीय लोग ब्रिटेन पहुंचे, जबकि उससे पिछले साल यही संख्या 2 लाख 77 हजार थी। यानी पिछले एक साल में 53% की बढ़त देखी गई है। 2023 में 2 लाख 19 हजार लोगों ने कम समय के लिए और 2 लाख 4 हजार लोगों ने लंबे समय के लिए ब्रिटेन में रहने के लिए एप्लिकेशन दी थी। ब्रिटेन में गैर यूरोपीय लोग कम समय के लिए रहना चाहते हैं। वहीं, लंबे समय तक रहने वाले ज्यादातर लोग हेल्थ कारणों के चलते वहां रहना चाहते हैं। 2023 में वर्क वीजा वालों पर आश्रित 2 लाख 79 हजार लोगों को वीजा मिला। पिछले पांच साल में 83 हजार 468 भारतीयों ने भारत की नागरिकता को छोड़कर ब्रिटेन की सिटिजनशिप ली है।

इमरान खान के पार्टी कार्यालय पर चला बुलडोजर

भड़के पार्टी अध्यक्ष, बोले- गरिमा को किया अपवित्र

इस्लामाबाद, 24 मई (एजेंसियां)। कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इस्लामाबाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के केंद्रीय सचिवालय के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद पार्टी के अतिक्रमण विरोधी अभियान का विरोध इमरान खान पार्टी ने शुरू किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार राजनीतिक पार्टी कार्यालय के गरिमा का उल्लंघन कर रही है। अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के लिए सीडीए की अतिक्रमण विरोधी टीम ने अभियान चलाया। पीटीआई के मुख्यालय के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन के साथ अतिक्रमण विरोधी टीम ने पीटीआई मुख्यालय को सील कर दिया। तहरीक-ए-इंसाफ के केंद्रीय सचिवालय के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया है। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने मौजूदा सरकार को खूब खरी-खोटी सुनाई। बता दें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी जेल में हैं। पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली ने कहा कि सीडीए के पास इस ऑपरेशन का कोई परमिट नहीं था। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में कोई नोटिस तक नहीं भेजा। उन्होंने कहा कि सरकार ने संसद के बाद सबसे प्रतिष्ठित परिसर होने के बावजूद एक राजनीतिक पार्टी कार्यालय की पवित्रता और नियमों का उल्लंघन किया है। पीटीआई अध्यक्ष ने दावा किया कि कोई अवैध निर्माण परिसर में नहीं था। लेकिन मान लेते हैं कि कोई अवैध निर्माण था, लेकिन सीडीए को ऑपरेशन से पहले सूचना भेजनी चाहिए। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि देर रात पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के केंद्रीय कार्यालय पर हथियारबंद हमला और तोड़फोड़।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी पर जनादेश चोर सरकार ने रात के अंधेरे में किए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने आगे लिखा कि धमकी, अराजकता और बल के अंधाधुंध इस्तेमाल के आगे न झुकने और सच्ची आजादी के एजेंडे से किसी भी तरह पीछे न हटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए।

पूरे मक्का शहर में ही एंट्री पर रोक

हज सीजन में सऊदी अरब सरकार का अहम फैसला, भारतीयों के लिए भी अहम

रियाद, 24 मई (एजेंसियां)। सऊदी अरब सरकार हज यात्रा को बेहतर करने के लिए एक के बाद एक फैसले ले रही है। इसी कड़ी में सऊदी के गृह मंत्रालय ने मौजूदा साल के हज सीजन के लिए विजिटर वीजा लेकर आए विदेशियों के मक्का शहर में करीब एक महीने तक प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि 23 मई से ये लागू हो गया है और 21 जून 2024 तक जारी रहेगा। इस दौरान विजिटर वीजा पर आए लोगों के लिए मक्का में प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा, जहां दुनियाभर से बड़ी संख्या में हाजी पहुंच रहे हैं। मंत्रालय ने सऊदी नियमों के अनुसार कार्रवाई से बचने के लिए हज के लिए बिना अनुमति के यात्रा वीजा धारकों से मक्का की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। सऊदी प्रेस एजेंसी ने गृह मंत्रालय के हवाले से की गई रिपोर्ट में बताया है कि विजिटर वीजाधारकों को हज करने की अनुमति नहीं है। इससे पहले सऊदी की फतवा काउंसिल ने भी हज यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बिना परमिट के हज करने पर प्रतिबंध लगा दिया था। सऊदी के निवासियों को भी 4 मई

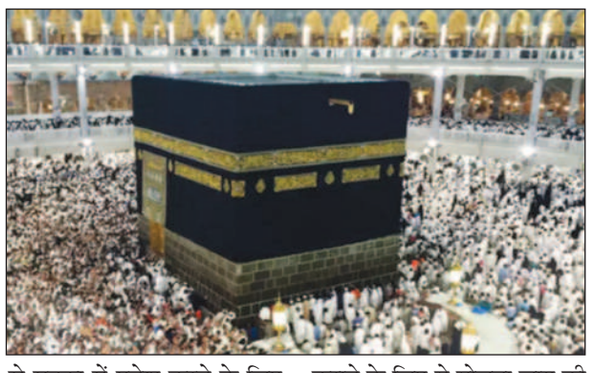

से मक्का में प्रवेश करने के लिए परमिट दिखाना आवश्यक है। सऊदी लोगों को भी बिना परमिट मक्का में एंट्री नहीं दी जा रही है। सऊदी सरकार ने कहा है कि हज के दौरान रजिस्टर्ड तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ये उपाय लागू किए जा रहे हैं।

हज यात्रियों को हमेशा पहचान पत्र साथ रखने की सलाह

सऊदी सरकार ने हज यात्रियों को हज अवधि के दौरान हमेशा अपना पहचान पत्र साथ रखने की भी सलाह दी है। अधिकारियों का कहना है कि लाखों हाजियों की सुरक्षा और बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए ये योजना लागू की जा रही हैं ताकि दुनियाभर से आए लोग एक सुरक्षित तरीके से अपने हज अनुष्ठान पूरा कर सकें।

इस साल, 2024 के हज के लिए दुनियाभर से 20 लाख से ज्यादा मुस्लिम सऊदी पहुंचेंगे। इस हज सीजन की तैयारी में देश की अलग-अलग संस्थाएं जुटी हुई हैं। सऊदी अरब ने इस साल हज नियमों को भी सख्त किया है। सऊदी अधिकारियों ने कहा है कि बिना परमिट के लोगों को हज करने पर 50 हजार रियाल (करीब 11 लाख भारतीय रुपए) का जुर्माना लगाया जाएगा।

भारतीय मूल की मलेशियाई महिला को सिंगापुर में तीन माह का कारावास

सिंगापुर, 24 मई (एजेंसियां)। भारतीय मूल की मलयेशियाई महिला को सिंगापुर में तीन सप्ताह के कारावास की सजा सुनाई गई है। उन पर अक्तूबर 2019 और फरवरी 2020 के बीच 68 इलेक्ट्रॉनिक रोड प्राइसिंग (ईआरपी) अपराधों और पांच अवैध पार्किंग के 14 आरोप हैं। दीवानाई करुणानिधी ने अपनी एक बाइक के लाइसेंस प्लेट को बदल दिया था। जिससे सड़कों पर स्थापित ईआरपी प्रणाली द्वारा सड़क उपयोग शुल्क से बचा जा सके। मामला 21 फरवरी 2020 को सामने आया, जब एक एलटीए अधिकारी ने देखा कि करुणानिधी के बाइक के आगे-पीछे के लाइसेंस प्लेट का नंबर अलग-अलग है। एलटीए अधिकारी ने जब बाइक के पिछले नंबर की जांच की तो उसका कोई रिकॉर्ड नहीं मिला।

कंबोडिया से 360 भारतीयों का रेस्क्यू

विदेशों में मोटी सैलरी का लालच देकर एजेंट्स ने फंसाया, इनसे साइबर ठगी कराई जाती थी

नामपेन्ह, 24 मई (एजेंसियां)। भारत ने कंबोडिया से 360 भारतीयों का रेस्क्यू किया है। इन्हें फ्रॉड एजेंसी ने नौकरी का लालच देकर कंबोडिया भेजा था। वहां इनसे साइबर फ्रॉड जैसे काम कराए जाते थे। भारतीय दूतावास गुरुवार (23 मई) को बताया कि इन्हें जिनबेई-4 नामक जगह से 20 मई को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। दूतावास के मुताबिक, 60 नागरिकों का पहला जत्था वापस स्वदेश लाया जा चुका है। दूतावास ने आगे कहा कि बाकी लोगों के ट्रैवल डॉक्यूमेंट और अन्य चीजों की जांच की जा रही है और उन्हें भी जल्द ही स्वदेश लाया जाएगा। दूतावास ने बताया कि सिहानोकविले प्रशासन की मदद से ये ऑपरेशन चला। इसके लिए उन्होंने कंबोडियाई प्रशासन को धन्यवाद कहा है। भारतीय दूतावास कंबोडिया में नौकरी की चाहत रखने वालों के लिए लगातार एडवाइजरी जारी कर रहा है। एडवाइजरी में सलाह दी गई है कि सिर्फ विदेश मंत्रालय द्वारा एप्रूव किए गए एजेंटों की मदद से ही नौकरी की तलाश करें। इसमें खासतौर से टूरिस्ट वीजा पर नौकरी तलाश करने जाने वाले इच्छुक लोगों को चेतावनी दी गई है। आंध्र प्रदेश पुलिस ने बीते दिनों विशाखापत्तनम में एक ह्यूमन ट्रैफिकिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया था। पुलिस ने 18 मई को 3 लोगों को गिरफ्तार किया था। ये सिंगापुर में मोटी सैलरी मिलने का झांसा देकर युवाओं को फंसाते थे। इसके बाद उन्हें धोखे से कंबोडिया भेज दिया जाता था।

पुलिस ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से मंगलवार (21 मई) को बताया था कि कंबोडिया में ह्यूमन ट्रैफिकिंग रैकेट के जाल में फंसे 300 भारतीयों ने विद्रोह कर दिया था। इसके बाद कई लोगों को स्थानीय पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि इनमें से करीब 150 लोग एक साल से वहां फंसे हुए थे। चाईनीज हैंडलर इनसे साइब्नर क्राइम और पोंजी स्कैम कराते थे।

विशाखापत्तनम पुलिस कमिश्नर ए रविशंकर ने बताया कि कई लोगों ने वॉट्सएप के माध्यम से यहां की पुलिस से संपर्क किया है और अपनी पीड़ा बताई है। उन्होंने बताया कि पुलिस को इससे जुड़े कई वीडियो भी मिले हैं।

विशाखापत्तन ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस फकीरप्पा कगिनेली ने बताया कि करीब 5,000 भारतीय कंबोडिया में फंसे हुए हैं।

पाकिस्तान की राह पर चला अमेरिका

हिंदू मंदिर का निर्माण रोकने के लिए बदल दिया नियम, पहले खुद ही दी थी मंजूरी

वाशिंगटन, 24 मई (एजेंसियां)। भारत समेत समेत दुनिया भर को धार्मिक स्वतंत्रता पर ज्ञान देने के मामले में अमेरिका सबसे आगे रहता है, लेकिन अपने देश में अल्पसंख्यकों के मामले में वह खुद पाकिस्तान की राह पर है। जी हां, जैसे पाकिस्तान इस्लामाबाद में प्राचीन हिंदू मंदिर का निर्माण होने नहीं दे रहा है, उसी तरह अमेरिका के लॉस वेगास स्थित हेंडरसन शहर का हिंदू समुदाय अपना मंदिर बनाने के लिए लड़ाई लड़ रहा है। शहर प्रशासन ने मंदिर के निर्माण के लिए अनुमति दी थी, जिसके बाद निर्माण शुरू हो गया लेकिन एक साल के भीतर ही सिटी काउंसिल ने इसे वापस ले लिया। शहर में रहने वाले हिंदुओं ने भेदभाव का आरोप लगाया है। आनंद उत्सव नाम के इस हिंदू मंदिर को हेंडरसन के

ग्रामीण इलाके में 5 एकड़ के भूखंड पर बनाया जाना है, लेकिन 2022 में स्थानीय निवासियों के विरोध का बहाना लेकर सिटी काउंसिल ने इसकी मंजूरी पर रोक लगा दी। अमेरिकन हिंदू एसोसिएशन के संस्थापकों में एक सतीश भटनागर ने फॉक्स 5 न्यूज पोर्टल को बताया कि हेंडरसन हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण जगह है। भटनागर और बाबा अनल ने यह जमीन 4 लाख डॉलर से कुछ ज्यादा में खरीदी थी। भटनागर ने कहा कि हेंडरसन के समरलिन में एक हिंदू मंदिर होने के कारण वे शहर के दूसरी तरफ हिंदुओं के लिए पूजा स्थल चाहते हैं। उन्होंने बताया कि हिंदू समिति में लगभग 100,000 सदस्य हैं। अगस्त 2022 में मंदिर को मंजूरी मिलने के बाद उसी साल अक्टूबर में निवासियों के फैसले के खिलाफ अपील की और दावा किया कि इससे ग्रामीण संरक्षण को नुकसान पहुंचेगा। हालांकि, उसी इलाके में पहले से तीन चर्च मौजूद हैं। इसके बाद मंदिर कमेटी ने निवासियों की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए मंदिर की ऊंचाई और पार्किंग स्थल को लेकर कई बदलाव किए। हर चीज को न्यूनतम स्तर पर ला दिया गया। इसके बाद सिटी काउंसिल ने 4-1 से निवासियों की अपील को खारिज कर दिया और अमेरिकन हिंदू एसोसिएशन को एक साल के लिए सशर्त उपयोग का परमिट दिया।

मंदिर समिति ने इस पर काम भी शुरू कर दिया, लेकिन परमिट की अवधि समाप्त होने से एक महीने पहले ही सिटी काउंसिल ने नियमों में बदलाव कर दिया, जिसके बाद इलाके में धार्मिक सुविधाओं पर रोक लगा दी गई।

वैश्विक सुरक्षा और विकास में अफ्रीका की भूमिका मजबूत करना चाहता है भारत

यूएन में बोलीं रुचिरा कंबोज

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने वैश्विक सुरक्षा और विकास चुनौतियों का समाधान करने में अफ्रीको राज्यों की भूमिका को मजबूत करने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की बात की।

अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा का रखरखाव पर बात करते हुए उन्होंने भारत और अफ्रीका के बीच ऐतिहासिक संबंधो और साझा एकजुटता में निहित दीर्घकालिक मित्रता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि वैश्विक व्यवस्था में सच्ची बहुध्रुवीयता के लिए अफ्रीका का उदय आवश्यक है। उन्होंने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय

तरह से अफ्रीका की प्राथमिकताओं का समर्थन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विकास के बिना कोई शांति नहीं हो सकती।

इस दौरान रुचिरा कंबोज ने वैश्विव सुरक्षा और विकास में अफ्रीका की भूमिका को आगे बढ़ाने के लिए भारत के समर्पण की भी पुष्टि की। राष्ट्रों की समिति से अफ्रीकी सदस्य राज्यों को उचित सम्मान देने और शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य के लिए उनके प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया। रुचिरा कंबोज ने अफ्रीकी देशो को स्थायी प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी क्षेत्र में आंतकवाद से निपटने की तत्काल आवश्यकता है। कंबोज ने कहा कि सदस्यता की स्थायी श्रेणी में प्रतिनिधित्व से लगातार इंकार परिषद की सामूहिक विश्वसनीयता पर एक धब्बा है। उन्होंने विस्तारित परिषद में स्थायी अफ्रीकी प्रतिनिधित्व के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने 2023 में अपनी अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल करने के लिए भारत के सफल अभियान का उल्लेख किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे आगामी शिखर सम्मेलन को मौजूदा बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार और अफ्रीकी आवाजों को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के अवसर के रूप मे लें। एजुल्विनी सर्वसम्मति और खोज घोषणा के लिए भारत के समर्थन पर प्रकाश डालते हुए अफ्रीकी प्रतिनिधित्व देने में देरी करने वालो से जवाब मांगने के लिए कहा।

कोलंबिया समुद्र से निकालेगा अरबों का सोना

300 साल पहले डूबे जहाज पर अहम फैसला, क्या करेंगे दूसरे दावेदार?

बोगोटो, 24 मई (एजेंसियां)। करीब 300 साल पहले समुद्र में डूबे जहाज के मलबे को निकालने और इसके मालिकाना हर पर विवाद के बीच कोलंबिया ने अहम ऐलान किया है। कोलंबिया ने बुधवार को कैरेबियाई तट पर उस जगह को 'संरक्षित पुरातत्व क्षेत्र' घोषित कर दिया, जहां तकरीबन तीन शताब्दी पहले प्रसिद्ध सैन जोस गैलियन जहाज अरबों डॉलर के सोने, चांदी और पन्ने के साथ डूब गया था। देश के संस्कृति मंत्रालय ने इस पर जारी अपने बयान में कहा है कि जहाज के संरक्षण और अनुसंधान के लिए ये फैसला किया गया है। स्पेन के स्वामित्व वाला सैन जोस 1708 में कार्टाजेना के पास डूबा था। ये

स्पेन के राजा फिलिप पंचम के दरबार की ओर जा रहा था। जहाज के साथ इसके चालक दल के करीब 600 लोग, पन्ने की पेटियां और 200 टन सोने के सिक्के लदे थे। कोलंबिया के संस्कृति मंत्री जुआन डेविड कोरिया ने जोर देकर कहा कि वह इसे खजाना खोजने की तरह नहीं देखते हैं। वह इसे रिसर्च के लिहाज से अहम मानते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने मलबे की वैज्ञानिक रिसर्च के पहले चरण का शुभारंभ करते हुए क्षेत्र के नए नामकरण की घोषणा की। कोरेया ने कहा कि जल्दी ही एक अंडरवाटर रोबोट भेजा जाएगा। कोलंबिया ने कुछ साल पहले इस जहाज को खोज लेने की घोषणा की थी, जिसके लिए दशकों से टीमें कोशिश कर रही थीं। समुद्र में डूबे जहाज के मलबे पर कोलंबिया के अलावा भी कुछ दूसरे पक्ष भी हैं। स्पेन ने संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के तहत जहाज और उसकी सामग्री पर दावा किया था। स्पेन का कहना है कि क्योंकि जहाज स्पेन का था, इसलिए इस पर उनका हक है। वहीं बोलिवियाई लोगों का दावा है कि धन उनसे चुराया गया था, ऐसे में ये उनका है।

जानलेवा हुई गर्मी

जालौर में पारा 47 डिग्री पार, बीकानेर में सेना के जवान की मौत

जालौर/बीकानेर, 24 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में गर्मी का सितम अब जानलेवा बन चुका है। बीकानेर में गुरुवार को युद्ध अभ्यास के दौरान तबियत बिगड़ने से भिवानी निवासी जवान की मौत हो गई। वहीं, जालौर में तापमान 47.3 डिग्री तक पहुंच गया। इससे गर्मी और उससे जुड़ी समस्याओं की वजह से चार लोगों की जान जा चुकी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में अब तक गर्मी की वजह से आठ लोगों की जान जा चुकी है।

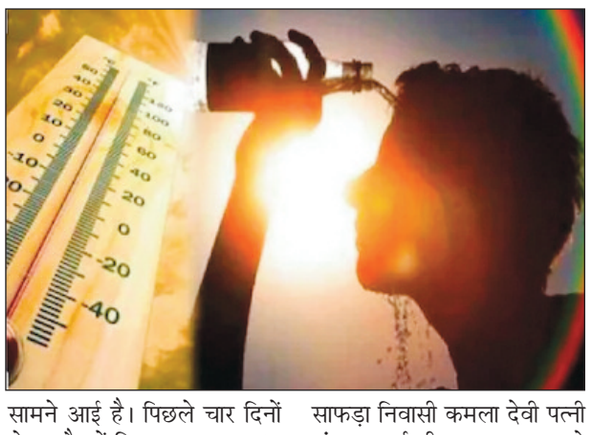

बीकानेर जिले में सुबह के दस बजते ही मानो आसमान से आग बरस रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात विकट हो गए हैं। गर्मी और लू से गुरुवार को सेना के जवान की मौत हो गई। बीकानेर में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में युद्ध अभ्यास के दौरान भिवानी हरियाणा निवासी जवान संदीप कुमार की तबियत खराब हो गई। जवान को उपचार के लिए महाजन सीएचसी ले जाया गया। जहां से उसे सूरतगढ़ रेफर किया गया। सूरतगढ़ अस्पताल में जवान की उपचार के दौरान मौत हो गई। फिलहाल जवान के परिजनों को सूचित किया गया है।

उधर जालौर में गुरुवार को अधिकतम तापमान 47.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले में चार लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। पिछले चार दिनों से जालौर में दिन का तापमान 47 डिग्री से अधिक दर्ज हो रहा है। तेज गर्मी के चलते जालौर में एक महिला समेत चार लोगों की अब तक मौत हुई है। दो लोगों को जालौर रेलवे स्टेशन से बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया, जिनकी मौत हो गई। जालौर के रेलवे स्टेशन पर नरपड़ा गांव निवासी सूरजदान पुत्र विष्णु दान ट्रेन से जालौर पहुंचा था। ट्रेन से उतरने के बाद स्टेशन पर ही चक्कर आने से गिर गया। लोगों ने उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरे युवक की पहचान गुजरात निवासी सोहनराम के रूप में हुई जो जालौर में ही काम करता है। रेलवे स्टेशन पर अचानक बेहोश होकर गिर गया था। जालौर से करीब केशवाना रोड स्थित साफड़ा निवासी कमला देवी पत्नी लुंबाराम गर्ग की घर का काम करते हुए अचानक तबियत बिगड़ गई। बेहोश होकर गिर गई, जिसे परिजन सामान्य चिकित्सालय ले गए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित किया। आहोर उपखंड क्षेत्र के सरकारी गांव के पोपटलाल पुत्र उकाराम प्रजापत की मौत हो गई। जिले में भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने हीट वेव की एडवाइजरी जारी की है। 26 मई तक 47 डिग्री से अधिक तापमान रहने की संभावना जाहिर की गई है। आमजन को घरों से कम से कम बाहर निकलने के साथ ही पेय पदार्थों का सेवन अधिक करने की सलाह दी गई है। जिले में नगर परिषद और नगर पालिका क्षेत्र में टैंकर और दमकलों से सड़कों पर पानी का छिड़काव भी किया गया है।

दुष्कर्म के आरोप में पकड़े गए युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

कल शाम ही किया था गिरफ्तार

ब्यावर, 24 मई (एजेंसियां)। जैतारण पुलिस थाने में दुष्कर्म के मामले में पकड़े गए राकेश नाम के आरोपी ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस के आला अधिकारियों में हड़कंप मच गया, आरोपी को एक दिन पहले ही गिरफ्तार किया गया था।

ब्यावर के जैतारण थाने की बैरक में दुष्कर्म के आरोपी ने कंबल फाड़कर फांसी का फंदा बनाया और खुदकुशी कर ली। घटना गुरुवार रात की है । शुक्रवार सुबह जब संत्री गश्त के लिए बैरक में पहुंचा तो वहां बंदी फंदे से लटका हुआ मिला। इसके बाद जेल के अधिकारियों को घटना की सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलने पर जैतारण डीएसपी सीमा चोपड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ और जैतारण एसडीएम श्यामसुंदर विश्नोई थाने पर पहुंचे। एसडीएम की मौजूदगी में वीडियोग्राफी कर शव को फंदे से उतारा गया और अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

घटना के बाद मृतक राकेश के परिजनों ने जैतारण थाना पुलिस पर सवाल खड़े किए हैं। ब्यावर एसपी नरेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक राकेश को गैंगरेप और 376 एक्ट के तहत दर्ज मामले में पकड़ा गया था, जिसने गुरुवार को थाने में बने बैरक में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक राकेश और उसके साथियों के खिलाफ एक महिला ने गैंगरेप का मुकदमा जैतारण थाने में दर्ज कराया था, जिसकी जांच सीओ सीमा चोपड़ा द्वारा की जा रही थी।

मामले के तहत राकेश पुत्र नाथूराम को कल शाम गिरफ्तार किया गया था बाकी अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। पुलिस के अनुसार राकेश के खिलाफ 376 के पहले भी दो प्रकरण दर्ज हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश ने जिस बैरक में कंबल फाड़कर फांसी का फंदा लगाया, यह पूरी वारदात थाने पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। एसपी नरेंद्र सिंह ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज चेक करने के बाद इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार पुलिसकर्मी के विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

किरोड़ी मीणा बोले, राजस्थान में अब तक हुई 12 मौतें

आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी की है एडवाइजरी

दौसा, 24 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के ज्यादातर जिले हीट वेव की चपेट में है। इससे अब तक 12 मौतें प्रदेश में हुई हैं। आपदा एवं प्रबंधन विभाग ने भी लोगों के एडवाइजरी जारी की है। प्रदेश के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने दौसा में कहा कि लोगों को सुरक्षित रहने की अपील की जा रही है।

मीणा ने दौसा में कहा कि यह सही बात है कि तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते 12 मौत भी हो चुकी है। हीट वेव को देखते हुए आपदा एवं प्रबंधन विभाग ने भी एडवाइजरी जारी कर लोगों को सुरक्षित रहने के लिए कहा है। इतना तापमान सामान्य तौर पर नहीं होता है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते सभी जगह तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसके चलते विभाग ने दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं। इसके बावजूद भी यदि कोई हीट वेव की चपेट में आता है तो उसे पैकेज भी दिया जाएगा।

राजस्थान इस समय भीषण हीट वेव की चपेट में है। गुरुवार को बीकानेर में ही युद्ध अभ्यास के दौरान तबियत बिगड़ने से सेना के एक जवान की मौत हो गई। इसी तरह अन्य शहरों में भी लू लगने एवं अन्य समस्याओं से मरीज सामने आए हैं। मौतें भी हुई हैं। ज्यादातर शहरों में तापमान 45 डिग्री से ऊपर और कुछ जिलों में 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान दर्ज हो रहा है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने भी लू में लोगों को बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही उन्हें ज्यादा से ज्यादा पेय पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी गई है।

रातभर दहाड़े लेपर्ड, पहली बार दिखा भेड़ियों का झुंड

पानी में तैरता नजर आया अजगर, पेड़ पर चारपाई बांधकर वनकर्मियों ने गुजारी रात

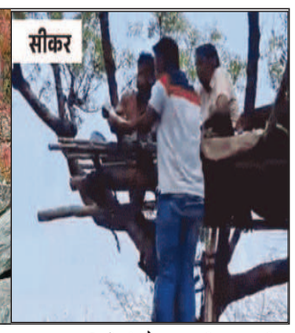

जयपुर, 24 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में दो साल बाद वन्यजीव गणना हुई। इससे पहले 2022 में वन्यजीव गणना हुई थी। पिछले साल बिपरजॉय तूफान के कारण वन्यजीव गणना टाल दी गई थी। गुरुवार सुबह 8 बजे से शुक्रवार सुबह 8 बजे तक प्रदेश के 1000 से ज्यादा वाटर पॉइंट पर 24 घंटे वनकर्मी नजरें जमाए बैठे रहे। साथ ही 2000 से ज्यादा पॉइंट्स पर ट्रैप कमरों की मदद ली गई। वन्यजीव गणना के आंकड़े डेटा क्रॉस वैरिफिकेशन के बाद जारी किए जाएंगे।

राजस्थान के मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक पवन उपाध्याय ने बताया- विशेषज्ञों की देखरेख में फाइनल रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इस बार जयपुर के झालाना लेपर्ड रिजर्व में भी कुल 12 वाटर पॉइंट पर मचान बनाए गए थे। गलता रिजर्व क्षेत्र में 7 मचान, सूरजपोल में 4, झोटवाड़ा, गोनेर और मुहाना में 1-1 मचान बनाए गए थे, जहां बड़ी संख्या में महिला कर्मचारियों ने भी भी वन्य जीवों की गणना की।

इसी तरह अलवर के सरिस्का, भरतपुर के घना पक्षी बिहार और बंध बारेठा, बाड़मेर के बायतु रेंज वन, उदयपुर वन क्षेत्र, राजसमंद के कुंभलगढ़ वन एरिया, टोंक के बीसलपुर क्षेत्र, बारां के शेरगढ़ सेंचुरी, भैंसरोडगढ़ रेंज रावतभाटा, कोटा अभेडा रेंज और सिरोही में वन्यजीव गणना की गई।

बुद्ध पूर्णिमा की चांदनी रात नीमकाथाना (सीकर) के बालेश्वर कंजर्वेशन रिजर्व में लेपर्ड की दहाड़ सुनाई देती रही। नीमकाथाना के बालेश्वर कंजर्वेशन रिजर्व एरिया में संवाददाता उमेश शर्मा मौजूद रहे। रात 12 बजे से अलसुबह 3:50 बजे तक वे घने जंगल में थे। वन विभाग की कर्मचारी वन्यजीवों की गणना में लगे हुए थे। वहां पर जानवर दहाड़ लगा रहे थे।

रात 1.20 बजे उमेश बालेश्वर वाटर पॉइंट पर पहुंचे। यहां वन विभाग ने मचान बनाई थी। इस पर वनकर्मी वन्यजीवों की गणना में लगे हुए थे। वाटर पॉइंट पर नीलगाय और जरख ही पानी पीने के लिए आए। रात 3 बजे उमेश गावड़ी में स्थित कुइयां धाम वाटर पॉइंट पर पहुंचे। यहां पूरा जंगल सुनसान था। यहां भी जंगली जानवरों की दहाड़ सुनाई दे रही थी। वन्य जीव गणना के दौरान देर रात तक डीएफओ सीकर, उपवन संरक्षक भीम सिंह यादव रेंजर रवि सिंह भाटी जंगल में मॉनिटरिंग करते रहे।

एनसीबी ने एजुकेशन संस्थानों में स्टूडेंट्स को गांजे की सप्लाई होने से बचाया

जोधपुर, 24 मई (एजेंसियां)। एनसीबी के जॉइंट डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि गांजा उड़ीसा और आंध्र प्रदेश बॉर्डर के पास के एक गांव से लाया गया था। सोनी ने बताया कि ऑपरेशन 'शंकर' के तहत टीम को जोधपुर में गांजा सप्लाई होने की सूचना मिली थी। टीम ने करीब 22 दिन पहले कोटा से गांजा लेकर आ रहे एक युवक को जयपुर से पकड़ा था। उससे 35 किलो गांजा भी बरामद किया गया था। युवक ने गांजे की बड़ी खेप जोधपुर भी सप्लाई होना बताया थी। इस पर टीम ने संपूर्ण जानकारी जुटाई तो सामने आया कि जोधपुर में करीब 800 किलो गांजा सप्लाई होने वाला है। टीम को मुखबिर से पता चला कि गांजा लेकर आने वाले हैं। टीम ने सुबह 8:15 बजे जोधपुर के कुड़ी क्षेत्र में गोरा होटल से आगे फिटकासनी के पास पिकअप को रुकवाकर पिकअप की तलाशी ली, जिसमें गांजे के 71 पैकेट मिले। हर पैकेट का वजन 5 किलो था। इस पर ड्राइवर (तस्कर) अनिल कुमार निवासी बिश्नोइयों की ढाणी मोगड़ा कला जोधपुर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में यह भी पता चला है कि गांजे की एक खेप तस्कर के रिश्तेदार भागीरथ निवासी मंगल नगर गुडा विश्नोइयां के घर पर रखकर आया है। टीम ने उसके रिश्तेदार के घर दबिश दी और 99 पैकेट बरामद किए। टीम मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

पति-पत्नी के विवाद में ससुर ने जीवित बहू को बता दिया 'मृत'

जन आधार कार्ड से हटवाया नाम

भरतपुर, 24 मई (एजेंसियां)। डीग जिले में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। पति-पत्नी में विवाद के चलते ससुर ने पुत्र वधू को मृत बताकर जन आधार कार्ड से नाम हटवा दिया है। पुत्र वधु वर्तमान में जीवित है। पीड़िता का चयन नर्सिंग ऑफिसर में हो गया है, जिसके सत्यापन के लिए जाति और मूल निवास प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। मृत घोषित किया गया है, इस वजह से यह दस्तावेज बनवाने में उसे काफी दिक्कत आ रही है।

राजस्थान में एक बहू की सिस्टम से जंग, कहती है 'जिंदा हूं मैं'

पीड़िता अंजू भट्ट का आरोप है कि ससुराल पक्ष के सदस्यों और सचिव पर षडयंत्र रचकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर जनाधार कार्ड से नाम हटवाने के आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में तहरीर देकर कुम्हेर पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है। करीब नौ माह से अधिक समय होने के बाद भी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की है। पीड़िता आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर भरतपुर स्थित सीएम जनसुनवाई केंद्र पर पहुंची और अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता अंजू भट्ट ने बताया कि कुम्हेर स्थित विजय नगर निवासी सुरेंद्र कुमार के साथ शादी हुई थी। पति और मेरे बीच में विवाद चल रहा है। इसका फायदा उठाकर ससुर मोहरपाल, सास शांति देवी, पति सुरेंद्र कुमार और देवर पुष्पेंद्र सिंह ने ग्राम पंचायत रूंध हेलक के सचिव के साथ षडयंत्र रचकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और मुझे मृत बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया। इसे पेश कर 28 मई 2023 को जन आधार कार्ड से मेरा नाम हटवा दिया। मैं वर्तमान में जीवित हूं। जब मुझे इसकी जानकारी मिली तो इस मामले को लेकर मैंने कोर्ट में तहरीर देकर ससुराल पक्ष के साथ ही सचिव के खिलाफ 28 अगस्त 2023 को कुम्हेर पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया। इस मामले को नौ माह होने के बाद भी पुलिस ने किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पीड़िता भरतपुर स्थित मुख्यमंत्री जनसुनवाई केंद्र पर पहुंची। वहां उसने अधिकारियों से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरा चयन नर्सिंग ऑफिसर में हो गया है। उसके सत्यापन के लिए मुझे जाति प्रमाण पत्र और मूल निवास की आवश्यकता है। लेकिन मेरे ससुराल पक्ष के सदस्यों और ग्राम पंचायत रूंध हेलक सचिव ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया और मेरा नाम जन आधार कार्ड से हटवा दिया है। मुझे दस्तावेज बनवाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उसने दस्तावेज बनवाने के साथ-साथ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सड़क हादसे में 2 भाइयों की मौत

चित्तौड़गढ़, 24 मई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ के भादसोड़ा थाना इलाके में बागुंड के पास शुक्रवार को सड़क हादसे में 2 भाइयों की मौत हो गई। दोनों भाई बाइक पर अनगढ़ बावजी प्रसादी में खाना खाने जा रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हुआ।

दरअसल बागुंड के पास बाइक सवार चचेरे भाइयों की सड़क हादसे में मौत हो गई। दोनों चचेरे भाई बाइक से अनगढ़ बावजी प्रसादी में खाना खाने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आई पत्थरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक पलट गई। इससे एक भाई पत्थरों के नीचे दब गया। वहीं दूसरा बाइक से गिर गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस पहुंची और दोनों के परिजनों को सूचना दी। कूथना निवासी चचेरे भाई लोकेश (22) पुत्र रामलाल जाट और प्रकाश (25) पुत्र शंकर जाट दोनों बाइक पर सवार होकर अनगढ़ बावजी जा रहे थे। दोनों वहां प्रसादी का खाना खाने जा रहे थे। जैसे ही दोनों बागुंड के पास मेन रोड से सर्विस लेन की कट पर मुड़े, उसी दौरान सामने से आती पत्थरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलटी खा गया। इससे ट्रॉली में भरे पत्थर लोकेश पर जा गिरे और वो पत्थरों के नीचे दब गया। लोकेश की मौके पर ही मौत हो गई।

प्लास्टिक की थैली बेचने वालों पर दबिश

दुकानदार गोदाम बंद कर भागे

अलवर, 24 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर में कलेक्टर के निर्देश पर नगर निगम और रेवेन्यू अफसरों ने प्लास्टिक की थैलियां बेचने वालों पर शिकंजा कस दिया है। प्लास्टिक थैलियों के गोदामों पर हुई कार्रवाई के बाद कई दुकानदार गोदाम बंद कर भाग खड़े हुए हैं। नगर निगम ने मानसून से पहले नालों की सफाई का अभियान चलाया है। इस दौरान नालियों और बड़े नालों के अवरुद्ध होने का बड़ा कारण प्लास्टिक थैली है। पिछले कुछ दिनों से सफाई अभियान के दौरान सबसे ज्यादा प्लास्टिक कैरी बैग कूड़े में मिले हैं। इससे कलेक्टर खफा हुए और कार्रवाई करने के आदेश दिए। शुक्रवार को नगर निगम कमिश्नर बीएस चौहान के आदेश मिलने के बाद नगर निगम के रेवेन्यू अधिकारी युवराज मीणा के नेतृत्व में भटियारों वाली गली स्थित असम एजेंसी पर निरंतर निगाह रखी जा रही थी। सूचना मिलते ही छापामार कार्रवाई कर

490 किलो प्लास्टिक थैलियां और 31 किलो डिस्पोजल जब्त किया गया। इस दौरान दुकान मालिक सुनील कुमार मौजूद रहे। नगर निगम के अनुसार आगे भी कार्यवाही की जा रही है। जहां भी प्लास्टिक बैग्स का स्टोरेज मिलेगा, उसे जब्त किया जाएगा। नगर निगम कमिश्नर बीएस चौहान ने सख्त निर्देश दिए हैं कि शहर में चारों और प्लास्टिक की थैलियों में कूड़ा भरकर फेंका जा रहा है। इससे गंदगी होती है और नाले अवरुद्ध होते हैं। प्लास्टिक थैलियों के गोदामों पर कार्रवाई होता देख कई दुकानदार तो गोदाम बंद कर भाग खड़े हुए हैं। साथ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एक ऐसी बीमारी, जो बन जाती है तलाक का कारण

मरीज को सुनाई देती काल्पनिक आवाज, सुसाइड का होता मन

कोटा, 24 मई (एजेंसियां)। दिमाग से जुड़ी कई बीमारियों में से एक स्किजोफ्रेनिया भी है। ये बीमारी कई दंपती के तलाक का कारण बन चुकी है। वहीं मरीज में सुसाइड टेंडेंसी भी बढ़ा देती है। बीमारी बढ़ने पर इसे कंट्रोल करना मुश्किल होता है।

भारत में 1.4 करोड़ से ज्यादा लोग इस बीमारी से पीड़ित है। स्किजोफ्रेनिया का वर्णन प्राचीन चिकित्सा व आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी है। इस बीमारी में मरीज काल्पनिक विचारों की आंतरिक जिंदगी में जीता है और बाहरी दुनिया से अलग-थलग रहता है। मरीज के कामकाज के तरीके और एकाग्रता दोनों पर असर पड़ता है।

वास्तविक और काल्पनिक अनुभव में फर्क करना मुश्किल

मनोचिकित्सक डॉ.एमएल अग्रवाल ने बताया कि स्किजोफ्रेनिया एक ऐसा रोग है जो मनुष्य के विचार, अनुभूति और व्यवहार पर गंभीर असर करता है। मरीज के वास्तविक और काल्पनिक अनुभव में फर्क करना कठिन हो जाता है। मरीज के लिए तार्किक रूप से सोचना, सामान्य भावनाओं को व्यक्त करना और

समाज में उचित व्यवहार करना कठिन हो जाता है।

17 से 26 साल के युवाओं में ज्यादा होती बीमारी

ये बीमारी 17 से 26 साल के युवाओं में होने के चांस ज्यादा होते हैं। ज्यादा उम्र में भी इस बीमारी के लक्षण सामने आते हैं। डॉ. एमएल अग्रवाल ने बताया कि स्किजोफ्रेनिया होने का निश्चित कारण नहीं है। इसकी एक से ज्यादा वजह हो सकती है। इसमें आनुवंशिक कारण के चलते भी यह बीमारी होने की संभावना होती है। मनोवैज्ञानिक कारण में पारिवारिक समस्या, तनावपूर्ण जीवन, सामाजिक सांस्कृतिक प्रभाव, गर्भावस्था और प्रसूति के दौरान तकलीफ, बचपन में अतिपूर्ण विकास भी कारण हो सकता है।

इसके अलावा इस बीमारी का जो मुख्य कारण माना जाता है वह मस्तिष्क के चेतना तन्तुओं के बीच के रासायनिक तत्वों में होने वाले परिवर्तन से होता है। यानी कि ब्रेन में जो केमिकल होते हैं, उनमें इन बैलेंस होने की वजह से यह बीमारी होती है।

डॉ. एमएल अग्रवाल ने बताया कि इस बीमारी में मरीज को वास्तविकता और भ्रम के बीच अंतर मालूम नहीं होता। उसके दिमाग में अलग-अलग विचार आते रहते हैं, जिन्हें वह सच मान लेता है। उसके बाद कितनी ही समझाइश की जाए, वह नहीं सुनता। इस बीमारी से ग्रसित लोगों के दांपत्य जीवन में खटास और कई बार तलाक जैसे मामले भी सामने आए है। डॉ. एमएल अग्रवाल ने दो केस स्टडी के बारे में भी बताया, जिसमें एक इंजीनियर अपनी पत्नी को तलाक देने पर अड़ गया था वहीं एक बच्चे को सुसाइड टेंडेसी होने लगी थी। एक केस स्टडी बताते हुए कहा- एक इंजीनियर युवक इस बीमारी से ग्रसित था। समय रहते लक्षण को पहचान नहीं पाए। बीमारी ज्यादा बढ़ गई। इस बीच वह पत्नी पर शक करने लगा, जिसके चलते परिवार में झगड़ा होने लगा। वह तलाक देने की बात पर अड़ गया। डॉक्टरों से चैकअप करवाया तो उसका डायग्नोसिस किया गया, जिसमें बीमारी का पता लगा। इसके बाद दवा शुरू की और बीमारी को कंट्रोल किया गया।

विश्वेंद्र-दिव्या सिंह केस में सुनवाई की अगली तारीख 28 मई

मामला एसडीएम कोर्ट में सुनवाई योग्य है या नहीं, इस पर हुई बहस

भरतपुर, 24 मई (एजेंसियां)। भरतपुर पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह और दिव्या-अनिरुद्ध सिंह मामले में भरतपुर एसडीएम कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 28 मई दी है। गुरुवार को कोर्ट में इस विषय पर बहस हुई कि यह मामला इस कोर्ट में सुनवाई योग्य है या नहीं।

बता दें विश्वेंद्र सिंह ने खुद के वरिष्ठ नागरिक होने का हवाला देते हुए पत्नी व बेटे से 5 लाख प्रति माह भरण पोषण मांगा था। साथ ही मारपीट समेत कई गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद से दोनों पक्षों की ओर से मीडिया में बयान जारी कर अपने-अपने पक्ष रखे गए।

पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह के वकील यशवंत सिंह फौजदार ने बताया- आज पूर्व राज परिवार के विवाद मामले पर सुनवाई हुई। दोनों पक्षों के वकील एसडीएम कोर्ट में पेश हुए। एसडीएम रवि कुमार ने कहा कि हमें अभी फाइल पढ़ने की जरूरत है। इसके लिए दो दिन और चाहिएं। इसलिए उन्होंने 28 मई की अगली तारीख दी है। 28 मई को फैसला सुनाए जाने की उम्मीद है।

विश्वेंद्र सिंह ने पत्नी दिव्या सिंह और बेटे अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ एसडीएम कोर्ट में भरण पोषण की याचिका लगाई थी। इस पर कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दिव्या सिंह की ओर से विश्वेंद्र के प्रार्थना पत्र पर सवाल उठाते हुए कहा गया था कि यह मामला एसडीएम कोर्ट में सुनवाई योग्य नहीं है। ऐसे में इस पर बहस हुई कि मामला इस कोर्ट में चलने योग्य है या नहीं।

विधायक कुनामनेनी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव कुणामनेनी संबाशिव राव ने आज भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद पिछले 10 वर्षों में विभाजन और चुनावों के दौरान किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया, मोदी सरकार ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए कुछ नहीं किया और इसीलिए उसने चुनाव प्रचार के दौरान लोगों में गुस्सा भड़काने की कोशिश की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता के मद में चूर हैं और इसीलिए वह कह रहे हैं कि वह 2047 तक प्रधानमंत्री रहेंगे। शुक्रवार को यहां मकदूम भवन में भाकपा की राष्ट्रीय समिति के सदस्य पल्ला वेंकट रेड्डी और राज्य सचिवालय सदस्य पास्या पद्मा द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि भाजपा सांप की तरह है और इसके सिर के साथ-साथ पूंछ में भी जहर है। उन्होंने

कहा, 75 साल के प्रधानमंत्री मोदी कह रहे हैं कि वह अगले 100 साल तक प्रधानमंत्री रहेंगे। मैंने ऐसा निरंकुश, तानाशाही और एक व्यक्ति का शासन कभी नहीं देखा। कुणामनेनी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी के इस बयान का जिक्र करते हुए कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद बीआरएस के 25 विधायक कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे, यह भी कहा कि इसका मतलब यह है कि कांग्रेस तेलंगाना में एमपी चुनाव जीतने जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने तेलंगाना राज्य के गठन से पहले किए गए कई वादे और संस्थानों का विभाजन तथा बय्याराम स्टील फैक्ट्री, वारंगल कोच फैक्ट्री, आदिवासी विश्वविद्यालय, आईआईएम और अनुसूची IX जैसे वादे केंद्र द्वारा अब तक पूरे नहीं किए गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से 10 वर्षों में, केंद्र की भाजपा सरकार ने पुराने वादों को लागू नहीं किया, एक भी नया वादा नहीं किया, न ही मोदी-भाजपा सरकार ने आंध्र प्रदेश के लिए कुछ किया और उसने हल्दी बोर्ड स्थापित करने के वादे को भी पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि मोदी के अनुयायी और केंद्र में बैठे लोग कह रहे हैं कि अगर भाजपा को 400 एमपी सीटें मिलीं तो वे संविधान बदल देंगे, उन्होंने कहा कि मोदी खुद कह रहे हैं कि वे संविधान नहीं बदलेंगे। उन्होंने पूछा, क्या मुस्लिम आरक्षण को खत्म करना असंवैधानिक नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि किसी न किसी नाम पर भाजपा ने हिंदुओं और मुसलमानों के बीच विभाजन को भड़काने की कोशिश की। चुनाव आयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मनमानी करने के लिए कोई कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं है और जैसे-जैसे स्थिति खराब होती गई, नोटिस जारी किए गए हैं। ऐसा लगता है कि मोदी ने देश में इसकी उम्मीद नहीं की थी और हमें पूरा भरोसा है कि संसदीय नतीजे भारत गठबंधन के पक्ष में होंगे। चुनाव में लोगों के सामने सिर्फ धर्म ही खड़ा नहीं होगा।

कल जैन धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन स्वाध्यायी संघ काचीगुडा के तत्वावधान में जैन धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर रविवार, 26 मई से 1 जुन के बीच पुनमचंद गांधी जैन स्थानक काचीगुडा में आयोजित किया गया है। 25 मई तक इसका रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। 8 वर्ष से उपर के बालक - बालिकाएं इसमें भाग ले सकते हैं ऐसी जानकारी संयोजक दिनेश सिंघवी ने दी। अधिक जानकारी के लिए शिक्षक रुपचंद परमार से संपर्क करने का निवेदन किया गया है।

26 मई को शहरी खेती प्रशिक्षण

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बागवानी विभाग 26 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक तेलंगाना बागवानी प्रशिक्षण संस्थान, रेड हिल्स हैदराबाद में 'माना इलु माना कुरागयालु कार्यक्रम' के तहत शहरी खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छत पर अच्छी गुणवत्ता वाली, कीटनाशक अवशेष मुक्त सब्जियां उगाने के साथ-साथ वर्षा जल संचयन के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

मतगणना कार्मिकों की प्रथम रैंडमाइजेशन प्रक्रिया रिटर्निंग अधिकारी देखरेख में सम्पन्न

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मतगणना कार्मिकों की प्रथम रैंडमाइजेशन प्रक्रिया रिटर्निंग अधिकारी जिला कलक्टर शशांक की देखरेख में सम्पन्न हुई। संसदीय चुनावों की मतगणना की तैयारियों के तहत मतगणना कर्मचारियों ने शुक्रवार को पहली रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पूरी कर ली। चेवेल्ला संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी कलेक्टर शशांक ने एकीकृत जिला कार्यालय परिसर भवन में कलेक्टर कक्ष में चुनाव आयोग के नियमों का पालन करते हुए पहली रैंडमाइजेशन प्रक्रिया का संचालन किया। रंगारेड्डी जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के तहत मतगणना केंद्रों में चुनाव ड्यूटी करने वाले गिनती पर्यवेक्षकों, गिनती सहायकों और माइक्रो पर्यवेक्षकों को रैंडमाइजेशन के माध्यम से नियुक्त किया गया है।

जिले के सात खंडों के लिए कुल 777 मतगणना कर्मचारी नियुक्त किए गए और रैंडमाइजेशन किया गया। इनमें 227 मतगणना पर्यवेक्षक, 273 मतगणना सहायक और 277 माइक्रो पर्यवेक्षक हैं। कलेक्टर ने कहा कि मतगणना कर्मचारियों के लिए विभिन्न चयनित केंद्रों पर मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतगणना प्रबंधन पर प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इसके मद्देनजर अधिकारियों को मतगणना ड्यूटी के लिए नियुक्त कर्मियों को तत्काल आदेश जारी करने का भी निर्देश दिया गया। इस रैंडमाइजेशन प्रक्रिया में मैन पावर मैनेजमेंट नोडल अधिकारी श्रीलक्ष्मी, चुनाव प्रभाग अधिकारी सैदुलु, संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

दो दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण स्वामी महोत्सव संपन्न

मदनूर, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण स्वामी रथ उत्सव भक्ति भाव से ग्रामवासियों के सहयोग से दो दिवसीय रथ उत्सव का आयोजित किया गया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष संदूरवार हनमंलू ने बताया कि 23 में गुरुवार सुबह मंदिर परिसर में भजन एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। देर रात लक्ष्मी नारायण मंदिर से लेकर पुराना बस स्थानक हनुमान मंदिर तक रथ की शोभा यात्रा निकाली गई।

24 मई शुक्रवार को सुबह 10 बजे से लेकर 2 बजे तक कुस्ती प्रतियोगिता हुई। जिस में विजयी प्रतिभागी को 51 रूपए से लेकर पांच हजार एक सौ रूपए का पारितोषिक दिया गया। शुक्रवार के दिन शाम में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। सभी भक्तों से इस में भाग लेकर रथ महोत्सव मनाया।

एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के लोगो का अनावरण

हैदराबाद, मई 24 (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल), नगरनार ने सुस्थिर इस्पात उत्पादन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एनएमडीसी स्टील प्लांट में अपने लोगो का अनावरण सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने किया। इस अवसर पर निदेशक विनय कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी बी. विश्वनाथ, अधिशासी निदेशक के. प्रवीण कुमार, तथा एनएसएल एवं एनएमडीसी के कार्मिक और कर्मचारी संघों के प्रतिनिधि उपस्थिति थे ।

इस अवसर पर अमिताभ मुखर्जी ने कहा, एनएसएल का यह लोगो हमारी पहचान और बस्तरिया के रूप में हमारे अंदर निहित असीम गर्व को दर्शाता है। यह सुंदरता के साथ छत्तीसगढ़ के डोकरा कला शैली को दर्शाता है, जो कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय समुदाय के साथ हमारे प्रगाढ़ संबंधों को उजागर करता है।

इस अवसर पर एनएसएल की पहली वार्षिक योजना बैठक हुई। वार्षिक योजना बैठक में पिछले वर्ष की सफलताओं को आगे बढ़ाने, परिचालन चुनौतियों का समाधान करने और सुस्थिर बनाने, और आने वाले वर्षों के लिए कार्यनीतिक पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में उत्पादन क्षमता बढ़ाने, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने तथा नवाचार और उत्कृष्टता की गति को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया ।

तेलुगु सिने कर्मियों को धोखा देने के आरोप में व्यवसायी गिरफ्तार

हैदराबाद, मई 24 (स्वतंत्र वार्ता)। रायदुर्गम पुलिस ने शुक्रवार को अनधिकृत व्यक्तियों को मकान आवंटित करके तेलुगु सिने वर्कर्स कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड के सदस्यों को धोखा देने के आरोप में एक व्यवसायी को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार व्यक्ति खाजागुड़ा के चित्रपुरी कॉलोनी का रहने वाला वी. अनिल कुमार (44) है। राज्य सरकार ने लागत के आधार पर सिने श्रमिकों के लिए फ्लैटों के निर्माण के उद्देश्य से सोसायटी के लिए मणिकोंडा में भूमि आवंटित की थी।

पुलिस ने कहा कि अनिल कुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर सरकार द्वारा नियुक्त 'आवंटन समिति' के दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया और कथित तौर पर अनधिकृत व्यक्तियों से भारी रकम वसूल कर उन्हें मकान आवंटित कर दिए। अब तक रायदुर्गम में अनिल और अन्य के खिलाफ इसी तरह के छह मामले दर्ज किए गए थे।

नारायण सेवा संस्थान द्वारा कृत्रिम अंगों का वितरण

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में नारायण सेवा केंद्र हैदराबाद में निशुल्क कृत्रिम अंग एवं व्हील चेयर वितरण किया गया। आश्रम के प्रभारी महेंद्र सिंह रावत ने बताया कि, सेवा केंद्र में कृत्रिम ज्वेलरी बनाने का कार्य भी निशुल्क सिखाया जाता है।

अगर कोई भी महिला या पुरूष यह काम सिखना चाहता है तो इसामिया बाजार स्थित केंद्र में आकर संपर्क कर सकता है। इस अवसर पर उत्तम जैन, अलका चौधरी, अभय चौधरी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

टीटीडी ने 30 जून तक वीआईपी ब्रेक रद्द किया

तिरुमाला, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी की छुट्टियों में तीर्थयात्रियों की भीड़ अपने चरम पर पहुंचने के साथ, टीटीडी ने 30 जून तक शुक्रवार, शनिवार और रविवार को वीआईपी ब्रेक दर्शन रद्द कर दिया है। चूंकि सर्व दर्शन तीर्थयात्रियों के लिए दर्शन का समय पहले से ही लगभग 30-40 घंटे लग रहा है, इसलिए आम तीर्थयात्रियों के व्यापक हितों को देखते हुए, टीटीडी ने यह निर्णय लिया है। ऐसे में वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए कोई सिफारिश पत्र प्राप्त नहीं किया जाएगा। भक्तों से अनुरोध है कि वे इस पर ध्यान दें और टीटीडी के साथ सहयोग करें।

महिला बनकर पुरुष को ठगने वाले जालसाज को पकड़ा

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक साइबर जालसाज, जिसने महिला बनकर सोशल नेटवर्किंग साइट पर एक पुरुष से शादी का झांसा देकर 14 लाख रुपये की ठगी करनेवाले को साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, एम. अशोक रेड्डी (23) जिसने एक महिला के नाम, विवरण और तस्वीरों के साथ सोशल नेटवर्किंग साइटों पर नकली उपयोगकर्ता प्रोफ़ाइल बनाई, उसने बिना सोचे-समझे पीड़ितों से संपर्क किया और चैट के माध्यम से एक आभासी संबंध शुरू किया। पुलिस ने कहा कि दोस्ती, प्यार और शादी के बहाने, संदिग्ध ने पीड़ित से पैसे एकत्र किए और उन्हें विभिन्न ऑनलाइन गेम और ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप खेलने पर खर्च कर दिया। अशोक पहले साइबराबाद में इसी तरह के तीन मामलों में शामिल था।

पेट दर्द सहन न कर पाने पर छात्रा ने खाया कीटनाशक

करीमनगर, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 17 वर्षीय एक लड़की, जिसने कथित तौर पर पेट दर्द सहन नहीं कर पाने पर कीटनाशक खा लिया था, की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, वीणावंका मंडल के कोंडापाका का मूल निवासी गट्टू साई कीर्तन सरकारी आवासीय विद्यालय, सिरसिला में इंटरमीडिएट का छात्र था। प्रथम वर्ष की परीक्षा देकर वह घर आई। 17 मई को पेट दर्द बर्दाश्त नहीं होने पर उसने कीटनाशक खा लिया। जैसे ही उसे उल्टी होने लगी, रिश्तेदारों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां शुक्रवार को इलाज के दौरान उसने अंतिम सांस ली। लड़की के पिता राजैया की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आदिलाबाद में दूषित पानी पीने से 20 ग्रामीण बीमार

आदिलाबाद, 24 मई(स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को गादीगुडा मंडल के सुदूर लोकरी बी गांव में एक कुएं से दूषित पानी पीने के बाद बीस लोग बीमार पड गए। सूत्रों ने कहा कि गांव के निवासियों को पीने के पानी के स्त्रोतों में से एक कुएं से निकाला गया दूषित पानी पीने के बाद दस्त और निर्जलीकरण की समस्या हुई। उन्हें राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) आदिलाबाद में भर्ती कराया गया।

नकली कपास बीज बनाने के आरोप में छह गिरफ्तार

आदिलाबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स टीम के अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां एक गोदाम पर छापा मारकर कथित तौर पर प्रतिबंधित नकली कपास के बीज का निर्माण और पैकेजिंग करने के आरोप में छह को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से कुल 400 किलो बीज जब्त किए गए। बीज की कीमत 19.34 लाख रुपये आंकी गई।

जीएचएमसी सीएसआईआर-आईआईसीटी प्रौद्योगिकियों को लागू करने में सहयोग की संभावनाएं तलाशेगा : रोनाल्ड रॉस

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने क्षेत्रीय आयुक्तों और स्वच्छता की टीम के साथ सीएसआईआर-आईआईसीटी का दौरा किया, ताकि जीएचएमसी के दायरे में आने वाली समस्याओं को कम करने के लिए सीएसआईआर-आईआईसीटी प्रौद्योगिकियों को लागू करने के अवसरों का पता लगाया जा सके। सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ.डी. श्रीनिवास रेड्डी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और डॉ.डी. शैलजा, मुख्य वैज्ञानिक और बीडीआरएम की अध्यक्ष ने अवलोकन, सफलता की कहानियां और आसानी से उपलब्ध प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत किया, जो कचरे को बायोगैस में बदलने, कचरे की त्वरित अवायवीय संरचना, झील उपचार, अपशिष्ट उपचार संयंत्र और सीवेज उपचार संयंत्र आदि के क्षेत्रों में पेश की जा सकती हैं।

अधिकारियों को समाधान देखने के लिए परिसर के अंदर चल रहे संयंत्रों का दौरा कराया गया। रोनाल्ड रॉस ने सहयोग की संभावनाओं के चार पहलुओं पर आगे बढ़ने के लिए सहमति व्यक्त की है, जो जल्द ही सहभागिता मोड में आकार लेंगे।

संपत्ति कर वसूली में गड़बड़ी, आउटसोर्स कर्मियों को वापस लेने के निर्देश

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर निगम प्रशासन विभाग ने कर संग्रह में अनियमितताओं और अस्थायी हेराफेरी और नगरपालिका खातों में राशि का प्रेषण नहीं होने के कारण राज्य के सभी नगर निगम आयुक्तों को संपत्ति कर के संग्रह से आउटसोर्स कर्मियों को वापस लेने का निर्देश दिया है। नगरपालिका प्रशासन (डीएमए) निदेशक डी दिव्या ने सोमवार को इस आशय के आदेश जारी किए। परिपत्र में, डीएमए ने कहा कि संपत्ति कर संग्रह में अनियमितताएं और अस्थायी हेराफेरी और आउटसोर्स किए गए व्यक्तियों द्वारा एकत्रित राजस्व को नगरपालिका खाते में न भेजने का मामला सामने आया है।

परिपत्र में कहा गया है कि यह भी देखा गया कि पर्यवेक्षी अधिकारियों, प्रबंधकों, लेखा कर्मचारियों आदि की ढिलाई और दिन-प्रतिदिन के प्रशासन में दुरुपयोग के अवसरों की गुंजाइश देने के कारण ऐसा किया गया था। तदनुसार, राज्य के सभी नगर निगम आयुक्तों (जीएचएमसी को छोड़कर) को कर संग्रह और राशि के प्रेषण, हैंड-हेल्ड मशीनों की जिम्मेदारी से आउटसोर्स कर्मियों को वापस लेने और उक्त कर्तव्यों को केवल वार्ड अधिकारी या अन्य नियमित कर्मचारियों को सौंपने का निर्देश दिया गया था। परिपत्र में कहा गया है कि यदि बाद की तारीख में कोई विचलन देखा जाता है, तो नियमों के अनुसार संबंधित पर आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी। यूएलबी में लगभग 400 से 500 ग्राम राजस्व अधिकारियों और ग्राम राजस्व सहायकों को उनकी भूमिकाओं को निर्दिष्ट करते हुए कनिष्ठ सहायक और वार्ड अधिकारी के रूप में फिर से तैनात किया गया है। विभाग इस संबंध में उनकी सेवाओं का प्रभावी उपयोग करने का इरादा रखता है।

इस बीच, विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए संपत्ति कर संग्रह पर पांच प्रतिशत छूट योजना के तहत 309.80 करोड़ रुपये एकत्र किए। 24,10,327 संपत्ति मूल्यांकनकर्ताओं में से 4,40,171 मूल्यांकनकर्ताओं ने पांच प्रतिशत छूट सेवा का उपयोग किया और अपने संपत्ति कर का भुगतान किया। जिलों में, सिद्दीपेट 33.60 प्रतिशत संग्रह के साथ सूची में शीर्ष पर है, उसके बाद सूर्यापेट है, जिसमें 31.27 प्रतिशत और मेडचल मल्काजगिरि 30.13 प्रतिशत के साथ दर्ज किया गया है।

इसी तरह, विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए संपत्ति कर के रूप में 1,497.03 करोड़ रुपये एकत्र करने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्तीय वर्ष (2023-24) में विभाग ने 1300 करोड़ रुपये वसूली का लक्ष्य रखा था, लेकिन 922.03 करोड़ रुपये ही जुटा सका।

रायथु भरोसा, फसल बीमा योजना पर किसानों से बातचीत जल्द : नागेश्वर राव

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री थुम्मला नागेश्वर राव ने शुक्रवार को कहा कि रायथु भरोसा और फसल बीमा योजनाओं को लागू करने के तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने से पहले राज्य स्तर पर किसान संगठनों की राय ली जाएगी। राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित दो प्रमुख कार्यक्रमों के शुरू होने से पहले किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ जल्द ही बैठकें आयोजित की जाएंगी।

अपने सचिवालय कक्ष में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष एम कोदंडा रेड्डी, अन्वेष रेड्डी और नल्लामाला वेंकटेश्वरलु सहित विभिन्न किसान निकायों के प्रतिनिधियों से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि कैबिनेट किसानों को मिलने वाली मदद की सीमा पर अंतिम निर्णय लेगी। कार्यक्रमों के अंतर्गत जिला स्तर पर किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पहले ही बैठक कर उनकी राय ली जा चुकी है। दोनों योजनाओं के क्रियान्वयन पर हर स्तर पर काफी मंथन हुआ। उन्होंने कहा कि हितधारक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को एकत्रित किया जाएगा और एक अंतिम रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने कहा कि दोनों योजनाओं पर जल्द ही कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी।

नए आपराधिक कानून जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

निजामाबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक जुलाई से नए आपराधिक कानून अधिनियम 2023 के लागू होने के साथ ही जिला पुलिस ने अपने कर्मियों को नए अधिनियम के बारे में जागरूक करने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। एडिशनल डीसीपी (एडमिन) बी कोटेश्वर राव ने शुक्रवार को पुलिसकर्मियों के लिए नए आपराधिक न्याय कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्मिकों को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में किए गए परिवर्तनों के बारे में जागरूक किया गया।

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम क्रमशः भारतीय दंड संहिता, 1860 दंड प्रक्रिया संहिता, 1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान लेंगे। जागरूकता कार्यक्रम में निजामाबाद के पुलिस कर्मियों, आर्मोर, बोधन डिवीजन कोर्ट कांस्टेबलों, आईटी कोर स्टाफ ने भाग लिया।

26 मई को अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की वार्षिक सभा

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की 26 मई को होने वाली वार्षिक साधारण सभा एवं रजत जयंती उत्सव का आयोजन किया गया है। इसके संबंध में हिमायतनगर में निरीक्षण बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें तैयारियों की अंतिम रूप दिया गया। बैठक में शाखाध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, मानद मंत्री प्रदीप बंसल, संयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य लाजपतराय गुप्ता, संयोजक सुरेश गोयल एवं दिनेश गोयल उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

धवन लेंगे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास? दिग्गज ने अपने करियर पर दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। भारतीय टीम के दिग्गज सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने बताया कि वह ऐसे बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं जहां वह जल्द ही अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करेंगे। अपने पहले टेस्ट मैच में शतक बनाने और अपने सौवें वनडे मैच में शतक का जश्न मनाने वाले धवन लंबे वक्त से टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2022 में खेला था। अब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास को लेकर बड़ा अपडेट दिया है।

धवन का बयान

धवन ने अपनी मौजूदा परिस्थिति पर चर्चा करते हुए कहा, ₹मैं अभी बदलाव के दौर से गुजर रहा हूं जहां मेरी क्रिकेट विश्राम पर आएगी और मेरे जीवन में एक नया अध्याय शुरू होगा। आपके पास केवल एक निश्चित आयु है। यह ज्यादा से ज्यादा एक वर्ष और है।₹ धवन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 2010 में की थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे मैच खेला था। जून, 2011 में धवन ने टी20 क्रिकेट में पदार्पण किया जबकि दो साल तक उन्हें टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के लिए इंतजार करना पड़ा।

चोट की वजह से नहीं खेल सके बाकी बचे मुकाबले

आईपीएल 2024 में धवन कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए। इस सीजन वह सिर्फ पांच मैचों में नजर आए। इनमें सलामी बल्लेबाज ने 125.62 के स्ट्राइक रेट 152 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक अर्धशतक निकला। चोट की वजह से वह बाकी मैचों का हिस्सा नहीं बन सके। अब उन्होंने संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही अपने करियर को लेकर बड़ा फैसला ले सकते हैं। हालांकि, पंजाब किंग्स के कप्तान ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के विषय में चर्चा कर रहे हैं या आईपीएल से संन्यास लेने का विचार कर रहे हैं।

धोनी नहीं लेंगे टूर्नामेंट से संन्यास? सीएसके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 सीजन अब समाप्ति की ओर है और रविवार को इसका फाइनल मुकाबला खेला जाना है। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का सफर ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया था और टीम प्लेऑफ में पहुंचने से चूक गई थी। सीजन की शुरुआत से पहले ही सीएसके के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कप्तानी छोड़ने का फैसला कर सभी को चौंका दिया था जिससे इस बात की चर्चा तेज हो गई थी कि क्या यह माही का आखिरी सीजन है? हालांकि धोनी की तरफ से अभी इसे लेकर कोई बयान सामने नहीं आया है, लेकिन टीम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काशी विश्वनाथन का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि टीम को अगले सीजन भी धोनी की सेवाएं मिलती रहेंगी।

'संन्यास लेने का जवाब सिर्फ धोनी ही दे सकते हैं'

विश्वनाथन ने सीएसके के यू-ट्यूब चैनल पर कहा, धोनी कब संन्यास लेंगे इसे बारे में मुझे कुछ नहीं पता है। यह ऐसा सवाल है जिसका जवाब सिर्फ धोनी ही दे सकते हैं। हमने हमेशा धोनी के फैसले का सम्मान किया है और यह फैसला भी उनके ऊपर ही छोड़ दिया है। सभी को पता है कि उन्होंने अपने फैसले सही समय पर लिए हैं और उनका एलान किया है। हमें उम्मीद नहीं है कि उनके फैसला लेने से पहले हमें जानकारी का पता चलेगा। हमें उम्मीद है कि धोनी अगले सीजन भी खेलेंगे और यह सिर्फ मेरा नजरिया है।

धोनी ने इस सीजन बल्ले से दिखाया दम

धोनी ने इस सीजन 161 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट इस दौरान 220.55 का रहा। अगले सीजन के लिए मेगा नीलामी होनी है और अगले वर्ष धोनी 43 साल के हो जाएंगे। धोनी ने मौजूदा सीजन के शुरुआती मैच से ठीक पहले सीएसके की कप्तानी छोड़ दी थी और ऋतुराज गायकवाड़ को टीम का कप्तान बनाया था।

'फ्लेमिंग की भूमिका नहीं बदलेगी'

सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग का नाम भारतीय टीम के मुख्य कोच के लिए चर्चा में है, लेकिन विश्वनाथन का कहना है कि फ्लेमिंग की भूमिका फिलहाल नहीं बदलने वाली है। विश्वनाथन ने कहा, मैंने मजाक में फ्लेमिंग से पूछा था कि क्या आपने भारतीय टीम के कोच पद के लिए आवेदन किया है? इस पर फ्लेमिंग ने कहा कि क्या आप ऐसा चाहते हैं? यह उनके मतलब की चीज नहीं है क्योंकि वह साल के करीब 10 महीने कोचिंग करना पसंद नहीं करते हैं। हालांकि इस बारे में मेरी उनसे ज्यादा बात नहीं हुई है।

आंद्रे रसेल की सुनील नरेन से मार्मिक अपील- वेस्टइंडीज को खुश होने का एक मौका दे दो

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। सुनील नरेन की फॉर्म खेल देखकर वेस्टइंडीज का हर क्रिकेटप्रेमी उन्हें नेशनल टीम में चाहता है. वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमन पॉवेल से लेकर आंद्रे रसेल जैसे साथी क्रिकेटर भी इनमें शामिल हैं. लेकिन सुनील नरेन ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट में संन्यास से वापसी ना करने का मन बना लिया है. इसे देखते हुए अब आंद्रे रसेल ने भी नरेन से खास अपील की है.

आंद्रे रसेल और सुनील नरेन आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए खेलते हैं. केकेआर आईपीएल 2024 के फाइनल में पहुंच चुकी है और इसकी बहुत बड़ी वजह सुनील नरेन का खेल है. इसी खेल को देखकर आंद्रे रसेल ने कहा कि नरेन संन्यास से वापसी कर कैरेबियाई देशों को खुश होने का मौका दे सकते हैं. सुनील नरेन ने 2023 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था.

आंद्रे रसेल ने 'स्टार स्पोर्ट्स' के शो क्रिकेट लाइव पर कहा,

'ईमानदारी से कहूं तो मैं सुनील के लिए बहुत खुश हूं. टूर्नामेंट में 500 रन के करीब पहुंचना कोई मजाक नहीं है. वह टीम के प्रमुख गेंदबाज हैं. इस नाते चार ओवर बॉलिंग करते हैं और इस सत्र में 16 विकेट ले चुके हैं. यह बताता है कि वे बेहतरीन ऑलराउंडर हैं.'

आंद्रे रसेल ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप के लिए उनसे वापसी की गुजारिश की. उन्होंने कहा, 'मुझे लगाता है उन्हें वापसी के बारे में सोचना चाहिए. टीम चयन से दो सप्ताह पहले मैं उनका मन टटोलने की कोशिश कर रहा था. (शेरफेन) रदरफोर्ड और मैंने उनसे बात करने की कोशिश की और कहा कि सिर्फ इस विश्व कप के लिए क्या आप संन्यास वापस ले सकते हैं. लेकिन इसका सकारात्मक जवाब नहीं मिला.'

ऑलराउंडर रसेल कहते हैं, 'सुनील ऐसे खिलाड़ी हैं जिसकी कमी टीम को महसूस हो रही है. लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने अपना मन बना लिया है और मैं भी उसके निर्णय का सम्मान करता हूं. मेरा मानना है कि अगर वह अपना फैसला बदलते हैं तो पूरा वेस्टइंडीज खुश होगा.' सुनील नरेन ने आईपीएल 2024 में 13 मैच में एक शतक और तीन अर्धशतक की मदद से 482 रन बनाए हैं. उनका स्ट्राइक रेट 179.85 का रहा है. नरेन ने 22 की औसत से 16 विकेट भी लिए हैं.

आईपीएल में शून्य पर आउट होने के मामले में कार्तिक की बराबरी की मैक्सवेल ने

अहमदाबाद, 24 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 का एलिमिनेटर मुकाबला बुधवार को राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया। इस मैच में संजू सैमसन की टीम ने आरसीबी को चार विकेट से हराकर क्वालिफायर-2 में जगह बना ली। अब राजस्थान 24 मई को सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी। एलिमिनेटर मैच में ग्लेन मैक्सवेल गोल्डन डक का शिकार हुए। इस सीजन वह चौथी बार शून्य पर आउट हुए।

इसी के साथ 35 वर्षीय खिलाड़ी के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। वह आईपीएल में सबसे ज्यादा बार गोल्डन डक का शिकार होने के मामले में दिनेश कार्तिक के बराबर पहुंच गए। विकेटकीपर बल्लेबाज 18 बार आईपीएल में पहली गेंद पर आउट हुए। वहीं, मैक्सवेल भी बीती रात 18वीं बार आईपीएल में गोल्डन डक पर आउट हुए। टी20 क्रिकेट में मैक्सेवल ने 32वीं बार पहली गेंद पर शिकार हुए।

आईपीएल का 17वां सीजन ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के लिए कुछ खास नहीं रहा। 10 मैचों में वह सिर्फ 52 रन बना सके। इस सीजन वह चार बार गोल्डन का शिकार हुए। राजस्थान के खिलाफ खेले गए एलिमिनेटर मैच में उन्हें अश्विन ने ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। यह उनका अब तक का बल्ले से सबसे खराब प्रदर्शन है। आईपीएल 2024 में मैक्सवेल ने 8.0 के इकोनॉमी रेट से रन खर्च करते हुए सिर्फ छह विकेट हासिल किए।

ना रसल ना हेटमायर.. कप्तान भी नया, फिर भी विंडीज ने साउथ अफ्रीका को दिया गहरा जख्म

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने पहले टी20 मैच में मेजबान साउथ अफ्रीका को 28 रन से हरा दिया. इसके साथ मेहमान विंडीज टीम 3 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है. नए कप्तान ब्रैंडन किंग की अगुआई में विंडीज टीम ने सबीना पार्क में खेले गए मैच में गजब का खेल दिखाया. अपने स्टार खिलाड़ियों के बगैर साउथ अफ्रीका दौरे पर गई विंडीज टीम की जीत के हीरो कप्तान ब्रैंडन रहे जिन्हों 'किंग' वाली पारी खेली. ब्रैंडन किंग ने 175.56 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए. विंडीज की टीम में ऑलराउंडर आंद्रे रसल, विकेटकीपर निकोलस पूरन, शिमरोन हेटमायर और उसके नियमित कप्तान रोवमैन पॉवेल आदि नहीं हैं. ये सभी खिलाड़ी भारत में अलग अलग फ्रेंचाइजी की ओर से आईपीएल में खेल रहे हैं.

विंडीज की ओर से रखे गए 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीकी टीम 19.5 ओवर में 147 रन पर ढेर हो गई. साउथ अफ्रीका की ओर से ओपनर रीज हैंड्रिक्स ने 51 गेंदों पर 6 चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 87 रन की पारी खेली. इसके अलावा उसके 2 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सके. वेस्टइंडीज की ओर से मैथ्यू फोर्ड और गुडाकेश मोती ने 3-3 विकेट चटकाए. ओबेद मैकॉय की झोली में 2 विकेट गए.

साउथ अफ्रीका ने पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट पर 175 रन बनाए

इससे पहले वेस्टइंडीज ने पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट पर 175 रन बनाए. कप्तान और ओपनर ब्रैंडन किंग ने 45 गेंदों पर 6 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 79 रन बनाए. काइल मायर्स 25 गेंदों पर 34 रन बनाकर आउट हुए वहीं रोस्टन चेज 32 रन बनाकर नाबाद लौटे. साउथ अफ्रीका की ओर से ओटनियल बार्टमैन और एंडिले फेहलुकवायो ने 3-3 विकेट लिए.

200-220 का टोटल खड़ा करना चाहती थी विंडीज

ब्रैंडन किंग को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. सीरीज का दूसरा टी20 मैच इसी वेन्यू पर शनिवार को खेला जाएगा. विंडीज टीम इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी वहीं मेजबान साउथ अफ्रीका की कोशिश बराबरी की होगी. जीत के बाद ब्रैंडन किंग ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप के लिहाज से अच्छी क्रिकेट खेलकर खेलकर खुशी हूं. हम पहले 200 या 220 का स्कोर बनाना चाह रहे थे लेकिन विकेट मुश्किल थी.'

पोंटिंग-लेंगर, फ्लॉवर ने मना किया तो इंग्लैंड का दिग्गज बोला- मुझे बना दो भारतीय क्रिकेट टीम का कोच

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम का अगला हेड कोच कौन होगा, इसपर अगले कुछ दिन में फैसला हो जाएगा. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का नाम भी टीम इंडिया के हेड कोच के लिए सामने आ रहा है. वॉन ने खुद सोशल मीडिया पर भारतीय टीम का कोच बनने की इच्छा जाहिर की है. इससे पहले बीसीसीआई ने टीम इंडिया के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर और ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग से संपर्क किया था लेकिन पोंटिंग ने भारतीय बोर्ड के ऑफर को ठुकरा दिया है. गंभीर इस समय केकेआर टीम को कोचिंग दे रहे हैं. ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि आईपीएल फाइनल के बाद गंभीर इसपर फैसला ले सकते हैं.

वेबसाइट क्रिकबज ने सोशल मीडिया एक्स पर कोच राहुल द्रविड़, मुख्य सेलेक्टर अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा एक फोटो अपलोड करते हुए लिखा, 'आप इंडिया का अगला कोच किसे बनते हुए देखना चाहते हैं? इसपर माइकल वॉन ने इस पोस्ट को रिट्वीट करते हुए एक इंसते हुए इमोजी के साथ लिखा,' ME..मतलब मैं.' इसके बाद सोशल मीडिया पर कॉमेंट की बाढ़ सी आ गई.

'वनडे में शतक जड़ने वाला कोच चाहिए'

माइकल वॉन के इस ट्वीट पर एक यूजर ने लिखा, ' क्यों नहीं. एक क्लासी क्रिकेटर और शानदार कप्तान को लाओ. रिकॉर्ड बोलते हैं. 2005 की एशेज सीरीज अभी तक जेहन में है.' दूसरे यूजर ने लिखा- 'सेल्फ कॉन्फिडेंस.' पाकिस्तानी जर्नलिस्ट ने माइकल वॉन को ट्रोल कर दिया. पाक पत्रकार फरीद खान ने लिखा, ' माइकल, उन्हें एक ऐसा कोच चाहिए जो कम से कम वनडे में एक शतक जड़ा हो.'

भारतीय कोच को कितनी मिलती है सैलरी

बीसीसीआई ने कोच के लिए जो आवेदन जारी किए हैं उसमें सैलरी के बारे में नहीं बताया गया है. लेकिन वर्तमान में राहुल द्रविड़ को बीसीसीआई सैलरी के तौर पर सालाना लगभग 10 करोड़ रुपये दे रही है. इसका मतलब ये हुआ कि हर महीने द्रविड़ की सैलरी 8.34 लाख के आसपास है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई इससे पहले रवि शास्त्री को सालाना साढ़े नौ करोड़ सैलरी देती थी.

सिर्फ एग्रेसन से ट्रॉफी नहीं जीती जाती... रायुडू ने आरसीबी पर कसा तंज, चाहर और पथिराना ने दिए रिएक्शन

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को करारा जवाब दिया है. सीएसके को हराकर आरसीबी ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था. लेकिन एलिमिनेटर में उसे राजस्थान रॉयल्स ने हरा दिया. इस तरह से आरसीबी का लगातार 6 मैचों से चला आ रहा विजय रथ रूक गया. आरसीबी को आईपीएल से बाहर होता देख रायुडू ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें रवींद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, मोईन अली और डेवोन कॉनवे पिछले साल की ट्रॉफी जीत का जश्न मना रहे हैं. ये खिलाड़ी हाथ से पंजा बनाकर दिखा रहे हैं. पंजे का मतलब सीएसके ने 5 बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की है. रायुडू के इस पोस्ट पर सीएसके के स्टार गेंदबाज दीपक चाहर और मथीसा पथिराना ने रिएक्शन दिया है.

दरअसल, आरसीबी के खिलाड़ियों ने सीएसके पर जीत के बाद मैदान पर खूब जश्न मनाया था. ऐसा लग रहा था कि आरसीबी ने ट्रॉफी जीत ली है. खिलाड़ी आक्रामक अंदाज में जीत को सेलिब्रेट कर रहे थे. अंबाती रायुडू को यह बात नागवार गुजरी. उन्होंने कहा कि सिर्फ एग्रेसन और सेलिब्रेशन से ट्रॉफी नहीं जीती जाती. रायुडू ने इंस्टा स्टोरी में फोटो का कैप्शन लिखा, ' 5 बार की चैंपियन टीम का याद दिला रहा हूं. कभी कभी सच्चाई को याद दिलाना होता है. अंबाती रायुडू के इस पोस्ट पर सीएसके सीएसके के तेज गेंदबाज दीपक चाहर और मथीसा पथिराना ने रिएक्शन दिया है. पथिराना ने जहां हंसने वाला इमोजी बनपाया है वहीं चाहर ने सैल्यूज इमोजी पोस्ट किया है.

धोनी ने नहीं मिलाया हाथ

सीएसके की हार के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने आरसीबी के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया. आरसीबी के खिलाड़ी जश्न में इतने मशगूल थे कि धोनी उनसे बगैर हाथ मिलाए ड्रेसिंगरूम की ओर लौट गए. हालांकि इसको लेकर खूब हो हल्ला भी हुआ. लोगों ने इसके लिए धोनी को भी भला बुरा कहा. क्योंकि वे धोनी से इस तरह की उम्मीद नहीं कर रहे थे. कॉमेंट्री के दौरान अंबाती रायुडू इमोशनल हो गए थे. रायुडू ने कहा कि सिर्फ सेलिब्रेशन और अग्रेसन के दम पर ट्रॉफी नहीं जीती जाती. उन्होंने कहा था कि इसके लिए प्लेऑफ में अच्छा खेलना होता है.

पोंटिंग-लैंगर क्या झूठ बोल रहे? जय शाह ने कहा- हमने किसी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स से संपर्क नहीं किया

नई दिल्ली, 24 मई (एजेंसियां)। बीसीसीआई के सचिव जय शाह का कहना है कि भारतीय बोर्ड ने किसी भी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स से कोच बनने के लिए संपर्क नहीं किया है. टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो रहा है. बीसीसीआई टीम इंडिया के नए कोच की तलाश में है. राहुल द्रविड़ अपने कार्यकाल में विस्तार नहीं चाहते. हाल में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर ने कहा था कि उनसे इस पद के लिए संपर्क किया गया था लेकिन उन्होंने बीसीसीआई के ऑफर को ठुकरा दिया.

जय शाह ने कहा ,'मैंने या बीसीसीआई किसी ने भी किसी ऑस्ट्रेलियाई पूर्व क्रिकेटर से कोच

के पद के लिए संपर्क नहीं किया है. मीडिया में चल रही इस आशय की खबरें सरासर गलत हैं.' रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर इंडियन प्रीमियर लीग में क्रमशः दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच हैं.

गौतम गंभीर प्रमुख दावेदारों में शामिल

राहुल द्रविड़ के बाद भारतीय कोच ही चुनने का संकेत देते हुए जय शाह ने कहा ,'राष्ट्रीय टीम के लिए सही कोच तलाशना लंबी प्रक्रिया है. हम ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं जिसे भारतीय क्रिकेट के ढांचे की गहरी समझ हो और अपने हुनर से शिखर तक पहुंचा हो.' बीसीसीआई सचिव ने यह भी कहा कि अगले कोच की नियुक्ति के लिए भारत के घरेलू क्रिकेट ढांचे की समझ होना महत्वपूर्ण है. कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटोर और पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर को भी इस पद के प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा है.

राहुल द्रविड़ को सालाना 10 करोड़ सैलरी मिलती है

बीसीसीआई ने एक कोच के लिए आवेदन जारी किया है. आवेदन करने की आखिरी तारीख 27 मई है. द्रविड़ का कार्यकाल पिछले वनडे विश्व कप था लेकिन बाद में उन्होंने उसे बढ़ाया था लेकिन इस बार द्रविड़ इसके मूड में नहीं हैं. बीसीसीआई द्रविड़ को सालाना 10 करोड़ सैलरी देती है. द्रविड़ दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट कोच हैं.

विकास राज ने एमएलसी उपचुनाव के लिए कर्मचारियों को विशेष आकस्मिक अवकाश देने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने 27 मई को वारंगल-नलगोंडा-खम्मम स्नातक एमएलसी उपचुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले सभी राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों को विशेष आकस्मिक अवकाश देने के आदेश जारी किए हैं। सीईओ ने जिला अधिकारियों को इस संबंध में उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि निजी नियोक्ताओं को छुट्टी देने का कानून में कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए निजी कंपनियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अपने कर्मचारियों को मतदान करने की अनुमति देने के लिए शिफ्ट समायोजित करने या देर से आने के लिए पहल करनी चाहिए। भारत निर्वाचन आयोग ने तेलंगाना राज्य के वारंगल, हनुमाकोंडा, महबूबाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, जनगांव, मुलुगु, सिद्दीपेट, खम्मम, भद्राद्री कोत्तागुडेम, नलगोंडा, सूर्यपेट, यादाद्री भुवनगिरी जिलों में वारंगल-खम्मम-नलगोंडा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना राज्य विधान परिषद के लिए उपचुनाव के लिए कार्यक्रम की घोषणा की है। कार्यक्रम के अनुसार, मतदान 27 मई को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। इस संबंध में, सभी निजी प्रबंधकों, व्यापार, औद्योगिक उपक्रमों या अन्य प्रतिष्ठानों के अधिकारियों (जो मतदान के दिन काम करते हैं) से अनुरोध किया जाता है कि वे अपने कर्मचारियों, श्रमिकों, जो स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकृत मतदाता हैं, को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करें, जैसे कि कार्यालय/ड्यूटी में देर से आने की अनुमति, शिफ्टों का समायोजन, ड्यूटी के घंटों से कम समय तक अनुपस्थित रहना या अन्यथा ताकि वे मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

मुख्य सचिव ने राज्य स्थापना दिवस समारोह के प्रबंधों की समीक्षा की

परेड ग्राउंड, सिकंदराबाद में आयोजित होगा समारोह

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और दो जून को राज्य स्थापना दिवस के लिए किए जाने वाले प्रबंधों की समीक्षा की। ईसीआई द्वारा सरकार को राज्य स्थापना दिवस आयोजित करने की अनुमति दिए जाने के बाद मुख्य सचिव ने अधिकारियों को उचित तरीके से व्यापक प्रबंध करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य स्थापना दिवस समारोह परेड ग्राउंड, सिकंदराबाद में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री सबसे पहले गन पार्क जाएंगे और तेलंगाना अमरवीर स्तूप में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मुख्य सचिव ने पुलिस विभाग को यातायात मार्ग मानचित्र तैयार करने, उतरने/पिकअप पॉइंट और पार्किंग स्थल निर्धारित करने और तदनुसार सुविधाजनक स्थानों पर साइनेज लगाने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्हें कार्यक्रम स्थल से निकलने के समय अनावश्यक देरी से बचने के लिए सुचारू और समय पर प्रस्थान सुनिश्चित करने के लिए पिक अप पॉइंट निर्धारित करके गणमान्य व्यक्तियों की आवाजाही को विनियमित करने के लिए भी कहा गया। आरएंडबी विभाग को बैरिकेडिंग करने और शामियाना/छाया की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग धूप में न निकलें।

जीएचएमसी अधिकारियों को सफाई, समतलीकरण, पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्यकर स्थितियों के रखरखाव और सजावटी झंडियों की व्यवस्था करने के लिए कहा गया। मुख्य सचिव ने सांस्कृतिक विभाग को कार्निवल के माहौल के अनुरूप कलाकारों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ऊर्जा विभाग को तीन चरण बिजली आपूर्ति प्रदान करने और कार्यक्रम स्थल पर स्टैंड बाई टीम को विधिवत रखते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। सभी विभागों को समन्वय में काम करने और समारोह को भव्य तरीके से आयोजित करने के लिए कहा गया। बैठक में डीजीपी रवि गुप्ता, विशेष मुख्य सचिव अधर सिन्हा, प्रमुख सचिव बी वेंकटेशम, जितेंद्र, सचिव क्रिस्टीना ज़ोंगथु, एमडी एचएमडब्ल्यूएसबी सुदर्शन रेड्डी, एमडी टीएसपीडीसीएल मुशर्रफ, सीडीएमए दिव्या, विशेष आयुक्त आईएंडपीआर हनुमंत राव और अन्य अधिकारी शामिल रहे।

निरंजन ने कहा लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं पीएम मोदी

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास को विकृत करने की कोशिश कर रहे हैं और यह कहकर देश के लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान के प्रति नरम है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस पाकिस्तान के प्रति नरम होती और अगर उसने 1971 के बांग्लादेश युद्ध के 'सबसे भीषण युद्ध' में मुक्ति वाहिनी का समर्थन नहीं किया होता, तो बांग्लादेश का गठन नहीं होता। आज यहां गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए निरंजन ने गुरुवार को पटियाला बैठक में मोदी के भाषण को याद किया कि अगर वह बांग्लादेश युद्ध के दौरान वहां होते तो उन्होंने बेहतर सौदा किया होता। अगर मोदी उस समय वहां होते, तो वे करतारपुर साहिब को उनसे छीन लेते और पाकिस्तानी सैनिकों को रिहा कर देते, कांग्रेस नेता ने पलटवार किया। पटियाला बैठक में मोदी की टिप्पणी कुछ और नहीं, बल्कि तत्कालीन जनसंघ के अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी का अपमान है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश युद्ध जीतने के बाद वाजपेयी ने इंदिरा गांधी की प्रशंसा की थी और कहा था, प्रधानमंत्री को अब देश को दुश्मन पर पूर्ण विजय दिलानी चाहिए। अगर सरकार स्थिति को संभालने के लिए और अधिक शक्तियां हासिल करना चाहती है, तो यह पार्टी अपना पूरा सहयोग देने में संकोच नहीं करेगी। निरंजन ने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी युद्धबंदियों के प्रति अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति किसी भी सम्मान के बिना केवल ब्लैकमेल करना जानते हैं।

बीआरएस, कांग्रेस, भाजपा ने तेज किया प्रचार अभियान

27 मई को होगा उपचुनाव

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल-खम्मम-नलगोंडा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना विधान परिषद के उपचुनाव के लिए प्रचार समाप्त होने में सिर्फ एक दिन शेष रह गया है। राज्य के सभी 3 प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपना प्रचार तेज कर दिया है। भाजपा, कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति के नेता 27 मई को होने वाले उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के समर्थन में कई सभाओं को संबोधित कर रहे हैं। वे स्नातक मतदाताओं से ऐसे उम्मीदवारों को चुनने का आग्रह कर रहे हैं जो रोजगार और बेरोजगार स्नातकों के मुद्दों पर लड़ सकें।

सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के मंत्री और प्रमुख नेता चिंतापंडु नवीन उर्फ तीनमार मल्लन्ना के समर्थन में संयुक्त जिलों में ताबड़तोड़ दौरे कर रहे हैं। कांग्रेस नेता कह रहे हैं कि सरकार बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के लिए कदम उठाकर उनकी समस्याओं को हल करने के लिए ईमानदारी से काम कर रही है। वे 2024 के अंत तक दो लाख रिक्तियों को भरने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा रहे हैं।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव और वरिष्ठ नेता टी हरीश राव पार्टी के प्रत्याशी के लिए सभाओं को संबोधित कर रहे हैं। इधर, भाजपा नेता भी अपने प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य में करीब 90 प्रतिशत किसान मोटे किस्म के चावल उगाते हैं और आरोप लगाया कि सरकार द्वारा लगाई गई शर्त किसानों को धोखा देने के समान है। किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि छह महीने पहले तेलंगाना के लोग, जो बीआरएस के भ्रष्ट और निरंकुश शासन से छुटकारा पाना चाहते थे, ने कांग्रेस पार्टी को जनादेश दिया था, लेकिन इसने सभी वादों से मुकरकर उनकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। किशन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने एक भी वादा पूरा नहीं किया है। यह केवल भाजपा ही है जो कांग्रेस से उसके विश्वासघात पर सवाल उठा सकती है। वारंगल, खम्मम और नलगोंडा जिलों की 34 विधानसभा सीटों पर फैले इस निर्वाचन क्षेत्र में 4.6 लाख मतदाता हैं। इस सीट पर 52 उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन मुख्य रूप से कांग्रेस, बीआरएस और भाजपा उम्मीदवारों के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होगा।

कार-बस की टक्कर में 3 की मौत

हैदराबाद-श्रीशैलम राजमार्ग पर हुआ हादसा

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को रंगा रेड्डी जिले के अमंगल में हैदराबाद-श्रीशैलम राजमार्ग पर एक कार केटीजीएसआरटीसी बस से टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस को संदेह है कि कार चालक को गाड़ी चलाते समय झपकी आ गई, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। सभी पीड़ित हैदराबाद के थे और कलवाकुर्ती से लौट रहे थे। बस हैदराबाद से श्रीशैलम जा रही थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और अन्य वाहन चालकों व स्थानीय लोगों की मदद से बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार में फंसे शवों को बाहर निकाला। अमंगल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रेलवे स्टेशन से लाखों के आभूषण बरामद

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे पुलिस सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर सामान्य जांच जारी रखी है, क्योंकि आदर्श आचार संहिता अभी भी लागू है। इस दौरान एक व्यक्ति को पकड़ा है, जिसके पास से लगभग 188.80 ग्राम सोने के आभूषण मिले हैं, जिनकी कीमत 13,16,000 हजार रुपये है। गिरफ्तार आरोपी सिकंदराबाद से आंध्र प्रदेश के गुंटूर जा रहा था। आरोपी मनब हुदैत, कालीकमान पंजेशा, चारमीनार, हैदराबाद का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार बी. साईश्वर गौड़, आईआरपी-सिकंदराबाद अपने सहयोगियों के साथ चुनावों के मद्देनजर नियमित जांच कर रहे थे। इस बीच उन्होंने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर मनाब हुदैत को पकड़ लिया। गहन तलाशी लेने पर उसके बैग में सोने के आभूषण यानी हार, कान की बालियां आदि थे, जिनका वजन लगभग 188.80 ग्राम था। आगे पूछताछ करने पर पता चला कि वह सोने के आभूषण सिकंदराबाद से गुंटूर ट्रेन नंबर 12806 जन्मभूमि एक्सप्रेस से ले जा रहा था, लेकिन उसने कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाए और आभूषणों के बारे में संतोषजनक जवाब भी नहीं दिया। जब्त संपत्ति को उचित कार्रवाई के लिए राज्य कर विभाग को सौंप दिया गया।

रेलवे पुलिस ने डेढ़ करोड़ की संपत्ति बरामद की

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चुनावी जांच के दौरान सिकंदराबाद रेलवे पुलिस ने करीब डेढ़ करोड़ की संपत्ति बरामद करने का दावा किया है। लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर रेलवे पुलिस सिकंदराबाद ने 16 मार्च से 24 मई तक तक आदर्श आचार संहिता के तहत भारी मात्रा में नकदी, आभूषण, नशीला पदार्थ आदि जब्त किया है। बरामद संपत्ति की कुल कीमत 1,44,57,121 रुपये है।

उड़ान के दौरान खोला विमान का दरवाजा

आरजीआईए पुलिस ने यात्री को जारी की नोटिस

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआईए पुलिस ने एक यात्री को उस घटना के संबंध में नोटिस जारी किया है जिसमें उसने हवा में विमान का दरवाजा खोलने का प्रयास किया था। गजुलारामरम निवासी जिम ट्रेनर अनिल नामक यात्री हाल ही में मध्य प्रदेश के इंदौर से हैदराबाद के लिए उड़ान भर रहा था, तभी यह घटना घटी। हालांकि इसका कारण पता नहीं चल पाया है, लेकिन अनिल ने कथित तौर पर उस समय दरवाजा खोलने की कोशिश की जब विमान हवा में था।

हालांकि, केबिन क्रू और सह-यात्रियों ने उसे रोक दिया। आरजीआईए पहुंचने पर एयरलाइनर स्टाफ ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने सीआरपीसी की धारा 41 के तहत अनिल को नोटिस जारी कर घटना के संबंध में अपना बयान दर्ज कराने के लिए उनके समक्ष उपस्थित होने को कहा है।

अमीनपुर एनजीओ ने कुएं से सियारों को बचाया

350 किमी की यात्रा कर टीम पहुंची थी गांव

संगारेड्डी, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर स्थित एक गैर सरकारी संगठन एनिमल वारियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी (एडब्ल्यूसीएस) ने महाराष्ट्र-तेलंगाना सीमा पर स्थित एक गांव में दो सियारों को बचाया जो गलती से एक सूखे कृषि कुएं में गिर गए थे। एनजीओ की महिला सदस्य संतोषी के नेतृत्व में टीम ने गुरुवार को 350 किलोमीटर की यात्रा की। टीम को बुधवार को ग्रामीणों से एक कॉल आया था, जिस दिन सियार कुएं में गिरे थे। टीम करीमनगर जिले में एक अन्य बचाव अभियान में भाग लेने के बाद हैदराबाद वापस जा रही थी। कॉल मिलने के बाद वे तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर गए। शापुर गांव के बाहरी इलाके में कुएं में सियार मिले। संतोषी पिंजरे के साथ कुएं में उतरी और पिंजरे में बंद दोनों सियारों को सुरक्षित बाहर निकाला। चूंकि वे स्वस्थ थे, इसलिए बाद में स्थानीय वन अधिकारियों की मदद से उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया। बचाव दल में एनजीओ के सदस्य गणेश, अरुण और रमेश भी शामिल थे।

संतोषी ने कहा कि सियारों के लिए ऊपर चढ़ने का कोई रास्ता नहीं बचा था क्योंकि खुले कुएं को सीमेंट के छल्लों से सुरक्षित किया गया था। एनजीओ के संस्थापक प्रदीप नायर ने नागरिकों से अपील की है कि अगर कहीं कोई जानवर या पक्षी फंस जाता है तो वे उनके हेल्पलाइन नंबर 96978 87888 पर कॉल करें। उन्होंने कहा है कि उनकी टीम कुछ ही घंटों में उस स्थान पर पहुंच जाएगी।

शैक्षणिक वर्ष से पहले स्कूल यूनिफॉर्म उपलब्ध कराएं अधिकारी

कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु ने दिए निर्देश

निजामाबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि नए शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत में ही सरकारी स्कूल के छात्रों को स्कूल यूनिफॉर्म उपलब्ध करा दी जाए। कलेक्टर ने शुक्रवार को दिचपल्ली में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित सिलाई केंद्र का दौरा किया और अधिकारियों से कहा कि वे 12 जून से शुरू हो रहे नए शैक्षणिक वर्ष के शुरू होने से पहले यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाएं।

उन्होंने कहा कि स्कूलों को फिर से खोलने से पहले सभी छात्रों को स्कूल यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जानी चाहिए। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि यूनिफॉर्म की गुणवत्ता बनी रहे। पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग ने स्कूल यूनिफॉर्म सिलाई का कार्य विशेष रूप से महिला स्वयं सहायता समूहों या उनके महासंघों को दिया है।

हरीश राव ने की मंत्री वेंकट रेड्डी की आलोचना

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी सिद्दीपेट के विधायक हरीश राव ने बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किए गए टीआईएमएस अस्पतालों के निर्माण पर जहर उगलने के लिए राज्य मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार ने आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए गरीब लोगों को अत्याधुनिक और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए केसीआर के विचार से हैदराबाद के सभी तरफ टीआईएमएस अस्पताल स्थापित करने का फैसला किया था। हरीश राव ने याद दिलाया कि उन्होंने इस दिशा में तेजी से कदम उठाए हैं और कहा कि कांग्रेस सरकार, जिसने पिछले पांच महीनों से संरचनाओं और कार्यों की निगरानी को हवा में छोड़ दिया है, निराधार आरोप लगा रही है। अस्पतालों को जल्द से जल्द पूरा करने और उन्हें जनता के लिए उपलब्ध कराने के विचार को दरकिनार किया जा रहा है और राजनीति की जा रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आरएंडबी मंत्री टीआईएमएस अस्पतालों की थोड़ी सी भी समझ के बिना बोल रहे हैं। हरीश राव ने कहा कि मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी की समझ की कमी है जब उन्होंने कहा कि टीआईएमएस एलबी नगर अस्पताल का निर्माण वास्तव में केवल जी+14 मंजिलों का था, जबकि 27 मंजिलों का दावा किया गया था। उन्होंने कहा कि मंत्री, जो मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं कि अगर और मंजिलें होंगी तो मरीजों को परेशानी होगी, उन्हें 5 अप्रैल, 2022 को जयपुर में तत्कालीन राजस्थान कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बनाया जा रहा 24 मंजिला अस्पताल क्यों नहीं दिखाई दे रहा है? उन्होंने यह भी पूछा कि दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा बनाया जा रहा 22 मंजिला अस्पताल, जो उनके गठबंधन का हिस्सा है, उन्हें क्यों नहीं दिखाई दे रहा है? अगर इस कांग्रेस सरकार के मन में वाकई गरीब लोगों का भला करने का विचार है, तो उसे जल्द से जल्द टीआईएमएस अस्पताल का निर्माण पूरा करके इसे उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी के हिसाब से चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाया जाना चाहिए। हरीश राव ने यह भी कहा कि वह सुझाव देना चाहेंगे कि सस्ती टिप्पणी करके स्तर को और कम नहीं किया जाना चाहिए। यह दुखद है कि मंत्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी टीआईएमएस अस्पतालों के निर्माण पर जहर उगल रहे हैं, जिसे बीआरएस सरकार ने महत्वाकांक्षी रूप से शुरू किया है। आबादी की जरूरतों के अनुसार गरीब लोगों को अत्याधुनिक और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा प्रदान करने के केसीआर के विचार को हैदराबाद के सभी हिस्सों में लागू किया जा रहा है।

डॉ. कृष्णा को प्रतिष्ठित डीन मेडल सम्मान

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत बायोटेक के सह-संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. कृष्णा एला को जॉन्स हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ द्वारा प्रतिष्ठित डीन मेडल से सम्मानित किया गया है। डॉ. एला को यह पुरस्कार 22 मई को बाल्टीमोर, मैरीलैंड में ब्लूमबर्ग स्कूल के दीक्षांत समारोह के दौरान डीन एलेन जे मैकेंजी द्वारा उनके असाधारण नेतृत्व, स्थायी दृष्टि और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए योगदान के लिए प्रदान किया गया।

जॉन हॉपकिंस ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने डॉ. एला के अग्रणी कार्य, उल्लेखनीय प्रभाव और वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य पर केंद्रित स्वदेशी, नवीन और सुरक्षित टीका विकसित करने के दृढ़ संकल्प की सराहना की। यह स्कूल का सर्वोच्च सम्मान है, जो उत्कृष्ट सार्वजनिक स्वास्थ्य शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के लिए आरक्षित है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और सुधार में असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन करते हैं।

डॉ. कृष्णा एला ने कहा कि मैं इस पदक को भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता की वैश्विक मान्यता के रूप में स्वीकार करता हूं और इस पदक को भारत को समर्पित करता हूं, जिसने विज्ञान और अनुसंधान एवं विकास को आगे बढ़ाकर उल्लेखनीय सफलता दिखाई है, हमारे वैज्ञानिकों की अनुकरणीय टीम को तथा जनता के प्रति हमारी मजबूत प्रतिबद्धता के परिणामों को समर्पित करता हूं। डॉ. एला ने विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार पर भारत की नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वदेशी रूप से विकसित कोविड वैक्सीन कोवैक्सिन सहित टीकों और मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के विकास को संभव बनाया।

चेयरपर्सन मीना गुप्ता का निधन

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मल्टीपल स्केलेरोसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमएसएसआई) हैदराबाद चैप्टर की संस्थापक और अध्यक्ष मीना गुप्ता का बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 69 वर्ष की थीं। मल्टीपल स्केलेरोसिस (एमएस) के कारण के रूप में जानी जाने वाली मीना गुप्ता, जिन्हें हैदराबाद में एमएस के बारे में जागरूकता बढ़ाने में अकेले ही प्रमुख भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है, का एक कॉर्पोरेट अस्पताल में ऑपरेशन किया गया था। गुरुवार को उनका निधन हो गया।

एमएसएसआई-हैदराबाद चैप्टर की ओर से वार्षिक धन-संग्रह कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जानी जाने वाली मीना गुप्ता ने न केवल एमएस के बारे में वकालत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि रोगियों, रिश्तेदारों, डॉक्टरों, स्वयंसेवकों और देखभाल करने वालों के लिए एक मंच भी तैयार किया।

टीजी ईएपीसीईटी प्रवेश काउंसलिंग 27 जून से

हैदराबाद, 24 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तकनीकी शिक्षा विभाग ने शुक्रवार को तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2024 के लिए तीन चरण के प्रवेश कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें इंजीनियरिंग कार्यक्रमों के लिए पहले चरण का पंजीकरण 27 जून से शुरू होगा। कार्यक्रम के अनुसार, पंजीकरण 5 जुलाई तक किया जा सकता है और प्रमाण पत्र सत्यापन 29 जून से 6 जुलाई तक निर्धारित है। उम्मीदवार 30 जून से 8 जुलाई तक वेब विकल्प का प्रयोग कर सकते हैं। अनंतिम सीट आवंटन 12 जुलाई को या उससे पहले होगा और अभ्यर्थियों को स्वयं ऑनलाइन रिपोर्ट करना होगा तथा 12 से 16 जुलाई के बीच ट्यूशन फीस का भुगतान करना होगा। इसी प्रकार दो और चरण आयोजित किए जाएंगे। निर्देशों के साथ विस्तृत अधिसूचना 19 जून को **वेबसाइट** tgeapcet.nic.in पर उपलब्ध करा दी जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.